www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, सोमवार, 12 फरवरी, 2024 | वर्ष-16 | अंक -308 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

उत्तर प्रदेश में भाजपा ने विकास कार्यों को बर्बाद कर दिया : अखिलेश 02

■ राजधानी में घर-घर राशन योजना लागू करना... 03
■ यात्रियों के लिए खतरनाक साबित हो सकती है...

■ इमरान खान की पार्टी ने चुनाव में धांधली के... 07
■ आईडीएफ ने गाजा में हमास सुरंग की खोज की

मैं एक एक्टर के रूप में संतुष्ट हूं : सुम्बुल तौकीर 10

सार संक्षेप

किसान आंदोलन ने खेती किसानी को बचायाः खड़गे

नई दिल्ली। पंजाब के किसान दिल्ली के आसपास के हाईवे को घेरने की तैयारी कर रहे हैं। 13 फरवरी को किसान दिल्ली की सीमा पर पहुंचने वाले हैं। दूसरी तरफ पंजाब पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किसानों को बधाई दी है कि उन्होंने केंद्र सरकार के लाए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ लड़ाई लड़ी जिसे बाद में केंद्र सरकार को वापस लेना पड़ा।

पश्चिम बंगाल में पूर्व सीपीआई-एम विधायक गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली विधानसभा क्षेत्र से पूर्व सीपीआई-एम विधायक निरापद सरदार को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सरदार को लोगों को कानून अपने हाथ में लेने के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। निरापद सरदार को स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेता शिबू हाजरा की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। हाल ही में शिबू हाजरा की पोल्ट्री फार्म और फार्महाउस को स्थानीय लोगों ने जला दिया था।

मोदी सरकार ने 10 वर्ष में किसान को सिर्फ ठगा : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि मोदी सरकार किसानों को लेकर असंवेदनशील है और उसने 10 साल के कार्यकाल में किसानों को सिर्फ ठगा है और अब उनके रास्ते में कील कांटे बिछाकर उनकी राह में अवरोध पैदा किए जा रहे हैं।

साहित्य अकादमी ने किया उषा किरण के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी ने हिंदी और मैथिली की प्रख्यात कथाकार कवयित्री, नाटककार और लेखिका उषाकिरण खान के निधन पर शोक व्यक्त किया है। साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने रविवार को यहां एक शोक संदेश में कहा गया है कि प्राचीन और आधुनिक कालखंड के जनजीवन एवं संस्कृति के उत्थान-पतन की गाथा को ऐतिहासिक दृष्टि से प्रस्तुत करने वाली उषाकिरण खान के व्यक्तित्व पर अपने स्वतंत्रता सेनानी गांधीवादी पिता के संस्कारों का गहरा प्रभाव पड़ा।

नक्सलियों के लगाए बम की चपेट में आने से जवान घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आज नक्सलियों के लगाए बम की चपेट में आकर एक जवान घायल हो गया। नेलसनार थाना क्षेत्र के जवान एरिया डोमिनेशन और डी-माइनिंग के लिए निकले थे।

जदयू को अपने विधायकों के टूटने का डर!

बिहार में नीतीश सरकार का बहुमत परीक्षण आज

■ विजय चौधरी के आवास पर हुई जेडीयू विधायकों की बैठक
■ तेजस्वी यादव के आवास पर लगा है राजद विधायकों का जमावड़ा

पटना, 11 फरवरी (देशबन्धु)। नीतीश सरकार को आज बिहार सदन में बहुमत साबित करना है। इस बीच नीतीश मंत्रिमंडल के फ्लोर टेस्ट से पहले राजभवन में लीगल एडवाइजर की पूरी टीम बदल दी गई है। सूत्रों के अनुसार बिहार के राज्यपाल के विधि सलाहकार की नई टीम में डॉ कृष्ण नंदन सिंह को चीफ लीगल एडवाइजर, राजीव रंजन पाण्डेय को लीगल एडवाइजर कम रिटेनर और जनार्दन प्रसाद सिंह को एडिशनल काउंसिल बनाया गया है। सियासी हलचलों के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में मंत्री और जेडीयू नेता विजय चौधरी के आवास पर विधायक दल की बैठक की।

संगीत का लुत्फ उठा रहें राजद विधायक

दूसरी ओर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के आवास पर आरजेडी के तमाम विधायक संगीत का लुत्फ उठा रहें हैं। सर्दी से बचने के लिए अलाव का भी इंतजाम है। 12 फरवरी को फ्लोर टेस्ट से पहले आरजेडी अपने तमाम विधायकों को टूटने से बचाना चाह रही है। यही वजह है कि मीटिंग के बाद सभी विधायकों को तेजस्वी के आवास पर ही रोक लिया गया और उनके खाने पीने का भी इंतजाम कर दिया गया।

तेजस्वी के अवास के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम है। जहां साइकिल पर लादकर सब्जियां लाई जा रही हैं। यानी फ्लोर टेस्ट से पहले सभी विधायकों को तेजस्वी के पांच देश रत्न मार्ग स्थित घर पर ही खाना-पीना और सोना है। बिहार में फ्लोर टेस्ट से पहले आरजेडी और जेडीयू अपने-अपने दावे कर रही है। आरजेडी का दावा है कि कुछ बड़ा होगा तो दूसरी तरफ जेडीयू कह रही है कि आरजेडी को अपने विधायकों पर भरोसा नहीं है।

39 जेडीयू विधायक ही पहुंचे

जानकारी के मुताबिक, जेडीयू की बैठक में 39 विधायक ही पहुंचे। जदयू के 6 विधायक नदारद रहे। जो 6 विधायक नहीं पहुंचे उनमें, संजीव सिंह, बीमा भारती, सुदर्शन, मनोज यादव, दिलीप राय, अमन हजारी का नाम सामने आया है। दरअसल, बिहार की सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा तेज है कि जदयू को अपने विधायकों के टूटने का डर है।

जीतन राम मांझी पर रहेगी नजर

ऐसे में नीतीश कुमार को कोई दिक्कत तो नजर नहीं आ रही है, लेकिन जीतन राम मांझी की पार्टी और निर्दलीय के साथ-साथ जदयू के विधायक अगर पाला बदलते हैं तो फिर बिहार में नया सियासी संकट खड़ा हो जाएगा।

किसके पास कितने विधायक

बिहार विधानसभा में कुल सदस्यों की संख्या 243 है। इनमें से लालू यादव की पार्टी राजद के पास सबसे ज्यादा 79 विधायक हैं। कांग्रेस के पास 19 विधायक हैं और वामदलों 16 सदस्य हैं। इस तरह से देखें तो महागठबंधन में कुल विधायकों की संख्या 114 है। दूसरी तरफ एनडीए है। इसमें बीजेपी के पास 78 विधायक, जदयू के पास 45 और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा-सेक्युलर के चार विधायक हैं। इसके अलावा एक निर्दलीय विधायक का भी साथ है। इस तरह से देखें तो सत्ता पक्ष के कुल विधायकों की संख्या 128 है। बिहार में बहुमत का आंकड़ा 122 है।

शरद पवार ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

आयोग ने एनसीपी को संस्थापकों से छीनकर दूसरों को दिया

■ किसी पार्टी के कार्यक्रम और विचारधारा है अहम

मुंबई, 11 फरवरी (एजेंसियां)। अजित पवार धड़े को असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बताए जाने के चुनाव आयोग के निर्णय पर शरद पवार ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने पार्टी को उसके संस्थापकों से छीनकर दूसरों को सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि यह इतिहास का पहला उदाहरण है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके गुट ने चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

शरद पवार ने आगे कहा कि आम लोगों के लिए किसी पार्टी के कार्यक्रम और विचारधारा अहम होती है, चुनाव चिन्ह तो सीमित समय के लिए ही उपयोगी रहता है। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनता चुनाव आयोग के फैसले को न तो स्वीकार करेगी और न ही उसका समर्थन करेगी।

पवार ने की थी पार्टी की स्थापना

करीब 24 साल पहले शरद पवार ने कांग्रेस से अलग होकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की स्थापना की थी। जुलाई 2023 में महाराष्ट्र की सियासत में बड़ा उलटफेर हुआ, जब अजित पवार ने एनसीपी से बगावत कर दी। पार्टी में फूट के बाद एनसीपी पर अधिकार पर चाचा-भतीजे आमने-सामने आ गए। अजित पवार गुट ने चुनाव आयोग का रुख किया। वहीं, शरद पवार खेमे ने भी चुनाव आयोग में अपनी बात रखी। चुनाव आयोग ने दोनों पक्षों के दस्तावेज जांचें और दलीलें सुनीं। चुनाव आयोग ने एनसीपी में विवाद का निपटारा किया और अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट के पक्ष में फैसला सुनाया। अब एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न 'घड़ी' अजित पवार के पास रहेगा।

जनता चुनाव आयोग के फैसले को न तो स्वीकार करेगी और न ही उसका समर्थन करेगीः शरद पवार

मोदी सरकार ने देश में नफरत फैलाई : राहुल

कांग्रेस नेता ने कहा, नफरत एवं हिंसा फैलाने वाले देश के हितैषी नहीं हो सकते

■ देश के लोगों के साथ अन्याय किया जा रहा
■ नियुक्ति हो जाने के बाद भी नहीं मिल रही नौकरी

रायगढ़, 11 जनवरी (देशबन्धु)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश में नफरत एवं हिंसा के लिए भाजपा एवं मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि नफरत एवं हिंसा फैलाने वाले देश के हितैषी नही हो सकते। श्री गांधी ने आज यहां जन नायक चौक में लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि आज जो भी देश में हिंसा फैल रही है उसकी वजह भाजपा और नरेंद्र मोदी की सरकार है। देश के लोगों के साथ अन्याय किया जा रहा है। मणिपुर में दो समुदाय को आपस में हिंसा में झोंक दिया। मणिपुर जल रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी वहां नहीं गए। मुझे भी वहां से जाने से

रोका गया। उन्होने कहा की देश के किसान, गरीब, पिछड़े वर्ग, आदिवासी, दलितों महिलाओं के साथ अन्याय किया जा रहा है। वह अन्याय आर्थिक और सामाजिक रूप में की जा रही है। देश में अन्याय का बीज बोकर नफरत और हिंसा फैलाई जा रही है। सभा के दौरान उन्होंने पास में बैठाए गए बच्चो से पूछा की आप अन्याय वाले हिंदुस्तान में रहना चाहते हो या न्याय वाले हिंदुस्तान में रहना चाहते हो इस पर बच्चे समेत भीड़ ने कहा न्याय के हिंदुस्तान में रहना चाहते हैं। साथ बैठी बच्ची ने कहा की भारत में इसलिए रहना चाहती हूं कि मुझे अपने देश से बहुत प्यार है। बच्ची की बात पर श्री गांधी ने कहा कि जो बात देश के प्रधानमंत्री को समझ आई वो बात इस बच्ची ने दो लाइन में कह दिया। उन्होंने कहा की जो देश में नफरत फैलाते हैं वो देश प्रेमी नहीं होते है।

किसानों के दिल्ली कूच से पहले ही पुलिस अलर्ट

■ राजधानी के कई इलाकों में धारा 144 लागू
■ दिल्ली चलो मार्च के तहत पहुंचेंगे किसान

नई दिल्ली, 11 फरवरी (देशबन्धु)। किसानों के 13 फरवरी को दिल्ली चलो मार्च के मद्देनजर रविवार को राजधानी के उत्तर पूर्वी जिले में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा आदेश लागू किया गया, जिसके तहत बड़ी संख्या में लोगों के एकत्रित होने पर पाबंदी है। दिल्ली में यह आदेश 11 फरवरी से लेकर 11 मार्च तक प्रभाव में रहेगा। दरअसल, लगभग 200 किसान संघ द्वारा आयोजित दिल्ली चलो मार्च के तहत उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब से बड़ी संख्या में किसानों के मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी की ओर कूच करने की संभावना है।

13 को दिल्ली में एकत्रित होने का आह्वान

उत्तर पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त जॉय टिर्की द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, हमने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लगाई है। सूचना मिली है कि कुछ किसान संगठनों ने अपने समर्थकों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून बनाने की अपनी मांगों को लेकर 13 फरवरी को दिल्ली में एकत्रित होने करने का आह्वान किया है। किसी को भी कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ने नहीं दिया जाएगा। आदेश में कहा गया है कि किसानों के अपनी मांग पूरी होने तक दिल्ली की सीमाओं पर धरना देने की आशंका है। इसमें कहा गया है, पहले के विरोध प्रदर्शन के दौरान किसानों ने जिस तरह का व्यवहार और अडियल रुख दिखाया था, उसे ध्यान में रखते हुए, किसानों,समर्थकों के अपने-अपने जिलों से ट्रैक्टर ट्राली, हथियार के साथ दिल्ली की ओर कूच करने की संभावना है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और अन्य संभावित क्षेत्र से भी किसान आएंगे। आदेश के अनुसार, इलाके में जान और माल के नुकसान, किसी भी अप्रिय घटना से बचने और कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए धारा 144 लागू करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आदेश दिया जाता है कि उत्तर पूर्वी जिला पुलिस प्रदर्शनकारियों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करे। आदेश दिया जाता है कि किसी भी व्यक्ति या प्रदर्शनकारी को आग्नेयास्त्र, तलवार, त्रिशूल, भाला, लाठी, रॉड समेत अन्य हथियार लाने की अनुमति न दी जाए।

शंभू बॉर्डर पर कीलें गाड़ी

शंभू बॉर्डर पर सीमेंट के बैरिकेड लगाने के बाद सीमेंट में कीलें भी गाड़ दी गई हैं। पुलिस प्रशासन की ओर से किसानों को रोकने के लिए कड़े इंतजाम किए गए हैं। वहीं शंभू बॉर्डर बंद होने की वजह से कुछ लोग घग्गर नदी से आवागमन कर रहे हैं।

भाजपा ने राज्यसभा उम्मीदवारों का किया ऐलान

सुधांशु त्रिवेदी व आरपीएन सिंह को उम्मीदवार बनाया

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है।

आरपीएन सिंह और सुधांशु त्रिवेदी को उत्तर प्रदेश से उम्मीदवार बनाया गया है। इसके अलावा पार्टी ने बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, कर्नाटक, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल से अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है।

बीजेपी ने सुभाष बराला को हरियाणा से पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया है, जबकि बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को उत्तराखंड से राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने बिहार बीजेपी महिला मोर्चा अध्यक्ष धरमशिलाा गुप्ता को भी उम्मीदवार घोषित किया है। पार्टी ने नीतीश कुमार के पूर्व सहयोगी रहे भीम सिंह को भी उम्मीदवार बनाया है।

टीएमसी ने सागरिका घोष, सुष्मिता देव को उतारा

पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों का एलान कर दिया है। टीएमसी ने पत्रकार सागरिका घोष, पार्टी नेता सुष्मिता देव को उम्मीदवार बनाया है। इसके साथ ही टीएमसी ने ममता बाला ठाकुर और नदीमुल हक के नाम का भी उम्मीदवार के रूप में एलान किया है। पार्टी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। अपनी पोस्ट में टीएमसीने लिखा कि हमें आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए सागरिका घोस, सुष्मिता देव, नदीमुल हक और ममता बाला ठाकुर की उम्मीदवारी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हम उन्हें अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं और कामना करते हैं कि वे हर भारतीय के अधिकारों के लिए अदम्य भावना और वकालत की तृणमूल की स्थायी विरासत को बनाए रखने की दिशा में काम करें।

मध्य प्रदेश के झाबुआ में बोले मोदी

सुना है मप्र कांग्रेस में भगदड़ मची है

■ जनजातीय सम्मेलन को संबोधित किया

झाबुआ, 11 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मध्यप्रदेश में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की स्थिति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इस दल में भगदड़ की स्थिति है। श्री मोदी ने आदिवासी बहुल झाबुआ में जनजातीय सम्मेलन को संबोधित

किया। इस दौरान उन्होंने साढ़े सात हजार करोड़ रुपए की लागत वाली योजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण किए। ये योजनाएं सड़क, रेल, बिजली और जल क्षेत्र से संबंधित हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। श्री मोदी ने एक तरफ जहां कांग्रेस पर हमले किए, तो उन्होंने प्रदेश कांग्रेस की स्थिति पर तंज कसते हुए कहा, सुना है मध्यप्रदेश कांग्रेस में खूब भगदड़ मची है। जनता की उपेक्षा करने वालों का यही हश्र होता है। कांग्रेस जनता की उपेक्षा के दल दल में फसी है।

कांस्टेबल परीक्षा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित की जाएगी

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जारी किया बयान

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में कांस्टेबलों की भर्ती के लिए कांस्टेबल (सामान्य ड्यूटी) परीक्षा पहली बार हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि लगभग 48 लाख उम्मीदवारों के लिए परीक्षा 20 फरवरी से 7 मार्च तक देश भर के 128 शहरों में आयोजित की जाएगी।केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में स्थानीय युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पहल पर यह ऐतिहासिक फैसला लिया गया है। अब असमिया, बांग्ला, गुजराती, मराठी, मलयालम, कन्नड़, तमिल, तेलुगू, ओड़िया, उर्दू, पंजाबी, मणिपुरी और कोंकणी में भी तैयार किए जाएंगे।

मौसम | सेना भर्ती के लिए 1.50 लाख युवा कर रहे आंदोलन

अब नौकरी के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचेंगे युवा

■ केंद्र सरकार की तरफ से नहीं मिला है कोई आश्वासन
■ लगभग 97 भर्तियों को 'अग्निपथ' की आड़ में रद्द किया

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। देश के विभिन्न हिस्सों से ताल्लुक रखने वाले करीब डेढ़ लाख युवा, जिन्होंने सेना में भर्ती होकर 'नाम-नमक-निशान' के जज्बे को साकार करने का सार्थक प्रयास किया था, अब उनकी लड़ाई सुप्रीम कोर्ट में पहुंचेगी। अभी तक इन युवाओं की यह लड़ाई, सड़क से लेकर संसद तक लड़ी जा रही है। केंद्र सरकार की तरफ से इन अभ्यर्थियों को किसी भी तरह का आश्वासन नहीं मिला है।

कांग्रेस पार्टी के 'पूर्व सैनिक विभाग' के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल रोहित चौधरी के मुताबिक, 'युवा न्याय' की कानूनी लड़ाई प्रारंभ होने जा रही है। अग्निपथ योजना की वजह से सेना की पेंडिंग भर्तियों में चयनित 1.5 लाख युवाओं के हक व न्याय की लड़ाई अब सुप्रीम कोर्ट में लड़ी जाएगी। सेना भर्ती के अभ्यर्थियों ने रोहित चौधरी के साथ पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री सलमान खुर्शीद से बातचीत की है। चौधरी ने बताया, इन युवाओं के साथ न्याय

होगा। वे सेना में भर्ती होने की लड़ाई अवश्य जीतेंगे।

अभ्यर्थियों का कहना है कि केंद्र सरकार ने 'अग्निपथ' योजना लाकर लाखों युवाओं के सपनों को रौंद दिया है। डेढ़ लाख से अधिक युवाओं को 'अग्निपथ' योजना लागू होने से पहले तीनों सेनाओं में भर्ती के लिए चयनित किया गया था, लेकिन आज तक उन्हें ज्वाइनिंग लैटर नहीं मिला है। इनमें एयरफोर्स के 7000 युवा और नर्सिंग असिस्टेंस आर्मी (मेडिकल कोर) के लगभग 2,500 नर्सिंग असिस्टेंट भी शामिल हैं। इनकी भर्ती की सारी प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी। 2019 से 2021 के बीच आर्मी में हुई लगभग 97 भर्तियों को भी 'अग्निपथ' योजना की आड़ में रद्द कर दिया गया। कांग्रेस पार्टी के 'पूर्व सैनिक विभाग' के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल रोहित चौधरी बताते हैं, इसमें इन अभ्यर्थियों का क्या कसूर था। इन युवाओं ने सेना में भर्ती होने के लिए अथक मेहनत की थी।

देश

उवाच

झारखंड में चल रही सरकार ने राज्य की छवि बिगाड़ कर रख दी है और जिस तरह के हालात बने हैं उसमें राज्य को संवारना और साख बचाना जरूरी है। जवाबदेह राजनीति को स्थापित करना होगा। सरकार के लिए यह विदाई का साल है।

-सुदेश कुमार महतो, झारखंड में आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	22.0	09.0
मुंबई	26.0	22.0
कोलकाता	24.0	15.0
चेन्नई	27.0	25.0

बिहार में शक्ति परीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों में हलचल बढ़ी

पटना,11 फरवरी (देशबन्धु)। बिहार में एनडीए की नई सरकार को आज विधानसभा में बहुमत साबित करना है। सत्ताधारी दल के पास 128 विधायकों का समर्थन है हालांकि विपक्ष फ्लोर टेस्ट से पहले बड़े खेल का दावा कर रहा है। ऐसे में विधायकों के संभावित टूट से सभी पार्टियां सहमी हुई है और अपने-अपने विधायकों पर पैनी नजर रख रहे हैं। सबसे पहले बिहार कांग्रेस ने टूट के डर से अपने 16 विधायकों को हैदराबाद भेज दिया था। दरअसल, बिहार की सत्ता से बेदखल होने के बाद से ही कांग्रेस को अपने विधायकों में टूट का डर सता रहा था। नई सरकार के शपथ ग्रहण के साथ ही बिहार कांग्रेस ने अपने 16 विधायकों को हैदराबाद भेज दिया था। अब जब सोमवार को नीतीश सरकार का फ्लोर टेस्ट होना है, कांग्रेस के सभी विधायक पटना पहुंच रहे हैं। विधायकों के पटना पहुंचने पर कांग्रेस के साथ कोई खेल न हो जाए इसको लेकर बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने रणनीति बनाई है।

- **विधानसभा में आज बहुमत साबित करेगी एनडीए की नई सरकार**
- **फ्लोर टेस्ट से पहले बड़े खेल का दावा कर रहा है विपक्ष**
- **कांग्रेस के सभी विधायकों को तेजस्वी यादव के आवास में किया गया शिफ्ट**

हैदराबाद से लौटने के बाद कांग्रेस के सभी विधायकों को सीधे तेजस्वी यादव के उस आवास में शिफ्ट कर दिया जाएगा, जहां आरजेडी और माले के विधायक पहले से नजरबंद हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के संरक्षक और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी से भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लेनिनवादी (भाकपा माले) के नेता महबूब आलम ने गत शनिवार को उनके आवास पर जाकर मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद कयासों का बाजार गर्म होने लगा लेकिन कुछ ही देर बाद मांझी ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर लिखा, जो खेला होना था हो गया अब कुछ नहीं होने वाला। मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए मजबूत था है और रहेगा।वहीं जदयू नेता और मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि नीतीश सरकार विधानसभा में आसानी से बहुमत साबित कर देगी। कहीं कोई परेशानी की बात नहीं है।

आरजेडी और माले के विधायक पहले से हैं नजरबंद

शनिवार को विधायक दल की बैठक के बाद आरजेडी ने अपने और माले के सभी विधायकों को नजरबंद कर दिया था। संभावित सियासी खेला के बीच कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह विधायकों के पटना लैंड करने से पहले तेजस्वी यादव के पांच देशरत्न मार्ग वाले सरकारी आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने विधायकों के ठहरने के लिए की गई व्यवस्था का जायजा लिया है। इसके साथ ही साथ तमाम रणनीति पर लालू-तेजस्वी से बातचीत की है। तेजस्वी के इसी आवास से सभी विधायक कल विधानसभा के लिए निकलेंगे। तब तक महागठबंधन के सभी विधायक तेजस्वी के आवास में नजरबंद रहेंगे और लालू प्रसाद की पैनी नजर उनके ऊपर रहेगी।

सभी विधायक एकजुट हैं। उधर शनिवार शाम में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के आवास पर राजद विधायक बैठक में शामिल होने आए। उसके बाद सभी विधायकों को उनके आवास पर ही रोक लिया गया है। बाद में सभी विधायकों के गर्म कपड़े और अन्य सामान उनके घर से मंगवाए गए। बताया जा रहा है कि राजद के विधायक शक्ति परीक्षण तक यहीं रुकेंगे । राजद विधायकों की बैठक के बाद तेजस्वी यादव के आवास पर महागठबंधन के घटक वामदलों की भी बैठक भी हुई।

समीर वानखेड़े ने किया हाई कोर्ट का रुख

मुंबई, 11 फरवरी (एजेंसियां)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व जोनल निदेशक समीर वानखेड़े ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से उनके खिलाफ दर्ज किए गए मनी लॉन्ड्रिंग मामले को बम्बई उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। ईडी ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक प्राथमिकी के आधार पर श्री वानखेड़े के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था, जिसमें आरोप लगाया गया कि अधिकारी ने कॉर्डेलिया क्रूज ड्रग भंडाफोड़ मामले में अपने बेटे का नाम शामिल नहीं करने के लिए अभिनेता शाहरुख खान से 25 करोड़ रुपए की मांग की थी। सीमा शुल्क एवं अप्रत्यक्ष कर कैडर के 2008 बैच के आईआरएस अधिकारी वानखेड़े ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि एनसीबी के उप महानिदेशक ज्ञानेश्वर सिंह के खिलाफ शिकायत करने के कारण उनके खिलाफ ईडी का मामला दर्ज किया गया है। यह मामला 'दुर्भावना और प्रतिशोध की भावना का प्रतीक है' और अदालत से केंद्रीय एजेंसी द्वारा की जाने वाली किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा देने का आग्रह किया है। उन्होंने यह भी मांग की है कि जब तक उच्च न्यायालय उनकी दूसरी याचिका पर फैसला नहीं ले लेता। दूसरी याचिका में उन्होंने सीबीआई द्वारा उनके खिलाफ दर्ज मामले को चुनौती दी है। याचिका के 15 फरवरी को न्यायमूर्ति पीडी नाइक और न्यायमूर्ति एनआर बोरकर की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आने की संभावना है।

■ मनी लॉन्ड्रिंग मामला

जम्मू-कश्मीर की आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर : मनोज सिन्हा

श्रीनगर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान प्रशासन द्वारा लाए गए सुधारों के कारण केंद्र शासित प्रदेश की जीडीपी 2018-2019 में 1.6 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2021-2022 में 2.64 लाख करोड़ रुपए हो गई है। बजट 2024-2025 पर मीडिया से बातचीत के दौरान सिन्हा ने कहा कि कुछ लोग राजनीति करना जारी रखेंगे, चाहे वह एससी को आरक्षण हो या भूमिहीनों को जमीन देना हो। उन्होंने कहा कि उन्हें अपना काम करने दीजिए और हम अपना काम करेंगे।

संसद में बजट 2024-2025 के लेखानुदान के बारे में सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में काफी बेहतर है। उपराज्यपाल ने कहा कि देश के खिलाफ साजिश रचने वालों के खिलाफ भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेंगी। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद के लिए अनुच्छेद 370 को जिम्मेदार ठहराते हुए एलजी ने पिछली सरकारों पर कटाक्ष किया। उपराज्यपाल ने पिछली प्रदेश की

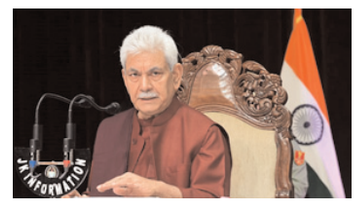

■ पिछली सरकारों पर पर जम्मू-कश्मीर को अशांति की ओर धकेलने का लगाया आरोप

सरकारों पर पर जम्मू-कश्मीर को अशांति की ओर धकेलने का आरोप लगाया। सिन्हा ने जम्मू में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे प्रशासन का प्रयास पूंजीगत व्यय को बढ़ाना और राजस्व व्यय को कम करना है।

जम्मू-कश्मीर का राजस्व व्यय 80,000 करोड़ रुपए है, जिसका एक बड़ा हिस्सा कर्मचारियों के वेतन में जाता है, जबकि पूंजीगत व्यय में 11,000 करोड़ रुपये से 38,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एलजी सिन्हा ने कहा कि पाकिस्तान के इशारे पर पथराव और हमले अब इतिहास बन गए हैं।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस है

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि अब जम्मू-कश्मीर पूरी तरह से भारत संघ के साथ एकीकृत हो गया है और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस है, जबकि पूरे कश्मीर में तिरंगा लहराता है। जेएंडके बैंक पर उन्होंने कहा कि कभी 1200 करोड़ रुपए घाटे वाली यह संस्था अब 1300 करोड़ रुपए के मुनाफे वाली संस्था के रूप में चल रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस वित्तीय वर्ष में बैंक का मुनाफा 1,800 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा। देश विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए जाने के बाद 154 सरकारी कर्मचारियों को सेवा से हटा दिया गया है।

सार संक्षेप

महाराष्ट्र के कोल्हापुर में दो लोगों की हत्या

कोल्हापुर। महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में दो अलग-अलग स्थानों पर रविवार को एक वरिष्ठ नागरिक समेत दो लोगों की हत्या कर दी गई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार रविवार की सुबह करवीर तहसील के कुदित्रे गांव में एक शराबी व्यक्ति ने 65 वर्षीय एक व्यक्ति के सिर पर डंडे से वार कर कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद संदिग्ध आरोपी रतन बालासो भास्कर मौके से भाग गया।

राम व राष्ट्र पर समझौता नहीं किया जा सकता : प्रमोद

संभल। कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस से अपने निष्कासन पर कहा कि राम और राष्ट्र पर समझौता नहीं किया जा सकता है। कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने रविवार को संभल में कहा कि मुझे छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित किए जाने पर मैं कांग्रेस नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं और सवालिया लहजे में पूछा कि क्या राम का नाम लेना पार्टी विरोधी है, क्या अयोध्या जाना पार्टी विरोधी है, क्या भगवान राम की जन्मभूमि के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण स्वीकार करना पार्टी विरोधी है। राम और राष्ट्र पर समझौता नहीं किया जा सकता है।

हरदा फटाखा फैक्ट्री विस्फोट में छठा आरोपी गिरफ्तार

हरदा। मध्य प्रदेश में हरदा नगर के बैरागढ़ क्षेत्र में फटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट के मामले में आज छठवें आरोपी अभिषेक अग्रवाल की गिरफ्तारी देवास जिले के खातेगांव से हुई। पुलिस अधीक्षक अभिनव चौकसे ने बताया कि चार आरोपी को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है तथा पाचवां आरोपी कल और छटवा आरोपी आज गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियो में राजू, सोमेश अग्रवाल, मन्नी, आशीष, अमन और आज एक अन्य आरोपी अभिषेक अग्रवाल खातेगांव जिला देवास की गिरफ्तारी की गयी है। इस तरह अभी तक कुल 6 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। जिनसे प्रकरण के संबंध मे बारीकी से पूछताछ की जाकर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। शेष आरोपियो की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

कोकबोरोक की लिपि को लेकर त्रिपुरा में तनाव

अगरतला। त्रिपुरा स्टूडेंट्स फेडरेशन (टीएसएफ) के नेतृत्व वाले आदिवासियों ने माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक बोर्ड परीक्षाओं में कोकबोरोक भाषा के पेपर लिखने के लिए केवल बंगाली लिपि की अनुमति देने के फैसले के विरोध में सोमवार से अनिश्चितकाल तक राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे मार्ग पर नाकाबंदी का आह्वान किया,जिससे तनाव बढ़ गया।

कश्मीर घाटी में तापमान में सुधार

श्रीनगर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी में तापमान में सुधार होने के बावजूद यह हिमांक बिंदु से नीचे बना हुआ है तथा राजधानी श्रीनगर में रविवार को न्यूनतम तापमान शून्य से 4.7 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने बताया कि श्रीनगर में न्यूनतम तापमान में कुछ डिग्री सुधार हुआ और यह पिछले दिन के शून्य से कम 4.9 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले शून्य से कम 4.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.9 डिग्री सेल्सियस कम है। श्रीनगर में दिन के तापमान में सुधार हुआ और पिछले दिन तापमान 13.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस अधिक था। श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर काजीगुंड में न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले शून्य से कम 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग में रविवार को न्यूनतम तापमान शून्य से कम 3.7 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले 3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पर्यटन स्थल पहलगाम कश्मीर का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान शून्य से कम 8.6 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले शून्य से कम 7.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.9 डिग्री सेल्सियस कम रहा।

कुपवाड़ा का तापमान शून्य से कम 4.4 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले शून्य से कम 4.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 3.1 डिग्री सेल्सियस कम था।

■ श्रीनगर में पारा शून्य से 4.7 डिग्री नीचे

राजनीतिक लाभ पाने की ताक में भाजपा : उद्धव

मुंबई, 11 फरवरी (एजेंसियां)। शिवसेना के दो फाड़ होने के बाद नए सिरे से राजनीतिक पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रहे उद्धव ठाकरे शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे- यूबीटी) के प्रमुख हैं। उन्होंने रविवार को समर्थन करने वाले शिवसेना कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा के रूप में राजनीतिक पहचान और दबदबा रखने वाली पार्टी कभी भारतीय जनसंघ थी। बकौल उद्धव, जनसंघ ने सरकारी नौकरियों में पिछड़े वर्गों को 26 प्रतिशत आरक्षण देने के कर्पूरी ठाकुर के फैसले का विरोध किया था, लेकिन अब राजनीतिक लाभ पाने के लिए उन्हें भारत रत्न से नवाजने की घोषणा हुई है। जहां विपक्षी दलों ने भी कर्पूरी को भारत रत्न देने का स्वागत किया और कहा कि यह फैसला काफी पहले हो जाना चाहिए था। ताजा घटनाक्रम में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सरकार के फैसले को सियासी लाभ की नीयत वाला करार दिया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में बिहार की जनता का वोट और समर्थन हासिल करने के मकसद से केंद्र की नरेंद्र मोदी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा, भाजपा बिहार से लोकसभा चुनाव में वोट चाहती है इसलिए उनके लिए मरणोपरांत भारत रत्न की घोषणा की गई है। हालांकि, राजनीतिक बातों से इतर उन्हें खुशी है कि कर्पूरी ठाकुर के काम को इतने वर्षों के बाद स्वीकार किया जा रहा है। ठाकरे ने कहा, भाजपा ने भारत रत्न के लिए डॉ. एस स्वामीनाथन को भी चुना है।

■ कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने के फैसले को बताया सियासी लाभ

लोस चुनाव में वोट चाहती है इसलिए उनके लिए मरणोपरांत भारत रत्न की घोषणा की गई है : उद्धव ठाकरे

हालांकि, सरकार 10 साल बीतने के बावजूद किसानों की आय बढ़ाने में असफल रही है। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम ने कहा, सरकार स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश को लागू करने में विफल रही है। जनता इस खोखलेपन को अच्छी तरह समझती है। गौरतलब है कि कर्पूरी ठाकुर दो बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे थे लेकिन परिवार को विरासत में देने के लिए एक मकान तक उनके नाम नहीं था। उनके सादगीपूर्ण जीवन के कई किस्से बिहार की समेत देश की राजनीति में अक्सर चर्चा में आते रहे हैं। कर्पूरी ठाकुर विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता भी रहे। एक बार उप मुख्यमंत्री और दो बार मुख्यमंत्री रह चुके कर्पूरी ठाकुर रिक्शे से ही चलते थे। उनके निधन के बाद अविभाजित उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवंती नंदन बहुगुणा उनके गांव गए थे। बहुगुणा कर्पूरी ठाकुर की पुश्तैनी झोपड़ी देख कर रो पड़े थे। कर्पूरी ठाकुर 1952 से लगातार विधायक रहे, पर अपने लिए उन्होंने कहीं एक मकान तक नहीं बनवाया। न ही कोई जमीन खरीद सके।

छत्रपति संभाजीनगर का दौरा करेंगे ठाकरे

छत्रपति संभाजीनगर। शिवसेना (यूबीटी) पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे सोमवार को लोकसभा चुनाव के मद्देनजर छत्रपति संभाजीनगर का दौरा करेंगे। ठाकरे 12 फरवरी को गंगापुर-रत्नापुर, वैजापुर, कन्नड़-सोयगांव, छत्रपति संभाजीनगर पूर्व, पश्चिम और मध्य विधानसभा क्षेत्रों के लोगों के साथ बातचीत करेंगे। ठाकरे सोमवार सुबह विमान से छत्रपति संभाजीनगर शहर पहुंचेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि ठाकरे शाम को छत्रपति संभाजीनगर शहर में पूर्व, पश्चिम और मध्य विधान सभा क्षेत्रों की एक संयुक्त बैठक को भी संबोधित करेंगे।

उत्तर प्रदेश में भाजपा ने विकास कार्यों को बर्बाद कर दिया : अखिलेश

लखनऊ,11 फरवरी (देशबन्धु)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी विकास की राजनीति करती है। समाजवादी सरकारों ने प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास किया। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, नौकरी रोजगार को बढ़ाने का काम किया। उत्तर प्रदेश को नई पहचान दी। शहरों और गांवों को खुशहाली के रास्ते पर आगे बढ़ाया। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि समाजवादी सरकार में किए गए कामों से यूपी की पहचान पूरी दुनिया में हुई। जब से भाजपा सरकार सत्ता में आई है, तब से यूपी का विकास मानो खो गया। भाजपा ने विकास कार्यों को बर्बाद कर दिया। भाजपा ने यूपी को पीछे ढकेल दिया। आज यूपी की चर्चा विकास के बजाय बढ़ते अपराधों, उत्पीड़न, चरम पर पहुंची महंगाई, बेरोजगारी और अन्य वजहों से हो रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में अयोध्या में अंडरग्राउंड बिजली केबिल बिछाने के साथ मेडिकल कॉलेज निर्माण, अयोध्या व फैजाबाद में 300 इंटरलॉकिंग सड़कों के निर्माण के साथ लोहिया योजना के तहत समग्र गांवो का विकास किया गया। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में वाराणसी में वरुणा नदी पर कई पुलों का निर्माण हुआ। पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा का एक ही काम है समाजवादी सरकार के कामों को अपना बताना और समाजवादी निर्माण कार्यों को अपने नेताओं का नाम देना। आने वाले चुनाव में आम मतदाता भाजपा को सबक सिखाएगी।

■ भाजपा पर लगाया प्रदेश को पीछे ढकेलने का आरोप

सपा ने कराया अयोध्या, मथुरा व वाराणसी का विकास

समाजवादी सरकार ने ही अयोध्या में भजन स्थल का निर्माण कराया। उन्होंने कहा कि परिक्रमा पथ के किनारे पौराणिक वृक्ष लगाए गए। घाटों पर चेंज रूम के निर्माण के साथ प्रतिष्ठित धार्मिक स्थलों का सुंदरीकरण किया गया। अयोध्या में संत नृत्य गोपाल दास के मठ के सामने बड़ी सीसी रोड का निर्माण कराया गया। मथुरा में गोवर्धन परिक्रमा मार्ग का भी विकास कराया गया। वृंदावन को ए ग्रेड की नगर पालिका बनाया गया। गोवर्धन विधानसभा में तहसील बनी।

ओडिशा में विभिन्न सड़क दुर्घटनाओं में छह लोगों की मौत

भुवनेश्वर,11 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के झारसुगुड़ा और भद्रक जिलों में रविवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि पहली घटना में, झारसुगुड़ा जिले में पांच लोगों की उस समय मौत हो गई, जब रविवार सुबह लखनपुर में दो महीने के बच्चे सहित कम से कम 14 यात्रियों को लेकर बेलपहाड़ क्षेत्र की ओर जा रही एक पिकअप वैन राष्ट्रीय राजमार्ग-49 पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर से टकरा गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि टक्कर के बाद दोनों वाहन एक तरफ पलट गए। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने घायल लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), लखनपुर पहुंचाया। चार लोगों को सीएचसी में मृत घोषित कर दिया गया, जबकि झारसुगुड़ा के जिला मुख्यालय अस्पताल (डीएचएच) में इलाज करा रहे एक अन्य व्यक्ति ने बाद में दम तोड़ दिया। इस बीच, रविवार तड़के भद्रक जिले के अराडी चौक के पास एक एसयूवी और ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर में 38 वर्षीय एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई।

तमिलनाडु के 21 ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

चेन्नई, 11 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों ने तमिलनाडु के 21 ठिकानों पर छापेमारी की। 2022 के कोयंबटूर कार बम धमाका मामले में जांच कर रही एनआईए की टीम एक साथ सभी ठिकानों पर छापेमारी करने पहुंची।

प्रतिबंधित आतंकी संगठन-इस्लामिक स्टेट से जुड़े इन कार बम धमाकों के मामले में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के साथ-साथ आतंकी संगठन में भर्ती करने का मामला भी सामने आया है। एनआईए इस पहलू पर भी जांच कर रही है। 21 ठिकानों पर रेड के दौरान चार लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। रविवार को जारी बयान के मुताबिक एनआईए की टीम ने तमिलनाडु आईएसआईएस में भर्ती और युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया। अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी के दौरान राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किए। कई आपत्तिजनक दस्तावेज और सामान भी जब्त किए गए हैं। एनआईए की टीम ने 21 ठिकानों पर रेड के दौरान आईएसआईएस से लिंक वाले 6 लैपटॉप, 25 मोबाइल फोन, 34 सिम कार्ड, छह एसडी कार्ड और तीन हार्ड डिस्क जब्त किए हैं। साइबर विशेषज्ञों की टीम इन उपकरणों की जांच कर रही है।

■ मोबाइल, लैपटॉप, सिम के साथ हार्ड डिस्क भी जब्त

कवायद *मध्य प्रदेश में कांग्रेस का लोकसभा चुनाव पूरी ताकत से लड़ने का दावा*

जमीनी तैयारी के साथ बेहतर उम्मीदवारों की तलाश में जुटे नेता

भोपाल, 11 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को लग रहे लगातार झटकों ने पार्टी के भीतर चिंताएं बढ़ा दी हैं। बदले हालात में कांग्रेस के लिए लोकसभा चुनाव के लिए मजबूत उम्मीदवार की तलाश भी आसान नजर नहीं आ रही है। कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव पूरी ताकत से लड़ने का दावा कर रही है।

और उसके नेता जमीनी तैयारी के साथ बेहतर उम्मीदवारों की तलाश में भी जुटे हुए हैं। एक तरफ जहां पार्टी चुनाव की तैयारी में जुटी है, वहीं दूसरी ओर उसके कई बड़े नेता साथ छोड़कर भाजपा की तरफ रुख कर रहे हैं।

बीते कुछ दिनों के दल-बदल पर गौर करें तो पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के करीबियों में जबलपुर के महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, पूर्व महाधिवक्ता शशांक शेखर, मीडिया विभाग के पूर्व उपाध्यक्ष अजय सिंह यादव ने भाजपा का दामन थामा, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के करीबी सुमेर सिंह गढ़ा ने भी पाला बदल लिया है। इसके अलावा जिला पंचायत के कई पदाधिकारी भाजपा में शामिल हो चुके हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा पहले ही इस बात का ऐलान कर चुके हैं कि आगामी लोकसभा चुनाव में उनका लक्ष्य कांग्रेस मुक्त बूथ बनाना है।

■ कई बड़े नेताओं का पाला बदलना बना बड़ी चुनौती

हाल ही में हुए दल-बदल को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। एक तरफ जहां कांग्रेस के तमाम नेता दल-बदल में लगे हैं, वहीं कई बड़े नेताओं ने आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने से ही इनकार कर दिया है। पार्टी के कार्यकर्ता दिग्गजों को चुनाव मैदान में उतरने की मंशा जता रहे हैं, मगर दिग्गज इसके लिए तैयार नहीं हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने तो अपने राज्यसभा के शेष बचे कार्यकाल का हवाला देते हुए चुनाव लड़ने में रुचि नहीं दिखाई, वहीं पूर्व नेता प्रतिपक्ष और विधायक अजय सिंह ने भी चुनाव न लड़ने का संकेत दिया है। इसके अलावा भी कई बड़े नेता हैं जो लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ना चाहते। दल बदल को लेकर कमलनाथ कह चुके हैं कि सब स्वतंत्र है, किसी को रोका नहीं जा सकता। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस वैसे भी संकट के दौर से गुजर रही है। हाल ही में उसे विधानसभा चुनाव में बड़ी हार का सामना करना पड़ा है और लोकसभा चुनाव से पहले दल बदल हो रहा है।

इसके अलावा वरिष्ठ नेता चुनाव लड़ने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में कांग्रेस बेहतर तरीके से भाजपा का लोकसभा चुनाव में मुकाबला कर पाएगी, इस पर संशय है। कांग्रेस अगर वाकई में भाजपा को कड़ी टक्कर देना चाहती है तो उसे अपने नामचीन और दिग्गज नेताओं को मैदान में उतारना ही चाहिए। ऐसा नहीं होता है तो संदेश जाएगा कि कांग्रेस पहले ही हार मान चुकी है। राज्य की वर्तमान स्थिति पर गौर करें तो लोकसभा की उनकी 29 यीटें हैं इनमें से 28 पर भाजपा का कब्जा है और सिर्फ एक सीट छिंदवाड़ा पर कांग्रेस काबिज है।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

मरीज : डॉक्टर साहब ऑपरेशन पूरी सावधानी से करिएगा ?
डाक्टर : ऐसा क्यूं कहा ?
मरीज : क्यूकि सर्जन और विसर्जन में बस जरा सा ही अंतर है ?
ऑपरेशन सही हुआ तो आप सर्जन और अगर हाथ हिल गया तो मेरा विसर्जन...

राजधानी में घर-घर राशन योजना लागू करना चाहती है दिल्ली सरकार

आप नेता ने दिल्लीवालों से मांगा लोकसभा चुनाव में समर्थन

नई दिल्ली, 11 फरवरी (देशबन्धु)। दिल्ली सरकार पंजाब की तरह राजधानी में भी घर-घर राशन योजना शुरू करना चाहती है। आप नेताओं का कहना है कि यदि आप सरकार लोकसभा में मजबूत होती है तो दिल्ली में सरकार के काम को प्रभावित करना मुश्किल होगा। रविवार को आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने कहा कि अगर दिल्लवासी भी चाहते हैं कि पंजाब की तरह दिल्ली में घर-घर राशन योजना लाई जाए तो लोकसभा चुनाव में पार्टी का समर्थन करें। आप सरकार पहले दिल्ली में यह योजना लाना चाहती थी, लेकिन भाजपा ने एलजी के सहारे इसे दिल्ली में लागू नहीं करने दिया।

अब यही योजना शनिवार को दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब सीएम भगवंत मान ने पंजाब के अंदर शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा देखा गया है कि राशन डीलर लोगों के साथ बदतमीजी करते हैं। कई बार कह देते हैं कि चीनी खत्म है, चावल खत्म है, गेहूं पूरा नहीं है। इस कारण अक्सर राशन कार्ड धारक को अपना पूरा राशन नहीं मिल पाता है। उसे कभी चावल, तो कभी गेहूं कम मिलता है, कभी चीनी नहीं मिलती है। उन्होंने कहा कि 2018 में घर-घर राशन योजना दिल्ली कैबिनेट में पास हुई थी। 2021 में स्कीम को नोटिफाई किया गया लेकिन आज तक लोग सब के माध्यम से केंद्र सरकार ने दिल्ली के अंदर घर-घर राशन योजना को लागू करने नहीं होने दिया। हमारी कोशिश के बावजूद आज भी दिल्ली वालों को राशन की दुकानों में परेशान होना पड़ता है। घर-घर राशन योजना के तहत राशन कार्ड धारक के घर पर राशन की डिलीवरी की जाएगी। इसमें चावल, गेहूं या आटा और चीनी पूरा पैक होकर उनके घर तक पहुंचाया जाएगा। इसके बाद एक राशन कार्ड होल्डर को कहीं पर जाने की जरूरत नहीं होगी।

आप सरकार पहले योजना लाना चाहती थी लेकिन भाजपा ने एलजी के सहारे इसे लागू नहीं करने दिया : आतिशी

राशन वितरण योजना पर झूठ बोल रही आप : वीरेन्द्र

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी के बयान की उपराज्यपाल ने 2021 में उनकी सरकार को डोर टू डोर राशन वितरण स्कीम लागू करने से रोका को पूरी तरह झूठा बताते हुऐ उनकी कड़ी निंदा की है। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की केजरीवाल सरकार को केंद्र सरकार नियमित बिक्री राशन के साथ ही 72 लाख लोगों के लिए फ्री राशन भी देती है। गत 5 साल से केजरीवाल सरकार कभी भी दोनों तरह का राशन एफसीआई के केंद्रीय भंडार से ना समय से उठाती है ना बांटती है। इसी कारण कई बार दिल्ली में दो दो महीने राशन नही बटता। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की केजरीवाल सरकार केंद्र से मिले फूड सिक्योरिटीज एक्ट के राशन को अपने नाम से डोर टू डोर स्कीम में बाटना चाहती थी जो गैरकानूनी था जिसे 2021में उपराज्यपाल ने रोका था। मंत्री आतिशी चाहें तो अपनी सहयोगी पंजाब सरकार से चैक कर लें की वहाँ एफ.एस.एक्ट का नही उससे अतिरिक्त पंजाब सरकार का गल्ला डोर टू डोर राशन में बटेगा। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की केजरीवाल सरकार चाहे तो एफसीआई या खुले बाजार से गल्ला खरीद कर डोर टू डोर राशन बांटे उसे कोई नही रोक रहा।

पटना जा रही फ्लाइट के क्रैश की उड़ी अफवाह

नई दिल्ली, 11 फरवरी (देशबन्धु)। दिल्ली से पटना जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट रविवार को दोपहर बाद औरंगाबाद में फंस गई। गनीमत यह रही कि फ्लाइट को नुकसान नहीं पहुंचा। फ्लाइट को सुरक्षित निकालने का प्रयास जारी है। घटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-19 जीटी रोड पर बारूण थाना क्षेत्र में रेल ओवरब्रिज पर घटी है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली से एयर इंडिया के हवाई जहाज को एक एलपी ट्रक सड़क मार्ग से लेकर पटना जा रहा था। इसी दौरान एनएच-19 पर औरंगाबाद के बारुण थाना क्षेत्र में रेल ओवरब्रिज (आरओबी) पर एलपी ट्रक पर लदी फ्लाइट की मुख्य बॉडी आरओबी के उपरी बैरिकेड में फंस गई। फ्लाइट के आरओबी के उपरी बैरिकेड में फंसते ही एनएच पर वाहनों की रफ्तार को ब्रेक लग गया। गाड़ियों की आवाजाही थम गई और एनएच पर जाम लग गया। इस वजह से जाम में वाहनों में फंसे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। इधर फ्लाइट आरओबी के ऊपरी हिस्से में फंसी। उधर अफवाहों का बाजार गर्म हो गया। इसे लेकर खासकर बारुण में कई घंटों तक तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं। इतना तक कि प्लेन के क्रैश होकर एनएच पर गिरने की सर्वाधिक चर्चा हो गई।

भारत ज्ञान समागम के माध्यम से शिक्षा के नए आयाम पर हुआ मंथन

नई दिल्ली, 11 फरवरी (देशबन्धु)। भारत ज्ञान समागम का आयोजन हुआ। यह समागम शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें देश भर के 22 राज्यों के 50 से अधिक कुलपतियों और 500 से अधिक विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह के साथ ही प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत और मोटिवेशनल स्पीकर एवं लेखक शिव खेड़ा ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम कोर यूनिवर्सिटी रूड़की में हुआ। कार्यक्रम में शिक्षा के नये आयामों पर मंथन हुआ, जिसमें विशेषज्ञों ने नई शिक्षा नीति में मल्टीडिसिप्लिनरी रेगुलेशन, इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और एंटरप्रेन्योरशिप को शिक्षा में शामिल करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। समागम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड और एक्सेमप्लेरी अवार्ड से सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डॉक्टर गेसू ठाकुर ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में विचारों का आदान-प्रदान करना और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए नई रणनीतियां विकसित करना है। कोर यूनिवर्सिटी के चांसलर जेसी जैन ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य विचारों को साझा करना और शिक्षा के लिए बेहतर तरीके तैयार करना था। विशेषज्ञों ने नई शिक्षा योजना में विभिन्न क्षेत्रों के संयोजन, नवाचार, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय शुरू करने जैसे नए पहलुओं के बारे में बात की।

सार संक्षेप

एक्रेक्स इंडिया का आयोजन 15 फरवरी से

नई दिल्ली। जाने-माने संगठन इंडियन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रीजरेशन एण्ड एयर कंडीशनिंग इंजीनियर्स ईशरे द्वारा भारत के प्रमुख व्यापार प्रदर्शनी आयोजनकर्ता इर्न्फोमा मार्केट्स इन इंडिया के सहयोग से आयोजित एक्रेक्स इंडिया के 23वें संस्करण का आयोजन 15 से 17 फरवरी 2024 के बीच इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली-एनसीआर में होगा। यह आयोजन एयर कंडीशनिंग, हीटिंग, वेंटीलेशन और इंटेलीजेन्ट बिल्डिंग्स को समर्पित दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी प्रदर्शनी है, जिसका विषय पावरिंग ग्लोबल एचवीएसी सप्लाई चेन है। प्रदर्शनी भारत में एचवीएसी मैनुफैक्चरिंग सेक्टर के विकास पर फोकस करेगी, एक अनुमान के मुताबिक यह सेक्टर 2028 तक रु 1,78,000 करोड़ तक पहुंच जाएगा। उद्योग जगत के परिप्रेक्ष्यों पर रोशनी डालते हुए सुशील चौधरी, चेयरमैन, एकरेक्स इंडिया 2024 ने कहा कि एक्रेक्स इंडिया भारत के एचवीएसी सेक्टर में विकार्बोनीकरण, टेक्नोलॉजी सशक्तीकरण, इनोवेशन एवं सप्लाई चेन के इंटीग्रेशन जैसे पहलुओं पर रोशनी डालेगा। यह मेक इन इंडिया दृष्टिकोण के अनुरूप भारत को विश्वस्तरीय मैनुफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करेगा। एक्रेक्स इंडिया 2024 देशी-विदेशी निर्माताओं को सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के दिग्गजों एवं उपयोगकर्ताओं के साथ जोड़ने और उनके कारोबार लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मंच प्रदान करेगा।

सीवर में चोरी करने उतरे दो लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के केशवपुरम थाना इलाके में रविवार दोपहर लॉरेंस रोड इंडस्ट्रियल एरिया में सीवर में गिरने से दो व्यक्तियों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों सीवर के कूड़े में से चोरी छिपे मेटल निकाल रहे थे। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने दोनों को सीवर से बार बाहर निकाल कर अस्पताल ले गए। पुलिस ने बताया कि अभी मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शादी के दौरान रंजिश में किया गया था दो युवकों का कत्ल, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के वेलकम में शादी के दौरान रंजिश में दो युवकों को गोली मारने की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस संबंध में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मनीष शर्मा (21), करन सिंह (29) और साजन मनीष (32) के रूप में हुई है। हत्या के मामले में पुलिस को सोनू चावला की तलाश है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल पिस्टल व दो कारतूस बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने गत गुरुवार तीनों को अदालत में पेश किया, जहां से इनको एक दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि चार फरवरी को वेलकम झील पार्क में संजय की बेटी का विवाह था। वहां पर वेलकम निवासी सुमित (29) और रिश्तेदार बुराड़ी निवासी राहुल (38) पहुंचे थे। इस बीच वहां आरोपियों ने पहले सुमित की पिटाई की। बाद में अक्षत ने पिस्टल निकालकर गोली चला दी। एक गोली सुमित की गर्दन को छूती हुई निकली, जबकि दूसरी गोली राहुल के सीने में जा लगी। इलाज के दौरान बुधवार को राहुल की मौत हो गई। अब पुलिस ने गोली चलाने के आरोप में तीनों को दबोच लिया हैं। चौथे आरोपी सोनू चावला की पुलिस को तलाश है। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला कि करन और सुमित के बीच रंजिश थी।

यात्रियों के लिए खतरनाक साबित हो सकती है प्रगति मैदान टनल : कांग्रेस

सुरंग को बताया भाजपा सरकार के विकास मॉडल की शर्म का स्मारक

नई दिल्ली, 11 फरवरी (देशबन्धु)। कांग्रेस के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने प्रगति मैदान टनल को भाजपा सरकार के विकास मॉडल की शर्म का स्मारक करार दिया है। उनका कहना है कि 777 करोड़ रुपए की भारी लागत से बनी टनल, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री ने बहुत धूमधाम से किया था, अपने उद्घाटन के एक साल बाद ही अब शर्म का स्मारक बन गई है। उन्होंने कहा कि जी 20 की धूमधाम के बाद, प्रगति मैदान सुरंग को अब यात्रियों के लिए संभावित खतरे के रूप में देखा जा रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि ये प्रगति मैदान टनल और अंडरपास भाजपा शासन के तहत भ्रष्टाचार के अमृतकल का सबसे बड़ा उदाहरण है, क्योंकि त्रुटिपूर्ण डिजाइन और निर्माण से छह लेन की सुरंग में

पानी के रिसाव, सीमेंट और कंक्रीट में बड़ी दरारों के अलावा खराब जल निकासी की समस्याएं सामने आ रही हैं। यही कारण है कि इसे यात्रियों के लिए अनुपयोगी और खतरनाक बना दिया है। उन्होंने कहा कि अगर एक प्रतिष्ठित और केंद्रीय-वित्त पोषित परियोजना को राष्ट्रीय राजधानी में मोदी सरकार की नाक के नीचे इतनी लापरवाही से अंजाम दिया जा सकता है, तो देश में कहीं और ऐसी परियोजनाओं का भाग्य क्या होगा इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि प्रगति मैदान सुरंग के निर्माण के लिए करदाताओं के सैकड़ों करोड़ रुपए बर्बाद करने के बाद, दिल्ली के लोक निर्माण विभाग, जिसे इस परियोजना को निष्पादित करने का काम दिया गया था, ने बदले में एलएंडटी को इस काम के लिए नियुक्त किया और अब आपसी दोषारोपण में लगे हुए है जबकि यात्रियों को परेशानी हो रही थी। उन्होंने आश्चर्य जताया कि यदि परियोजना में कोई डिजाइन दोष था, तो निर्माण कार्य शुरू होने से पहले इसका पता क्यों नहीं लगाया गया। लवली ने कहा कि टनल परियोजना त्रुटिपूर्ण थी, यह तब स्पष्ट हो गया जब पिछले मानसून की बारिश और उफनती यमुना ने सुरंग में बाढ़ ला दी और इसकी दीवारों पर महंगी चित्रों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

■ नई दिल्ली के अलीपुर क्षेत्र में स्थित जूता फैक्ट्री में लगी आग पर काबू करने के इंतजाम में जुटे दमकल कर्मी। आग लगने से आसमान पर धुएं का गुबार देखा गया। फोटो इम्तियाज खान

वरिष्ठ सर्जन डॉक्टर अनिल को मिशिगन चुनाव में जिताने की अपील

नई दिल्ली, 11 फरवरी (देशबन्धु)। चुनाव सिर्फ हिंदुस्तान में ही नहीं है बल्कि विदेशी धरती पर भी इस समय चुनावी बिगुल बज चुका है। और बात करें अमेरिका के मिशीगन की तो वहां पर भी कुछ समय बाद ही चुनाव शुरू होने वाले हैं।आपको बता दे कि अमेरिका के मिशिगन में चुनाव शुरू होने वाले हैं और इसके लिए वहां रहने वाले भारतीयों ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी है मिशीगन से भारतीय मूल के वरिष्ठ सर्जन डॉक्टर अनिल चुनावी मैदान में है। डॉक्टर अनिल वन्हा की प्रतिष्ठ पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी से सांसद का चुनाव लड़ रहे है।उनका साथ देने के लिए भारत से जूना अखाड़े की संत गुरु मां कंचन गिरि जी पहुंच चुकी हैं, डॉक्टर अनिल के दफ्तर में गुरु मां कंचन गिरी जी ने मुलाकात की और उन्हें अपना आशीर्वाद दिया। साथ ही उन्होंने इस चुनाव में डॉक्टर अनिल के लिए दिन-रात एक करने की बात भी कहीं। वहां रह रहे भारतीयों से भी उन्होंने अपील की है कि वह भी अनिल को पूरा सपोर्ट देने और उन्हें जिताने के लिए आह्वान किया। डॉक्टर अनिल पिछले काफी समय से मिशिगन में एक्टिव है। वह एक जानेमाने सामाजिक कार्यकर्ता तो है ही एक सफल सर्जन भी है।

राजधानी में खिली धूप ने दिन में चढ़ाया पारा

नई दिल्ली, 11 फरवरी (देशबन्धु)। राजधानी में खिली धूप से दिन में पारा चढ़ रहा है लेकिन शाम को सर्द हवा ठंड ले आती है। शनिवार रात को चली ठंडी हवाओं से रविवार सुबह मध्यम स्तर का कोहरा छाया। सुबह करीब नौ बजे ठंडक रही उसके बाद मौसम कुछ साफ हुआ और दोपहर बाद अच्छी धूप खिली। धूप के कारण रविवार को दिन का तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक रहा। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली के मुताबिक रविवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जो सामान्य से एक डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जो सामान्य से तीन डिग्री कम रहा। शनिवार को मंगेशपुर इलाका सबसे ठंडा रहा। यहां का अधिकतम तापमान सबसे कम 21.2 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार को सुबह के समय हल्का व मध्यम स्तर का कोहरा छाया। आठ बजे के बाद से मौसम साफ होने लगा, वहीं दोपहर में अच्छी धूप खिली। दिन में उत्तर और उत्तर-पश्चिमी दिशाओं से चार से छह किमी प्रति घंटे की गति से हल्की ठंडी हवाएं चली।

आज दिन में आसमान साफ रहने की उम्मीद

सोमवार को दिन के समय आसमान साफ रहेगा। वहीं शाम और रात के समय आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय धुंध या हल्का कोहरा छा सकता है। इस दौरान अधिकतम तापमान 25 डिग्री व न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। दिल्ली में 17 फरवरी तक सुबह के समय हल्की कोहरा या धुंध छाए रहने का अनुमान है। साथ ही 14 फरवरी को हल्की बारिश के आसार बन रहे हैं। मौसम साफ रहने के कारण दिन के समय तापमान कुछ गर्म होगा। अनुमान है कि अधिकतम तापमान बढ़कर 26 डिग्री तक पहुंच सकता है।

आयोजन *सुरक्षित साइबरस्पेस बनाने की दिशा में उठाए अहम कदम*

ऑनलाइन गेमिंग व ईस्पोर्ट्स में बाल अधिकार पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

नई दिल्ली, 11 फरवरी (देशबन्धु)। साइबरपीस ने यूनिसेफ के सहयोग से भारत में ऑनलाइन गेमिंग और ईस्पोर्ट्स में बाल अधिकार, विश्वास, सुरक्षा और कल्याण पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करके एक सुरक्षित साइबरस्पेस बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सम्मेलन ने बच्चों और ऑनलाइन गेमिंग उद्योग और ईस्पोर्ट्स के लिए प्रस्तुत अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

बाल अधिकारों, कल्याण, विश्वास व सुरक्षा के महत्व के बारे में बताया

विनीत कुमार, साइबरपीस के वैश्विक अध्यक्ष और संस्थापक ऑनलाइन गेमिंग और ईस्पोर्ट्स के संबंध में सम्मेलन के उद्देश्यों और बाल अधिकारों, कल्याण, विश्वास और सुरक्षा के महत्व के बारे में बताते हुए स्वागत भाषण दिया। डॉ. ए.एस. शूली गिलुत्ज कार्यक्रम अधिकारी बाल अधिकार एवं डिजिटल व्यवसाय, व्यवसाय संलग्नता एवं बाल अधिकार, यूनिसेफ, डिजिटल गेमिंग में बच्चों की भलाई पर एक प्रस्तुति प्रस्तुत की। वह इस तथ्य पर ध्यान केंद्रित करती हैं कि बच्चे अब डिजिटल जीवन जी रहे हैं और डिजिटल जीवन में उनकी भलाई की रक्षा करना और उन्हें सुरक्षित रहने में मदद करना महत्वपूर्ण है। स्तुति नारायण कक्कड़, एनसीपीसीआर, भारत सरकार की पूर्व अध्यक्ष, ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र में बाल अधिकारों से संबंधित नियामक परिदृश्य में अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने उल्लेख किया कि आजकल छात्र गेमिंग की दुनिया में कैसे शामिल हो रहे हैं और माता-पिता और बच्चों के रूप में हमें क्या सावधानियां बरतनी चाहिए। डॉ. सुबी चतुर्वेदी, पीएच.डी. आईआईटी दिल्ली, फादर सदस्य एमएजी संयुक्त राष्ट्र इंटरनेट, गवर्नेंस फोरम, ने ऑनलाइन गेमिंग के नकारात्मक प्रभाव के कारण बच्चों के व्यवहार में आने वाले बदलावों पर कुछ प्रकाश डाला और कहा कि भारतीय गेमिंग उद्योग पूरी दुनिया में है और इसलिए इसके लिए कुछ विशिष्ट प्रारूप होना चाहिए जिसमें बच्चे कुछ नया सीखते हुए खेलेंगे।

हिन्दी-मैथिली की अप्रतिम साहित्यकार उषाकिरण खान का निधन

नई दिल्ली, 11 फरवरी (देशबन्धु)। हिन्दी-मैथिली की अप्रतिम साहित्यकार और भारतीय पुलिस सेवा की वरिष्ठ अधिकारी अनुराधा शंकर की मां उषाकिरण खान का आज दोपहर पटना के अस्पताल में निधन हो गया। वे गंभीर रूप से अस्वस्थ थीं। उषा जी का जन्म 24 अक्टूबर, 1945 को बिहार के लहेरियासराय (दरभंगा) में हुआ था। पटना विश्वविद्यालय से इतिहास एवं पुरातत्व में स्नातकोत्तर तथा मगध विश्वविद्यालय से पी-एच.डी. करने के बाद उन्होंने लम्बे समय तक अध्यापन किया। उनके लेखन की शुरुआत 1977 से हुई। 'विवश विक्रमादित्य', 'दूबधान', 'गीली पांक', 'कासवन', 'जलधार', 'जनम अवधि', 'घर से घर तक', 'खेलत गेंद गिरे यमुना में', 'मौसम का दर्द' (कहानी संग्रह), 'अगनहिंडोला', 'सिरजनहार', 'गई झूलनी टूट', 'फागुन के बाद', 'पानी की लकीर', 'सीमान्त कथा', 'रतनारे नयन', 'गहरी नदिया नाव पुरानी' (उपन्यास); 'कहां गए मेरे उगना', 'हीरा डोम' (नाटक); 'प्रभावती-एक निष्कम्प दीप', 'मैं एक बलुआ प्रस्तर खंड' (कथेतर गद्य), 'सिय पिय कथा' (खंडकाव्य) उनकी प्रमुख हिन्दी कृतियां हैं। मैथिली में प्रकाशित प्रमुख पुस्तकें हैं। 'कांचहि बांस', 'गोनू झा क्लब', 'सदति यात्रा' (कहानी संग्रह), 'अनुत्तरित प्रश्न', 'दूर्वाक्षत', 'हसीना मंजिल', 'भामती-एक अविस्मरणीय प्रेमकथा', 'पोखरि रजोखरि', 'मनमोहना रे' (उपन्यास), 'चानो दाई', 'भुसकौल बला', 'फागुन', 'एक्सरि ठाढ़ि' (नाटक)।

दोनों भाषाओं में बच्चों के लिए भी उन्होंने कई पुस्तकें लिखी हैं। विभिन्न रचनाओं के ओड़िया, बांग्ला, उर्दू एवं अंग्रेजी समेत अनेक भाषाओं में अनुवाद हो चुके हैं। 'साहित्य अकादेमी पुरस्कार' (2010), 'भारत भारती' (2019) और 'प्रबोध साहित्य सम्मान' (2020) सहित अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार-सम्मान उन्हें प्रदान किए जा चुके हैं। वर्ष 2015 में उन्हें 'पद्मश्री' से विभूषित किया गया।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

हादसे के बाद चारों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। गौरंग और उसकी पत्नी की हालत गंभीर होने के चलते सफरदजंग अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। इस मौके पर एसीपी दीक्षा सिंह, फेज तीन थाना प्रभारी, गढ़ी चौखंडी चौकी प्रभारी समेत अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा रही। चारों तरफ मकान के अंदर धुआं की धुआं नजर आ रहा था।

दीक्षा सिंह, एसीपी

मार्च में शुरू हो सकता है चिल्ला एलिवेटेड का निर्माण

- छह में दो कंपनियों से की जा रही बातचीत, चार के टेंडर निरस्त
- तीन साल में बन जाएगी एलिवेटेड, एक्सप्रेस वे लिंक रोड पर नहीं लगेगा जाम

नोएडा, 11 फरवरी (देशबन्धु)। चिल्ला एलिवेटेड का निर्माण अगले महीने यानी मार्च में शुरू होने की उम्मीद है। इसके लिए छह कंपनियों ने निर्माण के लिए टेंडर भरे थे। जिसमें से चार कंपनियों के टेंडर निरस्त कर दिए गए थे। अब दो कंपनियों बची है। जिसमें एक एलएनटी भी है। इन दोनों कंपनियों से की जा रही बातचीत। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि इस सप्ताह किसी एक कंपनी का चयन कर लिया जाएगा। इसके बाद निर्माण शुरू किया जा सकता है। तीन साल में इसका निर्माण पूरा होगा। इससे करीब 5 लाख वाहन चालकों को फायदा होगा। और चिल्ला बार्डन से एक्सप्रेस तक जाने वाली लिंक रोड से जाम नहीं लगेगा। बता दे ये टेंडर यूपी स्टेट ब्रिज कॉरपोरेशन लिमिटेड ने निकाला था।

मयूर फ्लाईओवर के करीब चिल्ला रेगुलेटर से महामाया फ्लाईओवर तक 5.96 किमी लंबे चिल्ला एलिवेटेड रोड का निर्माण होना है। छह लेन के एलिवेटेड रोड का काम तीन साल में पूरा करना होगा। पांच साल तक इसकी रखरखाव करनी होगी। इसकी निर्माण लागत 680 करोड़ रुपए होगी। परियोजना में यूपी शासन और नोएडा प्राधिकरण को 50-50 प्रतिशत धनराशि वहन करनी होगी। परियोजना में प्राधिकरण करीब 74 करोड़ रुपए खर्च कर चुका है और इसका 13 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। शासन को इस परियोजना में जो पैसा देना था, वह नहीं दिया गया। प्राधिकरण के बार-बार आग्रह के बाद भी फंड नहीं मिलने पर काम बंद हो गया। प्राधिकरण ने साफ किया था कि जब तक शासन फंड रिलीज नहीं करता है तब तक काम नहीं हो पाएगा। इसके बाद शासन स्तर पर निर्माण लागत के बाबत चर्चा शुरू हुई। आखिर में शासन ने उक्त परियोजना की निर्माण लागत 787 करोड़ तय की। इस परियोजना में मुख्य एलिवेटेड रोड के दो कैरेज होंगे। एक कैरेज 5198 मीटर तो दूसरा 4273 मीटर लंबा होगा।

शाहदरा ड्रेन के साथ बनेगा एलिवेटेड रोड

नोएडा लिंक रोड और डीएनडी फ्लाईओवर पर वाहनों का दबाव कम करने के लिए प्राधिकरण ने एलिवेटेड रोड की योजना बनाई है। दिल्ली में चिल्ला रेगुलेटर से शुरू होने वाली सड़क शाहदरा ड्रेन के साथ ऊपर बनेगी। करीब छह किमी लंबी सड़क का दूसरा हिस्सा महामाया फ्लाईओवर से थोड़ा पहले खत्म हो जाएगी। इसके तैयार होने पर नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेस वे को जोड़ने वाली सड़क पर भी ट्रैफिक का दबाव कम हो जाएगा। बगैर जाम में फंसे लोग चिल्ला रेगुलेटर से सीधे महामाया फ्लाईओवर व एक्सप्रेस वे तक पहुंच सकेंगे। इसका सीधा फायदा पूर्वी दिल्ली के साथ गाजियाबाद से नोएडा-ग्रेनो के बीच सफर करने वाले लोगों को मिलेगा।

सेक्टर-15, 16 और 18 में बनेंगे पांच रैंप

एलिवेटेड रोड से चढ़ने और उतरने के लिए पांच रैंप बनेंगे। यह रैंप सेक्टर-15, 16 और 18 को जोड़ेंगे। अधिकारियों के मुताबिक, सेक्टर-15 से चढ़ने के लिए एक रैंप एलिवेटेड रोड पर बनाया जाएगा। सेक्टर-16 में दोनों ओर उतरने के लिए एक-एक रैंप बनेगा। वहीं, सेक्टर-16 में चढ़ने के लिए एक रैंप बनेगा। इसके अलावा सेक्टर-18 में उतरने के लिए एक रैंप बनेगा। चढ़ने और उतरने वाले रैंप तीन लेन के होंगे। वहीं इंटरमीडिएट रैंप दो लेन का होगा।

नगर निगम कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति का ऐलान

गाजियाबाद, 11 फरवरी (देशबन्धु)। गाजियाबाद नगर निगम संयुक्त संघर्ष समिति ने ऐलान किया है कि यदि उनकी 13 मांगे 14 फरवरी तक नहीं नहीं मानी गई तो 15 फरवरी से सभी कर्मचारी कार्य का बहिष्कार करेंगे। इस मसले पर नगर निगम के नगर निगम कर्मचारी संघ, नगर निगम वाहन चालक संघ तथा नगर निगम जलकल कर्मचारी संघ के अध्यक्षों ने नगर आयुक्त को पत्र लिखे हैं। जिनमें उन्होंने कहा है कि नगर निगम कर्मचारियों की 13 मांगे लंबे समय से लंबित हैं। अनेक बार मौखिक व लिखित वार्ता किए जाने के बाद भी उनकी मांगे पूरी नहीं की गई है। पत्रों में कहा गया है कि शासन से समूह ग के 80 परसेंट कर्मचारियों के तबादले कर दिए गए हैं जबकि शासन का आदेश है कि केवल 20 प्रतिशत कर्मचारियों की तबादला किया जाना चाहिए था। इससे वर्तमान में कार्य प्रभावित हो रहा है। इसी तरह अनेक अधिकारियों व कर्मचारियों के तबादले अन्य निकाय में हो गए हैं लेकिन

उन्हें रिलीव नहीं किया गया है। ऐसे अधिकारियों को तत्काल रिलीव किया जाए। डीपीसी करके तत्काल कर्मचारियों को प्रोन्नति की जाए। कुल 13 मांगे लंबित हैं। नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रविंद्र जाटव ने बताया कि नगर प्रशासन को अल्टीमेटम दे दिया गया है 14 फरवरी तक या तो उनकी मांगे मान ली जाए वरना नगर निगम कर्मचारी संघर्ष समिति के नेतृत्व में सभी कर्मचारी कार्य का बहिष्कार करके आंदोलन की शुरुआत करेंगे।

नगर आयुक्त के नेतृत्व में हाई क्वालिटी के चल रहे हैं काम

गाजियाबाद, 11 फरवरी (देशबन्धु)। नगर निगम सीमा अंतर्गत लगातार निर्माण के कार्य चल रहे हैं। नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है निगम के निर्माण विभाग के अधिकारी व अन्य टीम चल रहे

कार्यों पर नजर बनाए हुए हैं। शहर में विकास कार्य हो इसके लिए लगातार निगम प्रयासरत है, मुख्य अभियंता निर्माण ने भी चल रहे कार्यों का मौके पर जाकर जायजा लिया जा रहा है जिसके क्रम में डायमंड फ्लाईओवर सड़क चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया, वसुंधरा जोन के अंतर्गत सेक्टर 1 वसुंधरा एलआईजी सोसाइटी में चल रहा निर्माण कार्य साइट 4 औद्योगिक क्षेत्र, यदि गैस एजेंसी के बराबर में चल रहे सड़क के कार्य का निरीक्षण किया गया, महावीर चौक पर बना रहे नाले का जायजा लिया गया। मौके पर क्षेत्रीय निवासी तथा पार्षद गण भी उपस्थित रहे, चल रहे कार्यों में हाई क्वालिटी का मटेरियल उपयोग में लाया जा रहा है तथा मानक के अनुरूप कार्य चल रहा है।

डीएम सर्किल रेट के विरोध में महापंचायत, हर स्तर पर किया जाएगा विरोध

गाजियाबाद, 11 फरवरी (देशबन्धु)। डीएम सर्किल रेट के विरोध में रविवार को रईसपुर गांव में पंचायत का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने एक स्वर में डीएम सर्किल रेट के हिसाब से हाउस टैक्स वसूले जाने का विरोध किया गया और आंदोलन करने की चेतावनी दी गई। आज वक्ताओं ने एक स्वर में डीएम सर्किल रेट का विरोध किया। वक्ताओं ने कहा कि यह एक नीतिगत फैसला है। नगर आयुक्त बिना सदन को विश्वास में लिए बिना इसे एक अप्रैल से लागू नहीं कर सकते अगर 15 फरवरी को सदन कार्यकारिणी मीटिंग में इसे पास किया गया तो उसके बाद आंदोलन किया जाएगा। सभा में पूर्व पार्षद मनोज चौधरी,आसिफ चौधरीनरेश जाटव, माया देवी, रालोद नेता रविंद्र चौहान, विजय कौशिक, राष्ट्रीय महासचिव औद्योगिक व्यापार एवं व्यापार महासभा शुभम गुप्ता प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय औद्योगिक एवं व्यापार महासभा रणवीर प्रधान वीरपाल उपस्थित थे।

सार संक्षेप

आम सभा में निवासियों को विकास कार्यों से अवगत कराया

नोएडा। अरावली अपार्टमेंट सेक्टर-34 में रविवार को आम सभा आयोजित की गई। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि सोसाइटी निवासियों को आम सभा में विकास कार्यों मुख्य रूप से मुख्य द्वार पर सन शेड, बायोमेट्रिक एंट्री गेट, चिल्ड्रन बस स्टॉप, सोसायटी के अंदर ओपन जिम, सोसाइटी को सीसीटीवी कैमरों से लैस करना, बैडमिंटन कोर्ट,फ्लैट नम्बर प्लैट, हाई मास्क लाइट, स्ट्रीट लाइट आदि कार्यों से अवगत कराया गया। इसके बाद निवासियों को आगामी कार्य योजना पार्किंग स्पॉट बनवाना, बच्चों के प्लास्टिक झूले,वाहन स्टीकर जारी करना, कॉमन एरिया को डेवलप करना आदि निवासियों के सामने रखें गए। जिसमें निवासियों द्वारा ध्वनिमत से सारे प्रस्ताव पारित किए। इस दौरान मुख्य रूप से आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा, महासचिव प्रदीप सिंह, उपाध्यक्ष पदमा नायडू, कोषाध्यक्ष आर पी प्रजापति, सह कोषाध्यक्ष आर पी वर्मा, संयुक्त सचिव अजय श्रीवास्तव, सविता केदार कुलदीप सिंह,अजय रस्तोगी आर पी सिंह, रणधीर कुमार, ज्योत्सनामयी आचार्य, सुरेश बन्ने अमित रस्तोगी आदि सहित निवासीगण उपस्थित रहे।

बूढ़े बाबू मेले में पहलवानों ने दिखाया दमखम

बुलंदशहर। ककोड़ क्षेत्र के गांव सुनपेड़ा में रविवार को परम्परागत बूढ़े बाबू मेले का आयोजन किया गया। जिसमें आयोजित दंगल में उत्तर प्रदेश समेत आस-पास के राज्यों से पहलवानों ने दमखम दिखाया। वहीं श्रद्धालुओं ने पोखर पर पूजा अर्चना कर प्रसाद चढ़ाकर

मनौती मांगी। सुनपेड़ा गांव में आयोजित मेले में हजारों की तादाद में श्रद्धालु पहुंचे। बच्चों ने चाट पकौड़ी खाकर खिलौने खरीदे। व्यवस्थाओं में गांव प्रधान हरवीर फ़ौजी, सुरेन्द्र सिंह, डॉ महेन्द्र शास्त्री, पूर्व प्रधान विजय सिंह आदि मौजूद रहे। झाझर में भी बूढ़े बाबू मेले का आयोजन किया गया।

हज पर भेजने का झांसा देकर पांच लाख ऐंठे

नोएडा। एक परिवार के सदस्यों को हज पर भेजने का झांसा देकर ठगों ने विश्वासघात करते पांच लाख रुपये हड़प लिए। पीड़ित ने सेक्टर-126 थाने में शाहजमाल प्रोपराइटर ऑफ अलखादम ट्रैवल्स के खिलाफ अमानत में खयानत की धारा में केस दर्ज कराया है। शिकायत में जेपी विशटाउन निवासी मोहम्मद इकबाल परवेज ने बताया कि उसे परिवार के सदस्यों को हज पर ले जाना था। इसके लिए उनका फोन पर संपर्क दिल्ली स्थित श्री शहजमाल प्रोपराइटर ऑफ अलखादम कंपनी से हुआ। इस कंपनी की तरफ से एक शख्स ने शिकायतकर्ता से बातचीत की और हज पर भेजने के नाम पर साढ़े छह लाख रुपये की डील की। शिकायतकर्ता ने कई बार में आरोपी शख्स की तरफ से दिए गए खाते में रकम ट्रांसफर कर दी। इसके बाद से कंपनी की तरफ से कोई अपडेट नहीं आया तब उन्होंने पैसों की मांग की। इस पर डेढ़ लाख रुपये कई निवेदन के बाद आरोपी की तरफ से भेज दिए लेकिन अब तक पांच लाख रुपये वापस नहीं किया। आरोप है कि अब पैसे मांगने पर शिकायतकर्ता को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पुलिस उन खातों की भी जानकारी जुटा रही है जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि वह परिवार के साथ नोएडा में अकेला रहता है कि इसलिए धमकी मिलने के बाद से पूरा परिवार भयभीत है।

छोटा सिलेंडर फटने से एक ही परिवार के तीन लोग समेत चार झुलसे

- गंभीर रूप से घायल दंपती का अस्पताल में चल रहा उपचार
- खाना बनाते समय छोटा सिलेंडर फटने से हुआ हादसा

नोएडा, 11 फरवरी (देशबन्धु)। सेक्टर-121 के जगन्नाथ मंदिर के पास स्थित गीतम के मकान में रविवार सुबह नौ बजे के करीब छोटा सिलेंडर फटने से चार लोग झुलस गए। इसमें एक महिला और उसके पति की हालत गंभीर होने के चलते उन्हें सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। बाकी दो को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। विस्फोट इतना जोरदार था कि कमरे की दीवार का हिस्सा भी छह गया। फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पा लिया। हादसे में लाखों का सामान भी जलकर राख हुआ है। फेज तीन थाना प्रभारी ने बताया कि पश्चिमी बंगाल के मालदा का गौरंग सरकार पत्नी मिलती सरकार और बेटी सुष्मिता के साथ गीतम के मकान में रहता है। सुबह नौ बजे के करीब गौरंग की पत्नी खाना बना रही थी उसी दौरान सिलेंडर में विस्फोट होने से आग लग गई। हादसे में गौरंग, मिलती और सुष्मिता के साथ ही पड़ोस में रहने वाला मेरठ का प्रदीप झुलस गया। चारों तरफ अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोग किसी तरह अंदर दाखिल हुए और आग को बुझाने में लग गए। इसी दौरान एक अन्य किरायेदार ने हादसे की जानकारी फेज तीन थाने की पुलिस और अग्निशमन विभाग के कंट्रोल रूम पर दी। फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी को मौके पर रवाना किया गया। गनीमत रही कि फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पा लिया। सिलेंडर फटने की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। गौरंग की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। उनका शरीर 50 प्रतिशत से ज्यादा झुलस गया है। एसीपी दीक्षा सिंह ने बताया कि हादसे के बाद चारों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। गौरंग और उसकी पत्नी की हालत गंभीर होने के चलते सफरदजंग अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। इस मौके पर एसीपी दीक्षा सिंह, फेज तीन थाना प्रभारी, गढ़ी चौखंडी चौकी प्रभारी समेत अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा रही। चारों तरफ मकान के अंदर धुआं की धुआं नजर आ रहा था।

हम सबको मिलकर यूपी में ऐतिहासिक बनानी है भारत जोड़ो न्याय यात्रा : प्रदीप नरवाल

नोएडा, 11 फरवरी (देशबन्धु)। नोएडा महानगर में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के संबंध में पश्चिम जोन में आने वाले समस्त जनपद- सहारनपुर मुजफ्फरनगर शामली बागपत बुलंदशहर गाजियाबाद संभल मेरठ बिजनौर हापुड़ अमरोहा मुरादाबाद रामपुर गौतम बुध नगर के जिला, शहर अध्यक्ष प्रदेश पदाधिकारी एवं एआईसीसी मेंबर की एक आवश्यक बैठक स्थान द ग्रैंड होटल नोएडा सेक्टर 121 नोएडा में सम्पन्न हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व उत्तर प्रदेश कांग्रेस के सप्रभारी प्रदीप नरवाल शामिल हुए। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर ने प्रदीप नरवाल का पुष्पगुच्छ देकर नोएडा आगमन पर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर आगामी 16 फरवरी 2024 को भारत जोड़ो न्याय यात्रा यूपी पहुंचने के संदर्भ में प्रदीप नरवाल ने पश्चिम यूपी के 14 जिलो को जिम्मेदारी देते हुआ कहा कि हम सबको मिलकर राहुल जी भारत जोड़ो न्याय यात्रा को सफल बनाना है जिसके लिए हमें ज्यादा से ज्यादा लोगो को यात्रा में जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। जिस तरह से पूरे देश ने मिलकर अंग्रेजों से लड़ाई लड़कर देश आजाद कराया था। राहुल गांधी की यह भारत जोड़ो न्याय यात्रा भाजपा सरकार के ताबूत में आखिरी कील ठोकने का काम करेगी सरकार चाहती है कि यात्रा रोक दी जाये ये इंदिरा गांधी के पोते राजीव के पुत्र की यात्रा है। ये अपने गन्तव तक हर हाल में पहुंचेगी। देश की आजादी के वक्त आरएसएस ने महात्मा गांधी और कांग्रेस का विरोध किया आज वो ही कार्य भाजपा कर रही है। अगर इनमें दम है तो ये भी ऐसी देश जोड़ो यात्रा करे जमीनी हकीकत की वास्तविकता सामने आ जाएगी राहुल गांधी को पूरा देश अपना नेता मान चुका है ओर बहुत जल्द जनता जनार्दन इसका जवाब देगी।

लोनी के विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने राजेश पायलट को भारत रत्न देने की मांग उठाई

गाजियाबाद, 11 फरवरी (देशबन्धु)। लोनी के भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने पूर्व केंद्रीय मंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे स्वर्गीय राजेश पायलट को भारत रत्न देने की मांग की है।

इस संबंध में उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। साथ ही एक बयान भी जारी किया है। इस बयान में उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता है और उन्होंने हाल ही में किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह, हिंदुत्व के लिए काम करने वाले महापुरुष लालकृष्ण आडवाणी, गरीबों पिछड़ों के लिए काम करने वाले कर्पूरी ठाकुर समेत कई महापुरुषों को भारत रत्न से नवाजा है। उन्होंने कहा है कि राजेश पायलट भी किसानों के मसीहा थे। उन्होंने जहां मंत्री रहते हुए किसने की गरीबों कल्याण के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि राजेश पायलट को भी भारत रत्न से नवाजा जाना चाहिए।

अवकाश दिवसों में शहर में लगे हाउस टैक्स के कैंप

- निगम कोष में जमा हुए 40 लाख 13 हजार
- सिटी जोन का बेहतर प्रयास : नगर आयुक्त

गाजियाबाद, 11 फरवरी (देशबन्धु)। नगर निगम सीमा अंतर्गत अवकाश दिवसों में भी हाउस टैक्स वसूली के कैंप लगे। जिसमें लगभग 40 लाख निगम के खजाने में जमा हुए। जोनल प्रभारी ने अपने-अपने क्षेत्र में कैंप लगवाएं। गाजियाबाद नगर निगम का शनिवार व रविवार 2 दिन अवकाश रहा जिसमें टैक्स विभाग की ड्यूटी रही। जिनके द्वारा सम्मानित करदाताओं की सहूलियत हेतु कैंप लगवाएं गए, देखने में आया है कई स्थानों पर क्षेत्रीय पार्षद भी संपत्ति कर वसूली में भूमिका निभाते नजर आए।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की मोटिवेशन से जोनल प्रभारी द्वारा कर वसूली बढ़ाने के लिए कार्यवाही बढ़-चढ़कर की जा रही है। जिसमें सिटी जोन के द्वारा अपनी कार्यशैली में बदलाव किया गया तथा योजनाबद्ध तरीके से हाउस टैक्स वसूली के लिए टीम ने कार्य किया जिसकी रफ्तार बढ़ती दिखाई दे रही है। नगर आयुक्त दने भी टीम की प्रशंसा की तथा सुधार को बनाए रखने के लिए भी कहा गया। वसुंधरा जोन द्वारा लगभग 14 लाख की वसूली की गई, कवि नगर जोन द्वारा 9 लाख 43000 की वसूली की गई, सिटी जोंन द्वारा 10 लाख 64000 की वसूली की गई, मोहन नगर जोन द्वारा 9 लाख 54000 की वसूली की गई, विजयनगर के अंतर्गत 2 लाख 55000 की वसूली हुई।

गौतमबुद्ध नगर में भाजपा सीट को लेकर घमासान

- वर्तमान सांसद, आईएएस और कई नेता ठोक रहे ताल
- पश्चिमी उप्र की अन्य सीटों पर भी नजर

नोएडा, 11 फरवरी (देशबन्धु)। लोकसभा के चुनाव नजदीक आते ही जनपद गौतमबुद्ध नगर में भाजपा की सीट को लेकर घमासान मचनी शुरू हो गई है। गौतमबुद्ध नगर सीट से मौजूद सांसद डॉ. महेश शर्मा के अलावा कई नेताओं ने यहां सीट के लिए दावेदारी की है। दूसरे दल को छोड़कर आए नेताओं ने यहां राजनितिक गर्मी ज्यादा बढ़ा दी है। हालांकि कई नेताओं ने जनपद के बाहर लेकिन पश्चिम यूपी की सीटों के दावेदारी की है। जिसकी बानगी पीएम मोदी की रैली में देखने को मिली थी।

नोएडा में सीट की दावेदारी भरने वाले भाजपा नेता लोगों के बीच पहुंच रहे है। अपने कामों और मतदाताओं के पहुंच की लॉग बुक भी शीर्ष नेताओं तक पहुंचाई जा रही है। बताते है कि जितनी पकड़ उनकी है और किसी नेता की नहीं है। बता दे गौतमबुद्ध नगर सीट भाजपा के सुरक्षित और वीआईपी सीट मानी जाती है। दरअसल, गौतमबुद्ध नगर की लोकसभा सीट पहले खुर्जा के नाम से थी। तब यह सीट अनूसूचित जाति के लिए आरक्षित थी। नए परीसीमन के बाद गौतमबुद्ध नगर नाम से ये सीट सामान्य हुई।

2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा से सुरेंद्र नागर ने भाजपा के मौजूदा सांसद डॉक्टर महेश शर्मा को हराकर यहां के पहले सांसद बने, 2014 के चुनावों में सुरेंद्र नागर चुनाव नहीं लड़े। भाजपा के डॉक्टर महेश शर्मा यहां के सांसद चुने गए। 2019 में भी वो रिकार्ड मतों से जीतकर लगातार दूसरी बार सांसद बने।

वह अब चौथी बार भी दावेदारी कर रहे है। इसका प्रमाण गृह मंत्री अमित शाह ने उनके आवास पर पहुंचकर उनके कामों की सराहना करना भी है। त्रिपुरा प्रभारी रहते हुए भाजपा की जीत ने उनके दावेदारी को और प्रबल कर दिया है। लेकिन इस बार उनकी दावेदारी के बीच कई और नेता भी सामने आ चुके है। ये सभी जनता के बीच पहुंचकर अपनी पकड़ बनाते दिख रहे है।

इसमें आईएएस बीएन सिंह भी है। वो नोएडा के डीएम रह चुके है। यहां से ट्रांसफर के बाद से लगातार गौतमबुद्ध नगर की जनता के बीच आ रहे है। यहां सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे है और अपने कार्यो को वीडियो और फोटो के जरिए सोशल मीडियो पर जबरदस्त तरीके से सार्वजनिक कर रहे है। इसी के चलते डॉक्टर महेश शर्मा के पक्ष के कई संगठन भी अब बीएन सिंह के पक्ष में जाते दिख रहे है। बताया गया कि बीएन सिंह का भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ अच्छी पकड़ है। यही वहज है नोएडा महानगर अध्यक्ष इस मामले दो बार आला कमान से शिकायत भी कर चुके है। इसी तरह पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल भी लोगों के बीच पहुंच रहे है। वहीं जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह भी इस लाइन में है। धीरेंद्र सिंह जेवर से सिटिंग विधायक है। जेवर एयरपोर्ट से लेकर एक दिन पहले लिफ्ट एक्ट और अन्य कार्य में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। उनके अपने क्षेत्र में बेहतर पकड़ के साथ गौतमबुद्ध नगर में उनकी अच्छी पकड़ भी है। उनकी दावेदारी काफी प्रबल मानी जा रही है। वहीं, नोएडा विधायक पंकज सिंह का नाम भी सामने आ रहा है। इसके अलावा 2009 में सांसद बने सुरेंद्र सिंह नागर वर्तमान में राज्य सभा सांसद है। यदि वे राज्य सभा की सीट छोड़ते है तो भापजा का शीर्ष खेमा उन पर अपना दाव चल सकता है।

अब बात करते है उन नेताओं की जो बाहरी सीटों पर अपनी दावेदारी पेश कर रहे है

इसमें पहला नाम डॉक्टर वीएस चौहान का है। वो मुरादाबाद से अपनी दावेदारी पेश कर हे है। उन्होंने अपना रिज्यूम भी शीर्ष नेताओं तक पहुंचा दिया है। यही नहीं मुरादाबाद में वीएस चौहान के बड़े बड़े पोस्टर और बैनर यह बताने के लिए काफी है। वो वहां के स्थानीय नेताओं के बीच अपनी दावेदारी प्रबल कर चुके है। इसी लिस्ट में दूसरा नाम नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता का है। वो मेरठ से अपनी दावेदारी कर रहे है। लेकिन अभी उनका रुख स्पष्ट नहीं है।

अब जानते है गौतमबुद्ध नगर की सीट की दो बड़ी समस्या जिनको बनाया जाता है

नोएडा में दो बड़ी समस्या है। लोकसभा हो या विधानसभा दोनों ही चुनावों में हर बार इन्ही दो समस्याओं को लेकर चुनाव लड़ा जाता है। इसमें पहला बिल्डर बायर्स इश्यू। जिसको हल करने के लिए अमिताभ कांत की सिफारिश लागू की गई। हालांकि अब भी लाखों फ्लैटो का निर्माण और लोगों को मालिकाना हक नहीं मिल सका है। दूसरा किसान आंदोलन हर बार चुनावों के समय किसान आंदोलन करते है इनका एक खेमा यहां के जन प्रतिनिधियों से नाराज है। क्योंकि लगातार प्रदर्शन के बाद भी उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जा रहा है।

जेब से जबरन 50 रुपए निकालने पर दोस्त ने की थी हिस्ट्रीशीटर की हत्या

गाजियाबाद, 11 फरवरी (देशबन्धु)। निवाड़ी थाना पुलिस ने कपैगा गांव निवासी हिस्ट्रीशीटर बदमाश की हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस का कहना है कि हिस्ट्रीशीटर बदमाश विपिन की हत्या उसी के दोस्त

ने सिर्फ इस लिए कर दी थी, क्योंकि उसने दोस्त की जेब से 50 रुपए जबरन निकाल लिए थे। पुलिस ने हत्याकांड को अंजाम देने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी विवेक चंद यादव ने रविवार को बताया कि घटना वाले दिन पहले चारों ने बैठकर शराब पी थी। डीसीपी ग्रामीण विवेक यादव ने बताया कि मुख्य आरोपी विनय से विपिन ने शराब पीने के बाद विवाद हो गया था। जिसके बाद मरने वाले ने मामले के मुख्य आरोपी की जेब से 50 रुपये जबरन निकाल लिए थे। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई थी। इसी बात से गुस्साए विनय ने अपने दोस्त अमित, अर्जुन के साथ मिलकर विपिन की पहले हत्या की। इसके बाद शव को सिखेड़ा हजारी के जंगल में एक के खेत में फेंक दिया। आरोपियों ने पेट्रोल छिड़क कर शव को आज भी लगा दी थी ताकि उसकी पहचान न हो सके। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त बाइक, एक कंबल मृतक के जूते आदि बरामद कर ली है। विपिन निवाड़ी थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसपर नौ मुकदमे दर्ज हैं ।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

2030 तक मौजूदा स्तर से 3 गुना हस्तशिल्प निर्यात यानी 'तीन गुना तीस तक' हासिल करने के हमारे महत्वाकांक्षी लक्ष्य को दोहराते हुए, यह नया लोगो ईपीसीएच की नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता, सहयोग और अनुकूलनशीलता को दर्शाता है।
दिलीप बैद, ईपीसीएच अध्यक्ष

बिजली के तार की चपेट में आकर व्यक्ति की मौत

दनकौर,11 फरवरी (देशबन्धु)। दनकौर क्षेत्र के सलारपुर गांव में रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति बिजली की करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में परिवार के लोगों ने उसे

ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिवार के लोगों का आरोप है बिजली विभाग के लापरवाही से यह हादसा हुआ है, जिसको लेकर उन्होंने कोतवाली पहुंचकर इस मामले की शिकायत की है। गांव निवासी हुकम सिंह ने बताया कि उनके घर पर रविवार शाम को कार्यक्रम था। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम घर की छत पर हो रहा था। उसी दौरान उनका भतीजा रविन्द्र (45) 11 हजार वोल्ट की बिजली की लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। इस दौरान कार्यक्रम में शामिल अन्य लोगों ने भी भागकर अपनी जान बचाई। गंभीर अवस्था में परिवार के लोगों ने वीरेंद्र को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया। परिवार के लोगों का कहना है कि बिजली की लाइन उनके घर की छत से टच होकर गुजर रही है। कई बार उसको हटाने की मांग विभाग के अधिकारियों से परिवार के लोगों ने की है। लेकिन कोई समाधान नहीं हो पाया। आरोप है कि बिजली विभाग की लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ है। कोतवाली प्रभारी दनकौर संजय सिंह का कहना कि शिकायत के आधार पर जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आईएचजीएफ दिल्ली मेला-स्प्रिंग मेले का हुआ समापन

ग्रेटर नोएडा,11 फरवरी (देशबन्धु)। आईएचजीएफ दिल्ली मेला-स्प्रिंग के 57वां संस्करण के समापन समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम उत्तर प्रदेश सरकार में फिल्म विकास परिषद के उपाध्यक्ष तरूण राठी शामिल हुए। मुख्य अतिथियों ने प्रदर्शकों, विदेशी और घरेलू बड़े खरीदारों के साथ-साथ हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) का नया और आने वाले समय को ध्यान में रखकर बनाया गया लोगो, इसकी ब्रांड बुक और साथ ही इसका 'डिजाइन कनेक्ट' लॉन्च किया। मुख्य अतिथियों ने आईएचजीएफ दिल्ली फेयर-स्प्रिंग 2024 में 10 उत्पाद श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (डिस्प्ले) के लिए पुरस्कार भी दिए। इस मौके पर ईपीसीएच की सीएसआर पहल के तहत 5 लाख रुपए का चेक मेसर्स सहारनपुर आर्टिजन वेलफेयर ट्रस्ट को दिया गया। इस चेक को मैसर्स सहारनपुर वुडकार्विंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष इरफान उल हक ने स्वीकार किया। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती, लखनऊ के उपाध्यक्ष राजीव शर्मा, भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव तजिंदर बग्गा, अतिरिक्त डीजीएफटी अनिल अग्रवाल, ईपीसीएच के अध्यक्ष दिलीप बैद, आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार, ईपीसीएच के द्वितीय उपाध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना, आईएचजीएफ दिल्ली मेला-स्प्रिंग 2024 की मेला अध्यक्ष प्रिया अग्रवाल, ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक आर.के. वर्मा और ईपीसीएच की प्रशासनिक समिति के शामिल हुए। अपने सम्बोधन में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने अच्छे समन्वित मेले के लिए

ईपीसीएच को बधाई दी।

उन्होंने विश्व स्तरीय आयोजन स्थल के साथ-साथ ऐसी स्तर और पैमाने के मेले के आयोजन के लिए आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार और टीम आईएचजीएफ दिल्ली मेले की सराहना की। प्रदर्शित

- **भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैय्यद जफर इस्लाम और यूपी फिल्म डेवलपमेंट काउंसिल के उपाध्यक्ष तरुण राठी ने मेले को सराहा**
- **नए 'ईपीसीएच लोगो' और 'ईपीसीएच डिजाइन कनेक्ट' को किया लॉन्च**
- **सर्वश्रेष्ठ डिस्प्ले की 10 श्रेणियों में पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए**

उत्पादों की विविध रेंज को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने कारीगरों के लिए ऐसे प्लेटफार्मों के महत्व पर जोर दिया। जफर इस्लाम ने मुरादाबाद में डॉ. राकेश कुमार के साथ अपनी मुलाकात का जिक्र किया और तब से हस्तशिल्प क्षेत्र के माध्यम से भारत की आर्थिक वृद्धि के प्रति उनके निरंतर समर्पण की सराहना की। 2020 में निर्यात में वृद्धि पर विचार करते हुए, इस्लाम ने निर्यातकों, खरीदारों, कारीगरों और ईपीसीएच के सामूहिक प्रयासों को श्रेय दिया। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को बधाई देने के साथ ही उद्यमियों और निर्माता निर्यातकों द्वारा समर्थित उद्योग के सक्षम और उच्च कुशल कारीगरों और शिल्पकारों की ताकत की सराहना की। उत्तर प्रदेश सरकार के फिल्म विकास परिषद के उपाध्यक्ष तरूण राठी ने एकीकृत और सहयोगात्मक प्रयासों की सराहना की, जिसके कारण लगातार संस्करणों में मेले का कद बढ़ रहा है और इसे सफलता मिल रही है।

उन्होंने इस संस्करण में ईपीसीएच के नेतृत्व और 3000 प्रदर्शकों की टीम द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिकाओं की सराहना की। ईपीसीएच के अध्यक्ष, दिलीप बैद ने कहा कि 2030 तक मौजूदा स्तर से 3 गुना हस्तशिल्प निर्यात यानी 'तीन गुना तीस तक' हासिल करने के हमारे महत्वाकांक्षी लक्ष्य को दोहराते हुए, यह नया लोगो ईपीसीएच की नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता, सहयोग और अनुकूलनशीलता को दर्शाता है। आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने ईपीसीएच की सामाजिक पहल के महत्व और ईपीसीएच के नए लोगो के अनावरण पर प्रकाश डाला। उन्होंने 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। भारत में कृषि के बाद हस्तशिल्प उद्योग ही सबसे महत्वपूर्ण और रोजगार परक है।

सार संक्षेप

रोटरी क्लब ग्रेनो ने जे.पी. हॉस्पिटल के साथ लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

ग्रेटर नोएडा। रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा व आर डब्लू ए सिल्वर सिटी 2 के संयुक्त तत्वाधान में जेपी हॉस्पिटल नोएडा की तरफसे निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं जांच शिविर रविवार को लगाया, जिसमें सोसाइटी के लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर फिजीशियन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, आर्थोपेडिक, डेंटल का परामर्श ओर ईसीजी, ब्लड प्रेशर व शुगर की निःशुल्क जांच की गई। कैम्प का लगभग 150 लोगो ने लाभ उठाया। जे पी हास्पिटल की तरफसे कैंप लगाने के लिए डॉक्टर्स को क्लब द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कैम्प में मुकुल गोयल, शुभम सिंघल, मोहित बंसल, योगेश गर्ग (सीए), दीपक राय तिरखा, राजीव अग्रवाल, अमित सिंघल, विवेक शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

जीबीयू में वियतनामी नव वर्ष का टेट उत्सव का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। बौद्ध अध्ययन विभाग गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के छात्रों ने वियतनामी टेट नव वर्ष उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया,जिसमें 50 वियतनामी मोंक्स और नन्स के नेतृत्व में यह उत्सव एक रंगीन और सांस्कृतिक धरोहर का पर्व वियतनामी संस्कृति की एकता और विविधता के रुप में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन वियतनामी छात्रों द्वारा उनके हॉस्टल के अंदर पांच विभिन्न स्थानों पर आयोजित की गई, वियतनामी छात्रों जो मुख्यतः भिक्षु एवं भिक्षुणियां है उनके द्वारा अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और रीति-रिवाजों का अनुसार मनाया।

व्यापारी के बेटे का 13वें दिन खेरली नहर में मिला शव

दनकौर,11 फरवरी (देशबन्धु)। दनकौर कोतवाली क्षेत्र के बिलासपुर कस्बे के एक व्यापारी के बेटे का 13 वें रविवार को खेरली नहर में बहता हुआ शव मिला है। जिसकी हत्या करने का आरोप उसके ही दोस्तों पर लगा है। हालांकि कई दिन पहले पुलिस हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जिसको लेकर पिछले करीब 5 दिनों से बिलासपुर कस्बे के व्यापारी बाजार को बंद कर धरने पर बैठे थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना को लेकर पीड़ित परिवार और कस्बे के व्यापारियों में काफी आक्रोश है। जिन्होंने आरोपियों के खिलाफ पुलिस के अधिकारियों से फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से जल्द ही सख्त कार्रवाई करने की मांग भी की है। बिलासपुर कस्बे के व्यापारी अरुज सिंघल का 16 वर्षीय बेटा वैभव 30 जनवरी से लापता था। वैभव तीन बहनों का इकलौता भाई था। जो 10वीं कक्षा की पढ़ाई कर रहा था। साथ ही अपने पिता का कारोबार भी देखा रहा था। इस संबंध में उन्होंने कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ केस भी दर्ज कराया था।

रविवार की दोपहर बाद खोच

- **आरोपियों ने हत्या कर वैभव के शव को नहर में फेंका था**
- **शव की बारमदी को लेकर व्यापारी पांच दिनों से दे रहे थे धरना**

अभियान के दौरान पुलिस को वैभव का शव खेरली नहर में चचूरा गांव के नजदीक बरामद हुआ है। सूचना के बाद पुलिस ने परिवार के लोगों को भी मौके पर बुलाकर मृतक की पहचान की कराई। परिवार के लोगों ने मृतक की पहचान अपने बेटे के रूप में की है। जिसके बाद पुलिस ने सबको पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना को लेकर लोगों के आक्रोश को देखते हुए जिले से भारी संख्या में पुलिस बल को भी कस्बे में तैनात किया गया। हत्याकांड को लेकर कस्बे के लोगों में भारी रोष है।

साथ ही आरोपी और पीड़ित पक्ष का घर नजदीक है। घटना को देखते हुए कोई वारदात ना हो जाए। उसको देखते हुए दोनों आरोपियों को घर के सामने भी पुलिस मुस्तैद कर दी गई है। साथ ही कस्बे में अन्य अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है। पुलिस विभाग के बड़े अधिकारी भी मौके पर नजर बनाए हुए हैं।

घटना को देखते हुए डीसीपी साद मिया खान समेत अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और कस्बे के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। साथ ही अन्य और दोषियों के खिलाफ भी कार्रवाई करने का पीड़ित परिवार को भरोसा दिया गया है।

मेट्रो की मांग को लेकर ग्रेनो वेस्ट में हुआ प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा,11 फरवरी (देशबन्धु)। मेट्रो की मांग को लेकर ग्रेनो वेस्ट के अलग-अलग सोसाइटियों के निवासियों का जोश काफी बढ़ा हुआ था और भारी संख्या में लोगों का जमावड़ा एक मूर्ति चौक पर रविवार को फिर से इकट्ठा हुए। प्रदर्शन में शामिल सदस्यों ने पहले तो आपस में विचार किया एवं प्रदर्शन आगे भी जारी रखने के निर्णय को दोहराया क्योंकि पूर्व में भी इस तरह की घटनाएं घट चुकी है की डीपीआर को अप्रूव करके भेज तो दिया जाता है परंतु उसके बाद केंद्र सरकार के द्वारा इसे लटका दिया जाता है।

अमूमन डीपीआर के अप्रूवल में जिस प्रकार समय लगता था इस बार बहुत ही कम समय में इसे बोर्ड से पास करके आगे भेज दिया गया है इसके लिए हम सभी निवासी प्राधिकरण के आभारी हैं एवं राज्य सरकार से गुजारिश करते हैं कि जितनी जल्दी हो सके इसे पास करके केंद्र से भी पास करवा लिया जाए। क्षेत्र के निवासियों की मांग पर मेट्रो के लिए प्रदर्शन कर रही संस्था नेफोवा फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने यह दोहराया है कि मेट्रो परियोजना हेतु केंद्र/पीएमओ से अप्रूवल मिलने तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। हर रविवार प्रदर्शन में शामिल होने वाले सदस्य अनिल रात्रा का कहना है कि आए दिन जाम की समस्या से निवासियों को जूझना पड़ता है और सार्वजनिक परिवहन के नाम पर यहां पर कुछ भी नहीं है।

गैस रिसाव से लगी घर मे आग लाखों का समान जला

रबूपुरा,11 फरवरी (देशबन्धु)। शनिवार देर शाम खाना बनाते समय गैस सिलेंडर से रिसाव के चलते आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भयंकर रूप धारण कर लिया। जब तक आग काबू पाया गया तब तक लाखों रुपए का घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। आग लपटों की चपेट में आकर दो बच्चों समेत 4 लोग झुलस गए। घायलों को उपचार के लिए भेजा गया है। तहसील प्रशासन की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। जानकारी अनुसार शनिवार की शाम करीब 9 बजे मूलचंद शर्मा के घर में खाना बनाने के लिए जैसे ही रसोई गैस चूल्हा चालू किया गया, इसी दौरान रेगुलेटर में गैस रिसाव होने के चलते सिलेंडर में आग लग गई और पास खड़ी बाइक ने आग पकड़ ली। बाइक की टंकी फटने से सारा पेट्रोल घर में फैल गया। चंद मिनट में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया तथा समूचा घर आग की लपटों में समा गया। घटना को देख सैकड़ो की संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और आग बुझाने के प्रयास में लग गए। पानी डालने से आग और विकराल होती जा रही थी। बताया जाता है कि पड़ोस स्थित स्कूल से आग बुझाने के सिलेंडर लाकर बामुश्किल आग पर काबू पाया। घर की उपरी मंजिल में फंसे धीरज शर्मा उनकी पत्नी आशा पुत्री रिया व पुत्र विराट आग की लपटो में घिरकर झुलस गए। जिन्हें ग्रामीणों ने अपनी जान पर खेल कर बाहर निकाल। सभी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग की चपेट में आकर लाखों रुपए का घरेलू सामान जलकर राख हो गया।

डॉ. आनन्द प्रताप सिंह को मिला साइको ओरेशन अवॉर्ड

ग्रेटर नोएडा,11 फरवरी (देशबन्धु)। इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन का स्वर्ण जयन्ती समारोह का आयोजन 9 से 11 फरवरी तक अरविंदो

विश्वविद्यालय, इंदौर में आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन केरल के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने किया। सम्मेलन में देश-विदेश से लगभग 700 लोगों ने भाग लिया और अपने शोधकार्यों को प्रस्तुत किया। सम्मेलन में विभिन्न वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, मनोवैज्ञानिक चिकित्सकों, डॉक्टरों एवं शोधार्थी छात्रों ने भाग लिया। सम्मेलन में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान एवं मानसिक स्वास्थ्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर आनंद प्रताप सिंह को वर्ष 2024 के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफक्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के द्वारा साइको ऑरेशन अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया। डॉक्टर सिंह को पिछले वर्ष दिल्ली में संपन्न हुए चिकत्सा मनोविज्ञान के वार्षिक सम्मेलन में अवॉर्ड कमेटी के सदस्यों के द्वारा इस अवॉर्ड के लिए चुना गया था। डॉक्टर सिंह को ये अवार्ड चिकित्सा मनोवैज्ञान के क्षेत्र में किए गए अभूतपूर्व योगदान के लिए दिया गया है। ज्ञात हो कि डॉक्टर सिंह चिकित्सा मनोवैज्ञान के क्षेत्र में विगत 20 वर्षों से अपना योगदान दे रहे हैं। डॉक्टर सिंह मनोवैज्ञानिक चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देते हुए न्यूरोफीडबैक, न्यूरोकॉग्नीशन, ब्रेन फिंगरप्रिंटिंग एवं एनसीपीटी जैसी चिकित्सा विधियों पर शोध कर चुके हैं और इस क्षेत्र में विशेष पहचान रखते हैं।

श्रमिक कामगार के बच्चों को सम्मान देकर किया गया प्रोत्साहित

ग्रेटर नोएडा,11 फरवरी (देशबन्धु)। शारदा विश्वविद्यालय और ईपीपीआईडब्ल्यूए की सहयोगी पहल 'शारदा स्किल एंड चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर' के तत्वावधान में 'शिबानी इकोनॉमिक एण्ड एजुकेशनल फाउंडेशन' द्वारा चलाए जा रहे एक ओपन स्कूल के बच्चों की सराहना करने और प्रोत्साहित करने के लिए एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। ये बच्चे मुख्य रूप से क्षेत्र में और उसके आस-पास कारखानों में काम करने वाले श्रमिकों और मजदूरों के हैं। इस कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्ति और मुख्य अतिथि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के

मुख्य अतिथि बबलू कुमार, पुलिस महानिरीक्षक, गौतम बुद्ध नगर शामिल हुए। (डॉ.) सीबाराम खारा, कुलपति शारदा विश्वविद्यालय, डॉ. अजीत कुमार, निदेशक जनसंपर्क, शारदा विश्वविद्यालय और बरनाली खारा-शिबानी फाउंडेशन की संस्थापक सदस्य उपस्थित थीं। बबलू कुमार ने बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए और अपने भाषण में एक व्यक्ति के जीवन में शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और इस प्रयास की सराहना की उन्होंने आगे उल्लेख किया कि शिक्षा ही एकमात्र उत्प्रेरक है जो समाज में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती है जिससे एक विकसित राष्ट्र का नेतृत्व हो सकता है।

सेक्टर जू-तीन आरडब्ल्यूए चुनाव में सुमित भाटी अध्यक्ष निर्वाचित

ग्रेटर नोएडा,11 फरवरी (देशबन्धु)। सेक्टर जू-3 ए-ब्लॉक आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों का चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। इस चुनाव में पैनल एक को कुल 107 मतों में से 56 मत प्राप्त कर 5 वोटों से पैनल 2 को पराजित कर विजयी हुआ। इस पैनल में सुमित भाटी अध्यक्ष, विनोद शर्मा उपाध्यक्ष, भुवनेश गर्ग सचिव, अखिलेश सिंह उपसचिव, राजीव सिंह कोषाध्यक्ष, प्रमोद शर्मा उपकोषाध्यक्ष तथा मुनीश त्यागी, नीलिमा पाठक, सचिन मालिक, सन्नी भारद्वाज तथा अविनाश कश्यप सदस्य निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी जिला उद्यान अधिकारी तथा जिला पिछड़ा कल्याण अधिकारी की देखरेख में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों वीरेन्द्र सिंह, संजय शर्मा, अरविंद गुप्ता, सुनील कुमार तथा सेक्टरवासियो विशेषकर गोपाल शर्मा ने नवनिर्वाचित आरडब्ल्यूए को शुभकामनाएं दी।

कम्प्यूटिंग पावर व संचार विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

ग्रेटर नोएडा,11 फरवरी (देशबन्धु)। गलगोटियास विश्वविद्यालय में आईईईई अन्तरराष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन कम्प्यूटिंग पावर और संचार विषय पर आयोजित किया गया। कम्प्यूटिंग, पावर और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसी 2पीसीटी-2024) का समापन हुआ।

चांसलर सुनील गलगोटिया, सीईओ डॉ. ध्रुव गलगोटिया, डायरेक्टर ऑपरेशंस आराधना गलगोटिया, वीसी डॉ. के मल्लिकार्जुन बाबू, प्रो-वीसी डॉ. अवधेश कुमार और रजिस्ट्रार डॉ. नितिन गौर के सम्मानित संरक्षण में, सम्मेलन ने अभूतपूर्व अनुसंधान और नवाचार का प्रदर्शन किया। आईआईई के ग्वालियर के निदेशक प्रोफेसर

एसएन सिंह, आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर बीके पाणिग्रही, सिंगापुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर अक्षय कुमार राठौर, आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर योगेश सिंह चौहान और यूजीसी के प्रोफेसर राजेश के दुबे सहित वक्ता शामिल हुए। सम्मेलन में डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) जैसे क्षेत्रों को कवर करने वाले ट्रैक की एक विविध श्रेणी शामिल थी। इस अवसर पर 10 से अधिक देशों यूएसए, यूके, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, क्यूबा, लेबनान और अन्य से क्षेत्र में अनुसंधान की गहराई और चौड़ाई को दर्शाते हुए कागजात प्राप्त हुए।

सतत और तकनीकी विकास के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों पर इंजीनियरिंग में महिलाएं (डब्ल्यूआईई), आईईईई एफडीपी और युवा वैज्ञानिक कार्यशाला जैसे समानांतर कार्यक्रमों ने प्रतिभागियों के बीच सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देते हुए सम्मेलन के अनुभव को समृद्ध किया।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः-0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्लॉट न0-01,सैक्टर-के0पी0-4, ग्रेटर नोएडा सिटी
जिला-गौतमबुद्ध नगर
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि Oil Co-Operative Housing Society., के माध्यम से आवंटित भूखण्ड संख्या-A-212, 2nd Floor, Sector-Omega-I, Greater Noida क्षेत्रफल-143.22 वर्ग मीटर, Dr. A.C. Sarma S/o Late S. Sarma के पक्ष में आवंटित/पंजीकृत है। आवंटी Dr. A.C. Sarma की मृत्यु दिनांक-12.11.2021 को हो जाने के उपरान्त उनके स्थान पर उनकी पत्नी Mrs. Mina Devi W/o Late Shri Akhil Chandra Sarma ने उक्त भवन को अपने पक्ष में नामान्तरण कराने हेतु आवेदन किया है। इस म्युटेशन के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में आवंटी Dr. A.C. Sarma के स्थान पर उनकी पत्नी Mrs. Mina Devi W/o Late Shri Akhil Chandra Sarma के नाम पर दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रभारी ग्रुप (हाउसिंग)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

संपादकीय

नई दिल्ली, सोमवार 12 फरवरी 2024

संस्थापक-सम्पादक : स्व. माणाराम सुरजन

आम चुनाव की ओर बढ़ता देश

संसद का शनिवार को अंतिम सत्र समाप्त हो गया। इसके साथ ही देश अब अगली लोकसभा के लिये आम चुनाव की ओर बढ़ चला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार का दूसरा कार्यकाल पहले (2014-19) के मुकाबले कहीं अधिक कसैली यादें छोड़ गया है। 17वीं लोकसभा के सत्रावसान की बेला में सदन के नेता होने के नाते श्री मोदी से स्वाभाविकत: यही उम्मीद थी कि वे एक सकारात्मक नोट के साथ पक्ष-विपक्ष के सदस्यों से विदा होते, लेकिन जाते हुए उन्होंने अपनी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों के रूप में तीन तलाक एवं कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाये जाने का उल्लेख कर साफ कर दिया कि वे ध्रुवीकरण का एजेंडा लेकर ही तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिये जनता का समर्थन मांगने जा रहे हैं। अंतिम सत्र के आखिरी दो दिनों में संसद में संयुक्त प्रगतिशील मोर्चा (यूपीए) सरकार के 2004 से 2014 तक चले डॉ. मनमोहन सिंह के दो कार्यकाल के कामकाज को लेकर श्वेत पत्र लाकर उन्होंने और भाजपा ने संकेत दे दिये हैं कि कांग्रेस के प्रति नफरत व झूठ अब भी उनके सर्वाधिक भरोसेमंद हथियार हैं। देखना होगा कि सितम्बर, 2022 से कांग्रेस एवं उसका साथ पाकर मजबूत होता संयुक्त प्रतिपक्ष इंडिया, भाजपा को तीसरी बार केन्द्र की सत्ता पाने से रोक पाता है या नहीं। हालांकि अबकी स्थिति न 2014 जैसी है, और न ही 2019 वाली। अब तो भाजपा के सामने चुनौती है कि वह किसी प्रकार से कांग्रेस के नेतृत्व में बने इंडिया गठबन्धन को रोके।

सामान्य तौर पर तो किसी भी चुनाव के पहले सरकार के कामकाज का आकलन होता है और उसके आधार पर सत्ताधारी दल जनता की अदालत में उपस्थित होता है। इसी के बरक्स विरोधी दल सरकार की नीतियों व कार्यक्रमों की नाकामियों को उजागर करते हैं। दोनों ओर की बातें सुन-समझकर मतदाता अपना फैसला मतपेटियों के माध्यम से सुनाते हैं। यही स्वस्थ लोकतंत्र में सरकारें चुनने या हटाने का तरीका होता है, परन्तु मोदी सरकार के कार्यकाल में वह परम्परा जाती रही। विपक्ष की ओर से या देश-दुनिया के किसी भी मंच से सरकार से पूछे गये सवालों का जिम्मेदारीपूर्ण ढंग से जवाब देने सा समय चला गया। प्रधानमंत्री ने 10 वर्षों में कोई भी विधिवत प्रेस कांफ्रेंस नहीं ली- दोनों ही कार्यकालों में। सैकड़ों तरह के मुद्दे उठे और चले गये लेकिन अपने पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को 'मौनमोहन' कहने वाले नरेन्द्र मोदी स्वयं चुप्पी साधे रहे। अत्यधिक दबाव में जो दो-तीन मर्तबा उन्होंने कहा, वह लोग उंगलियों पर गिन सकते हैं। करोड़ों की लागत से और एक व्यवस्थित प्रचार तंत्र के जरिये खुद की 'महामानव' की छवि गढ़कर केन्द्र की सत्ता हासिल करने वाले श्री मोदी के 10 वर्ष का हर क्षण स्वयं के महिमा मंडन और विपक्ष को अपमानित करते हुए गुजरा। विधायिका, कार्यपालिका एवं बड़े पैमाने पर न्यायपालिका के साथ सारी संवैधानिक संस्थाओं, जांच एजेंसियों तथा मीडिया को अपनी मुट्ठी में जकड़कर नरेन्द्र मोदी दूसरा कार्यकाल समाप्त होते-होते इतने शक्तिमान हो गये हैं कि अब काडर आधारित पार्टी कहलाने वाली भाजपा व उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तक उनकी जेब में हैं। संसदीय शिष्टाचार को ठेंगा दिखाते हुए संसद के दोनों सदनों यानी लोकसभा व राज्यसभा के क्रमश: अध्यक्ष व सभापति तो छोड़िये, राष्ट्रपति से भी वे ऊपर हैं। भारत को 'लोकतंत्र की जननी' एवं 'लोकतंत्र देश की रगों में' होने का दावा करने वाले नरेन्द्र मोदी ने देश की सम्पूर्ण संसदीय प्रणाली एवं लोकतांत्रिक मूल्यों व प्रणाली को ध्वस्त कर दिया है।

श्वेत पत्र के मुकाबले कांग्रेस द्वारा लाये गये ब्लैक पेपर में मोदी सरकार के दो कार्यकाल का जो कच्चा-चिट्ठा पेश किया गया है, वह यह बताने के लिये पर्याप्त है कि कैसे उन्होंने विपक्ष मुक्त भारत बनाने के लिये इस दौरान प्रतिपक्ष के 400 से अधिक विधायकों को अपने दल में मिलाया। इतना ही नहीं, केन्द्रीय जांच एजेंसियों के बल पर कई राज्यों की चुनी हुई सरकारें गिराईं एवं मतदाताओं के फैसलों का अपमान कर जोड़-तोड़ व धन बल से और डरा-धमकाकर भाजपा की सरकारें बनवाईं। इसके लिये उन्होंने हर तरह के अनैतिक तरीकों का सहारा लिया। हाल में बिहार में हुआ सत्ता परिवर्तन और झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार गिराने की कोशिश, चंडीगढ़ मेयर चुनाव जीतने के पीठासीन अधिकारी के माध्यम से शर्मनाक उपक्रम, देश का सर्वोच्च अलंकरण भारत रत्न का सियासी मकसदों से वितरण आदि तो हाल की घटनाएं हैं। उनके कार्यकाल में जितना पीछे जाते जाएं, एक से बढ़कर एक दृष्टांत उपलब्ध हैं।

सवाल यह है कि बहुत उम्मीद न होने के बावजूद जिस प्रकार 2019 में नरेन्द्र मोदी पुलवामा एवं बालाकोट की दुहाई देकर लोकसभा का चुनाव जीत गये थे, क्या इस बार भी वैसा होगा। इसका अनुमान लगाने के पहले अब लोग इस बात की समीक्षा करने लगे हैं कि पिछली बार नरेन्द्र मोदी के समक्ष विपक्षी दलों का संयुक्त प्रतिरोध नहीं था- इस बार है। फिर, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक व तेलंगाना में कांग्रेस ने जो विधानसभा चुनाव जीते हैं, उसके बल पर और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी के गठबन्धन से छिटक जाने से बावजूद भाजपा के सामने चुनौती बहुत कड़ी है। राममंदिर का मुद्दा फायदेमंद नहीं निकला, जैसी कि उम्मीद थी। गौतम अदानी को मदद देने से श्री मोदी की ईमानदारी की पोल पहले ही खुल गई है, अब राहुल गांधी ने साबित कर दिया है कि नरेन्द्र मोदी न गरीब हैं, न ही ओबीसी। कांग्रेस बढ़े हुए मनोबल के साथ और नरेन्द्र मोदी खंडित छवि लेकर इस चुनाव में जा रहे हैं। ऐसे में देखना होगा कि 2024 के मध्य में भारतीय राजनीति का सूरज किस दिशा से उगता है।

एक दिन जनता जागती है : पाकिस्तान के चुनाव का संदेश

जब आतंकवाद के लंबे दौर के बाद 1996 में फारूख अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री बने और पाकिस्तान ने उन चुनावों पर सवाल उठाया तो फारूख ने कहा था कि हमारे यहां तो सरकार जनता बनाती है मगर वहां की सरकार तीन ए बनाते और चलाते हैं। उन्होंने तीन ए को डिफाइन करते हुए हमारे साथ एक इंटरव्यू में कहा कि- पहला ए आर्मी, दूसरा ए अमेरिका और तीसरा ए अल्लाह।

मगर इस बार वहां हुए चुनाव में एक ए और जुड़ गया। और हो सकता है भविष्य में यही ए सबसे मजबूत साबित हो और एकमात्र ताकत बने। यह ए है-अवाम। पाकिस्तान में यह पहला चुनाव ऐसा है जब वहां अवाम ने सारे डर, धर्म और सूडो नेशनलिज्म (नकली राष्ट्रवाद) को छोड़कर अपने मन से वोट दिया। और एक अतीत नहीं भविष्य दिखाने वाले इमरान खान को अप्रत्याशित समर्थन दे दिया।

उन्हें यह समर्थन तब मिला जब उन्हें एक राजनीतिक पार्टी के रूप में चुनाव में हिस्सा नहीं लेने दिया गया। उनके सारे प्रत्याशी निर्दलीय उम्मीदवारों के रूप में उतरे और वे खुद जेल में थे। इस चौथे ए अवाम की ताकत कितनी है और यही असली है वह इस बात से समझी जा सकती है कि खुद नवाज शरीफ जो प्रधानमंत्री पद के सबसे बड़े उम्मीदवार हैं वह शुरूआती गिनती में इमरान की पार्टी पीटीआई समर्थित यासमीन रशीद से पीछे थे। मगर नतीजा नहीं आया, गिनती में देरी होती रही और अंत में नवाज शरीफ को बड़े अंतर से जीता हुआ घोषित कर दिया गया।

वहां का चुनाव आयोग हमारे चुनाव आयोग की तरह कभी बहुत ऊंचे मापदंड रखने वाला और विश्वसनीय नहीं रहा। इसलिए वहां इसे आश्चर्य की तरह देखा जा रहा है कि सरकार की इतनी मदद करने के बाद भी इमरान समर्थकों को अवाम ने इतना वोट दिया कि गिनती में नवाज शरीफ को जिताना भी चुनाव आयोग के लिए मुश्किल हो गया।

एक स्थिति आती है। जिसे सेचुरेशन पाइंट या हमारे यहां देसी भाषा में कहते हैं बस अब तो हदई हो गई! हद हो गई! तो वह होती है। फ्रांस में 200 साल पहले हुई थी। इतिहास में फ्रांसीसी क्रान्ति के नाम से दर्ज है। और उसका प्रभाव सिर्फ फ्रांस में नहीं हुआ था पूरा यूरोप उसके प्रभाव में आ गया था और इसने दुनिया को बदल दिया। यह इसी चौथे ए की क्रान्ति थी। अवाम की। और यह सत्तासीन वर्ग और धर्म के गठजोड़ के खिलाफ थी। दुनिया में गणतंत्र और नए लोकतांत्रिक मूल्य वहीं से शुरू हुए।

अवाम की यह ताकत कई बार भारत में दिखी। कभी नहीं भी दिखी। क्योंकि धर्म एक लंबे समय तक जनता की आंखों पर पट्टी बांध देता हैं। मगर जैसा कि अभी पाकिस्तान के चुनाव ने बताया कि हमेशा नहीं। एक ना एक दिन जनता जागती है और बड़े से बड़े ताकतवर नेता, अपने आप में पूरी संवैधानिक शक्ति केन्द्रित कर लेने वाले को उखाड़ फेंकती है।

शकील अख्तर

> हम बात पाकिस्तान की कर रहे हैं। वहां भी वह दिन आ गया। चुनाव आयोग की सारी कोशिशों के बावजूद नवाज शरीफ की पार्टी मुस्लिम लीग (नवाज) और बिलावल भुट्टो की पार्टी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) बहुमत से बहुत दूर हैं। जबकि इमरान की पार्टी के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया था मगर उनके समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सबसे ज्यादा सौ सीटों पर जीते हैं। 264 सीटों पर चुनाव हुआ था।

पाकिस्तान में नवाज शरीफ ने यह नहीं सोचा था कि इमरान जिन्हें उनकी सरकार ने जेल पहुंचा दिया था। कई मामलों में सज़ा हो गई थी। चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। पार्टी का वह चुनाव चिन्ह जिसने पाकिस्तान को पहली बार राष्ट्रीय गौरव से भरा था क्रिकेट बैट, वह भी सीज (छीन लिया) कर दिया गया था। 150 के करीब मामले उनके खिलाफ दर्ज कर लिए गए थे। आतंकवाद, देश विरोधी गतिविधियां, सेना पर हमला जैसे गंभीर आरोप बनाए। मगर इन सबके बावजूद नवाज शरीफ उन्हें अवाम के मन से नहीं उतार पाए।

यह एक सबक है सबके लिए कि झूठ का भंडाफोड़ एक ना एक दिन होता है। हमने फ्रांस का उदाहरण इसीलिए दिया कि वहां का राजा लूई सिक्सटीन कहता था मैं ही सब कुछ हूं। अहं ब्रह्मास्मि! और रानी मैरी एंटोनेट कहती थीं कि जनता के पास रोटी नहीं है तो वह केक (जिसे आम तौर पर ब्रेड लिखा जाता है) खाए! लेकिन एक दिन जनता महल पर चढ़ दौड़ी और पूरी दुनिया में एक संदेश चला गया कि शासन में सबसे बुरी चीज अति होती है।

हम बात पाकिस्तान की कर रहे हैं। वहां भी वह दिन आ गया। चुनाव आयोग की सारी कोशिशों के बावजूद नवाज शरीफ की पार्टी मुस्लिम लीग (नवाज) और बिलावल भुट्टो की पार्टी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) बहुमत से बहुत दूर हैं। जबकि इमरान की पार्टी के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया था मगर उनके समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सबसे ज्यादा सौ सीटों पर जीते हैं। 264 सीटों पर चुनाव हुआ था। वहां कुल 342 सीटें हैं। जिनमें 70 महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए रिजर्व हैं। फिलहाल बहुमत के लिए 133 सीटें चाहिए। नवाज शरीफ को इसमें आर्मी के समर्थन के बावजूद केवल 71 सीटें मिली हैं। बेनजीर भुट्टो के बेटे बिलावल भुट्टो की पार्टी को 53 सीटें। जबकि पिछले चुनाव 2018 में इमरान की पार्टी पूर्ण बहुमत लेकर 149 सीटों पर चुनाव जीती थी और इमरान प्रधानमंत्री बने थे।

अब मामला फंसा हुआ है। बिलावल भुट्टो नवाज शरीफ को नहीं चाहते हैं और नवाज बिलावल को। और दोनों इमरान खान को नहीं। मगर जनता इमरान को चाहती है।

कहते हैं सेना का रोल बहुत निर्णायक हो गया है। फिलहाल तो उसने अपील की है कि पाकिस्तान की जनता के हितों के अनुरूप सरकार बनाएं। मगर जनता के हित वह किस में देख रही है यह सब जानते हैं। इमरान में जिन पर जनता ने विश्वास व्यक्त किया है उनमें तो बिल्कुल ही नहीं देख रही है। लेकिन पाकिस्तान की सेना को सब देख रहे हैं। उसके बारे में पंजाबी में कहा जाता है कि 'जंग कद्दी जीती नहीं, चुनाव कद्दी हारे नहीं!'

मगर इस बार उसके लिए चुनाव जीतना भी बहुत मुश्किल हो रहा है। एक अवाम के धर्म के नशे और डर की गिरफ्त से बाहर निकलने की वजह से और दूसरे अंतरराष्ट्रीय दबाव से। पाकिस्तान के चुनाव में हुई धांधलियों पर अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन सबने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

जनता और इमरान की पार्टी के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग का समर्थन किया है। आस्ट्रेलिया ने तो यहां तक कहा है कि पाकिस्तान के लोगों की पसंद को सीमित कर दिया गया। क्यों सभी राजनीतिक दलों को चुनाव नहीं लड़ने दिया गया।

जब हम कहते हैं कि दुनिया एक गांव हो गई है तो इसका मतलब यही है कि हर देश का असर दूसरे देश पर पड़ता है। जनता का एक जगह जागना दूसरी जगह भी उम्मीदें जगाता है।

लोकतंत्र एक वह आधुनिक मूल्य है जिसे कायम रखना आज पूरी दुनिया चाहती है। सब जानते हैं कि एक देश में अगर लोकतंत्र खत्म होता है दूसरे देश में भी इसका असर पड़ता है। और लोकतंत्र तभी कायम रह सकता है जब उस देश की जनता बीच-बीच में जागती रहे।

पाकिस्तान की जनता जाग गई है। हमारी तो हमेशा ही जागती रही। बस कभी थोड़ा धर्म, नफरत का ज्यादा नशा कर देने के बाद गफलत में आ जाती है। मगर वह नशा टूटता है और खुद जनता, देश सबके लिए नशे से बाहर आना बहुत जरूरी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

नये सहयोगियों को जोड़ने में भाजपा की सफलता इंडिया ब्लॉक को महंगी पड़ेगी

■ सुशील कुट्टी

2024 के लोकसभा चुनावों के लिए नये क्षेत्रीय गठबंधनों की तलाश में भारतीय जनता पार्टी चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी और बादल के शिरोमणि अकाली दल तक को अपने साथ ले गई है, जबकि जयंत चौधरी की राष्ट्रीय लोक दल पर सबसे अच्छा दांव लगा रखी है। संभावना है कि अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी हर बीतते घंटे के साथ भयभीत हो रही है। रालोद के भाजपा में शामिल होने का सिलसिला प्रधानमंत्री द्वारा अचानक रालोद सुप्रीमो जयंत चौधरी के दादा चरण सिंह को भारत रत्न देने की घोषणा से और भी उज्ज्वल हो गया है।

सवाल यह उठता है कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुताबिक, भाजपा को अपने दम पर 370 सीटें मिलेंगी और एनडीए को 400 से ज्यादा सीटें मिलेंगी तो भाजपा को गठबंधन में ज्यादा सहयोगी क्यों चाहिए? सवाल यह भी उठता है कि क्या मोदी सरकार गठबंधन बनाने और वोट हासिल करने के लिए 'भारत रत्न की राजनीति' का सहारा ले रही है, जबकि आम चुनाव 2024 का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

> भाजपा-अकाली दल गठबंधन एक खेल है क्योंकि दोनों को 'प्राकृतिक सहयोगी' माना जाता है। जयंत चौधरी-भाजपा गठबंधन चरम पर है। जाट नेता दो लोकसभा सीटों और एक राज्यसभा सीट पर सहमत हो सकते हैं। समाजवादी पार्टी और इंडिया ब्लॉक को नुकसान होगा। चंद्रबाबू नायडू भाजपा की मदद नहीं करने जा रहे हैं और इसके विपरीत भी।

9 फरवरी की सुबह, मोदी सरकार ने दो पूर्व प्रधानमंत्रियों-पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव, जो आंध्र प्रदेश से थे, और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, को देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, भारत रत्न से सम्मानित किया। जयंत चौधरी के दादा बनने वाले हैं। बिहार के समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर को भी भारत रत्न दिया गया, जिन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एनडीए में जाने के लिए मंच तैयार किया था।

जैसा कि कहा गया है, 8 फरवरी को, 'मूड ऑफ द नेशन' सर्वेक्षण में भाजपा की संभावित संख्या, 'यदि आज चुनाव होते हैं', '304' आंकी गई, जो कि प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी संख्या '370' से काफी कम है, जिसका उन्होंने दावा किया था। क्या इसका मतलब यह है कि हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्साह को नजरअंदाज करना चाहिए और भारतीय जनता पार्टी के लिए और अधिक गठबंधनों की फिसलन भरी ढलान पर सावधानी से चलना चाहिए?

चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न पुरस्कार से पहले उन्होंने कहा कि जयंत चौधरी 14 फरवरी को मोदी को वेलेंटाइन डे का उपहार देंगे और टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ 'बातचीत' कर रहे हैं।

ऐसा कहने के बाद, यह नहीं भूलना चाहिए कि मोदी सरकार के जगनमोहन रेड्डी की वाईएसआरसीपी सरकार के साथ अच्छे कामकाजी संबंध हैं। दोनों कई मुद्दों पर सहयोग करते हैं और 'मूड ऑफ द नेशन' सर्वेक्षण में सभी सीटें मौजूदा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के लिए आरक्षित हैं और टीडीपी पीछे चल रही है।

मीडिया ने अकाली दल के साथ नए सिरे से गठबंधन की बातचीत की भी बात की है, लेकिन सिखों की पार्टी चुप है, यह कहने के लिए पर्याप्त है कि भाजपा का हर पिछला साथी जनता दल यूनाइटेड नहीं है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 12 फरवरी को फ्लोरटेस्ट का सामना करना पड़ेगा और 'मूड ऑफ द नेशन' सर्वेक्षण में कहा गया है कि नीतीश कुमार अपने साथ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के लिए महागठबंधन के वोट-शेयर का केवल आठ प्रतिशत ही ले जा सकते हैं।

चंद्रबाबू की टीडीपी ने 2019 में एनडीए छोड़ दिया था। अब, वह भाजपा के साथ 'बातचीत' में लगे हुए हैं, जो कि वाईएसआरसीपी के साथ भाजपा के संबंधों के बारे में होना चाहिए और अब क्या होगा जब जगनमोहन रेड्डी की बहन वाईएसशर्मिला कांग्रेस में हैं। रिकॉर्ड के लिए, 'मूड ऑफ द नेशन' सर्वेवाईएस शर्मिला के कांग्रेस में पदार्पण के कारण कांग्रेस को कोई बड़ा फायदा नहीं देता है।

सभी संकेतों से, जगनमोहन रेड्डी की स्थिति अच्छी है और वाईएस शर्मिला के सौजन्य से न तो भाजपा और न ही तेदेपा को कोई लाभ हुआ है, जो सिर्फ एक अन्य राजनेता हैं जिन्होंने पार्टी-बदली की है। बीजेपी-टीडीपी गठबंधन वास्तव में मतदाताओं पर वाईएसआरसीपी की पकड़ को और मजबूत कर सकता है, चंद्रबाबू नायडू की जेपी नड्डा और अमित शाह के साथ 'बातचीत' के बावजूद।

तेलंगाना के मतदाता नरम पड़ सकते हैं, लेकिन आंध्रप्रदेश के मतदाताओं में भारतीय जनता पार्टी के प्रति एक स्वस्थ नापसंदगी है और क्षेत्र की मौजूदा जनसांख्यिकी को देखते हुए यह एक स्थायी असंतोष है। भाजपा के लिए समस्या यह है कि भगवा पार्टी के प्रति नापसंदगी पूरे दक्षिण भारत में गहरी है, यहां तक कि केरल के मतदाता आंध्रप्रदेश के मतदाताओं की कार्बन कॉपी हैं।

भाजपा के साथ गठबंधन करने से गठबंधन को कोई मदद नहीं मिलने वाली है और यह विश्वास करना कठिन है कि नायडू और शाह/नड्डा के बीच शिष्टाचार के आदान-प्रदान के अलावा वास्तव में क्या 'बातचीत' हुई होगी। महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा को जगनमोहन रेड्डी के 'अस्थिर समर्थन' को क्यों खारिज करना चाहिए? यदि मोदी 2024 के आम चुनावों के बाद कहीं नहीं जा रहे हैं, तो मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी भी इतनी जल्दी कहीं नहीं जा रहे हैं।

भाजपा-टीडीपी वार्ता मोदी की 'अखिल भारतीय नेता' के रूप में पहचाने जाने की लालसा है। इससे मोदी को दुख होता है कि वह उत्तर भारत के 'गौमूत्र राज्यों' के महिमामंडित क्षत्रप हैं और भाजपा दक्षिण के मतदाताओं के लिए अछूत बनी हुई है। 'देश का मिजाज' सर्वेक्षण इस स्थापित धारणा को नहीं बदलता है।

इसलिए, टीडीपी के साथ गठबंधन से कोई फर्क पड़ेगा या नहीं, यह कहना मुश्किल है। इतिहास और भूगोल इसका समर्थन नहीं करते। ऐसा माना जाता है कि जगनमोहन रेड्डी के पास 'प्रो-इनकंबेंसी' है, ठीक उसी तरह जैसे कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हासिल है।

इसलिए, नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की और कसम खाई कि वह फिर कभी एनडीए नहीं छोड़ेंगे और भाजपा ने कृषि बिलों के बाद अकाली दल के साथ 'संपर्क' कर लिया है। पंजाब में गठबंधन के लिए अकाली दल प्रमुख सुखबीर बादल से शुरुआती बातचीत हो चुकी है। 'मूड ऑफ द नेशन' सर्वे पंजाब में दोनों पार्टियों के लिए ज्यादा भविष्यवाणी नहीं करता है। इसका दोष आम आदमी पार्टी पर डालें, लेकिन फार्म बिल के बाद से चीजें बदल गई हैं और पंजाब भाजपा और अकाली दल दोनों के लिए वाटरलू है, और क्या गठबंधन से मदद मिलेगी, यह अनुमान का विषय है।

भाजपा-अकाली दल गठबंधन एक खेल है क्योंकि दोनों को 'प्राकृतिक सहयोगी' माना जाता है। जयंत चौधरी-भाजपा गठबंधन चरम पर है। जाट नेता दो लोकसभा सीटों और एक राज्यसभा सीट पर सहमत हो सकते हैं। समाजवादी पार्टी और इंडिया ब्लॉक को नुकसान होगा। चंद्रबाबू नायडू भाजपा की मदद नहीं करने जा रहे हैं और इसके विपरीत भी। भाजपा नये गठबंधनों के साथ आगे नहीं बढ़ सकती। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात याद रखी जायेगी जब तक कि नीतीश कुमार भी मोदी पर वार नहीं करते। फिलहाल भाजपा-जद(यू) गठबंधन मजबूत नजर आ रहा है। क्षेत्रीय पार्टियों के साथ भाजपा के किसी और गठबंधन को लेकर कयासों का दौर जारी है।

पावन प्रसंग

कर्म बड़ा या भाग्य

कर्म बड़ा या भाग्य यह बहस सदियों से चली आ रही है। कर्म और भाग्य में बड़ा कौन है? कर्म को मानने वाले कर्मवादी लोग कहते हैं कि कर्म ही सब कुछ है और भाग्य कुछ नहीं होता। वहीं भाग्यवादी लोगों का कहना है कि भाग ही सब कुछ है और मनुष्य चाहे जो कुछ कर ले अंतत: होगा वही जो भाग्य में, किस्मत में लिखा होगा। वस्तुत: सत्य क्या है? कर्म बड़ा या भाग्य?

कर्म श्रेष्ठ है या भाग्य? कर्म महत्वपूर्ण है या भाग्य कर्म और भाग्य एक दूसरे के विरोधी हैं या पूरक? ये प्रश्न हमारे मन में अक्सर उठते हैं पर वास्तव में सच क्या है? इसे समझने के लिए हम पुराणों में वर्णित एक मधुर कहानी में प्रवेश करते हैं। कहानी के अनुसार एक बार देवर्षि नारद भगवान विष्णु के पास पहुंचे। उन्होंने भगवान से शिकायत करते हुए कहा- आपकी बनाई इस धरती पर आपका प्रभाव कम हो रहा है। जो लोग धर्म और सच्चाई के रास्ते पर चल रहे हैं, उनका भला नहीं हो रहा है तथा अधर्म और बुराई के मार्ग पर चलने वाले दुष्ट अधर्मी, पापी लोग हर दिन प्रगति कर रहे हैं। देवर्षि ने आगे कहा- अच्छाई के मार्ग पर चलने वाले लोग, अच्छे कर्म, शुभ कर्म, पुण्य कर्म करने वाले लोग दुख और कष्टों से भरा जीवन जी रहे हैं और बुराई के मार्ग पर चलने वाले लोग सुखी हैं। यह सुनकर विष्णु भगवान मुस्कराए और बोले- जो हो रहा है, वह सब नियति है। पर नारद जी बोले- भगवन, मैं पृथ्वी पर यह सारा दृश्य अपनी आंखों से देखकर आ रहा हूं, फिर मैं कैसे मानूं कि जो कुछ भी हो रहा है वह सब नियति है।

भगवान बोले- ठीक है, आप कोई ऐसी घटना बताएं, जिससे आपकी बात सिद्ध हरे। देवर्षि बोले-अभी मैं एक वन से होकर आ रहा हूं। उस वन में मैंने देखा कि एक गाय दलदल में फंस गई थी, लेकिन उसे बचाने वाला कोई भी न था। तभी एक चोर वहां से गुजरा और गाय को दलदल में फंसी देखकर उसके शरीर पर पैर रखकर वह दलदल पार कर निकल गया। फलस्वरूप वह चोर तो दलदल पार कर गया, पर गाय दलदल में और अधिक फंस गई देवर्षि ने अपनी बात आगे बढ़ाई और कहा भगवन आगे जाकर उस चोर को बहुत से सोने के सिक्के से भरा एक थैला मिल गया। इस घटना के कुछ समय बाद उसी मार्ग से एक वृद्ध महात्मा भी जा रहे थे। गाय को दलदल में फंसी देखकर उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर उस गाय को दलदल से बाहर निकाला और उसकी जान बचाई। उसके बाद वे वृद्ध साधु अपने मार्ग पर आगे बढ़ते जा रहे थे कि तभी वह रास्ते में आए एक कुएं में गिर पड़े। अब भगवन, आप ही बताइए यह कौन सा न्याय है?

भगवन विष्णु बोले नारद, यह सब कर्मानुसार हुआ। वह कैसे? भगवन नारदजी ने फिर पूछा। तब भगवान बोले-चोर के द्वारा पूर्व में किए गए अच्छे कर्मों के कारण उसके भाग्य में एक सोने के सिक्के से भरा थैला ही नहीं एक महल भी था। पर उसने गाय के साथ जो किया उसके कारण उसके कर्म बिगड़ गए और कर्म बिगड़ जाने के कारण उसका भाग्य भी बिगड़ गया। फलस्वरूप भाग्य में किस्मत में महल होने के बावजूद उसे सिर्फ एक तैला ही मिल सका।

भगवान थोड़ा मुस्कराए व देवर्षि नारद को संबोधित कर कहने लगे- वहीं साधु के भाग्य में उस दिन बड़ी दुर्घटना लिखी थी, लेकिन उन्होंने गाय को बचाकर जो पुण्यकर्म किया उससे उनके साथ घटने वाली बड़ी दुर्घटना एक छोटी सी चोट में बदल गई। भगवान की बातें सुनकर नारद जी संतुष्ट हुए और उन्हें यह समझ में आया कि अच्छे कर्म से अच्छे भाग्य का निर्माण होता है और बुरे कर्म से बुरे भाग्य का निर्माण होता है और तदनुसार कर्म करने से हम अपने भाग्य को भी बदल सकते हैं।

अखंड ज्योति

आपके पत्र

आंदोलन की आग सुलगी फिर उठ खड़ा हुआ किसान

एमएसपी और स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने के साथ अन्य मांगों को लेकर किसान दिल्ली कूच करने की तैयारी कर दी है। पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार से किसानों से जुड़ी शिकायतें मांगी हैं। लोकसभा चुनाव सिर पर है ऐसे में विपक्षी दल की दीवानगी देखते बनती है। किसानों ने मांग पर भारत बन्द का भी ऐलान किया है। देशव्यापी आंदोलन आगे की सियासत तय कर सकता है। वैसे पंजाब हरियाणा से ही हर समय मांग उठती है। आंदोलनकारियों ने धग्गर नदी को गहरा खोद दिया है। हरियाणा में 144 लागू की गई है। भगवंत मान पंजाब के मुख्यमंत्री ने यहां तक कह दिया है कि दूसरी मीटिंग भी करनी पड़ती है करने के लिये तैयार हैं। प्रदेश में सुगबुगाहट शुरू हो गई है। संयुक्त किसान मोर्चा और मजदूर किसान संगठन दिल्ली में आंदोलन शुरू करने की तैयारी में है। रूपरेखा तैयार की जाएगी। किसी तरह आंदोलन से निजात पाने की कोशिशें सरकार कर रही है।

कांग्रेस विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद में शायद आ सकती है। पहले भी आंदोलन बहुत लंबा चला था जो लोग किसानों की चिंता करने का दावा कर रहे हैं, आखिर यह समस्या किसकी देन है? भाजपा देश में सबसे ज्यादा किसानों की चिंता करने वाली पार्टी है। भाजपा चाहती है कि किसान ही क्या देश का हर वर्ग समृद्ध बनना चाहिए। इस मुद्दे पर जो दल राजनीति करने वाले हैं वे न ही देश का और न ही देश का भला चाहता है। किसान आंदोलन को राजनैतिक तुक देने का कोई औचित्य नही है। प्राधिकरण की मांग को लेकर नोयडा प्राधिकरण की मुआवजा राशि सुनिश्चित करने की मांग आंदोलन के स्वरूप को उजागर करता है। नोयडा शहर को बसाने के लिए जमीनें अधिग्रहित की गई थी। उसकी राशि को लेकर भी किसानों की मांग है। कोई भी राजनैतिक दल किसानों को मोहरा बनाने का काम कर रहे हैं तो भी सरकार दृढ़ निश्चय है क्योंकि किसान अन्नदाता है और दुनिया का पेट भरने का सामर्थ्य है। किसान जिस मांग को लेकर सड़क पर उतरे हैं उसके लिए फसलों का सही मूल्य दिलाने के लिए सरकार संकल्पित है। आजादी के बाद सत्तर के दशक में हरित क्रांति की कामयाबी के साथ किसानों ने फसलों की उपज बढ़ाई तो अतिरिक्त पैदावार से उनकी आय का स्त्रोत मजबूत होता भी गया है। किसान एमएसपी में बढ़ोतरी के लिए आंदोलन करने लगा है लेकिन किसान हितैषी सरकार किसानों को अन्याय कभी नहीं करेगी।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770

ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

पाकिस्तान में राजनीतिक झड़पों में तीन की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिणी प्रांत सिंध में रविवार को दो राजनीतिक दलों के बीच झड़प में तीन लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लरकाना जिले में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और ग्रैंड डेमोक्रेटिक अलायंस (जीडीए) के कार्यकर्ताओं के बीच बहस से शुरू हुई झड़प देखते ही देखते सशस्त्र संघर्ष में तब्दील हो गई। दोनों दलों के बीच झड़प में गोलीबारी भी हुई, जिसमें दोनों दलों के कार्यकर्ता और उनकी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी हताहत हुए।

इमरान खान की पार्टी ने चुनाव में धांधली के आरोप लगाए

■ सबूत वेबसाइट पर किए अपलोड, सरकार ने लगाया प्रतिबंध

इस्लामाबाद, 11 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की कार्यकारी सरकार ने पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह बैन पीटीआई की वेबसाइट, पर फॉर्म 45 अपलोड करने के बाद लगाया गया है। इसके अलावा पार्टी ने चुनाव में हुई धांधली के सबूत भी वेबसाइट पर अपलोड किए थे।

गौरतलब है कि पाकिस्तान में गुरुवार (8 फरवरी) को वोटिंग हुई थी। मतदान खत्म होने के तुरंत बाद ही मतगणना भी शुरू हो गई थी। माना जा रहा था कि शुक्रवार (9 फरवरी) सुबह तक नतीजों का ऐलान हो जाएगा। इसके चलते देशभर में चुनाव नतीजों में धांधली का आरोप लगाया जा रहा है। इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नेताओं ने धांधली के आरोप लगाते हुए अदालत का भी रुख किया है। इससे पहले पीटीआई ने निर्वाचन आयोग को चुनाव के पूरे नतीजे घोषित करने या फिर विरोध प्रदर्शन का सामना करने की धमकी दी थी। पार्टी के इस बयान के कुछ ही घंटों के भीतर पेशावर और कराची में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी के साथ पार्टी के झंडे लहराते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस बीच नेशनल असेंबली 28 सीट और अन्य असेंबली सीट पर भी धांधली और हेरफेर के खिलाफ पेशावर में भारी विरोध प्रदर्शन हुआ। इतना ही नहीं पीटीआई ने सियालकोट, कराची और बलूचिस्तान में धांधले वीडियो भी जारी किए।

170 सीट जीतने का दावा

पीटीआई प्रमुख गौहर अली खान ने कहा कि उनकी पार्टी ने 170 सीट जीती हैं और इनमें वे सीट भी हैं, जिन पर पीटीआई को पहले ही विजेता घोषित किया गया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि पीटीआई के पास मतदान केंद्रों के फॉर्म 45 का प्रमाण है, जिससे पता चलता है कि पार्टी समर्थित उम्मीदवार जीत गए थे, लेकिन निर्वाचन अधिकारी ने उन्हें असफल घोषित कर दिया।

पाकिस्तान चुनाव आयोग ने आम चुनाव 2024 के अंतिम परिणामों की घोषणा की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने रविवार को आठ फरवरी को हुए देश के आम चुनाव 2024 के पूर्ण परिणामों की घोषणा की। नेशनल असेंबली के लिए घोषित चुनाव परिणामों के अनुसार, स्वतंत्र उम्मीदवारों को 101 सीटें मिलीं, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग(नवाज) को 75 सीटें और पूर्व विदेशी मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की पार्टी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को 54 सीटें मिलीं हैं। सूत्रों के अनुसार किसी भी राजनीतिक दल को बहुमत नहीं मिलने से सरकार बनाने की स्थिति फिलहाल साफ नहीं हो पाई है।

जनादेश का सम्मान किया जाना चाहिए : पीटीआई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के शीर्ष नेता बैरिस्टर गोहर खान ने रविवार को आम चुनावों पर सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के हीलिंग टच वाले बयान की प्रतिक्रिया में संस्थापक इमरान खान सहित पार्टी के सभी राजनीतिक कैदियों की रिहाई की मांग की। सेना प्रमुख ने आठ फरवरी को सम्पन्न चुनाव के लिए देश को बधाई देते हुए शनिवार को कहा कि देश को अराजकता और ध्रुवीकरण की राजनीति से आगे बढ़ने के लिए स्थिर हाथों और एक उपचारात्मक स्पर्श (हीलिंग टच) की जरूरत है। जनरल मुनीर ने कहा था कि पाकिस्तान की विविध राजनीति और बहुलवाद का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय उद्देश्य से जुड़ी सभी लोकतांत्रिक ताकतों की एकीकृत सरकार द्वारा किया जाएगा। जियो न्यूज ने सेना के मीडिया विंग के हवाले से बताया कि सेना प्रमुख ने कहा था कि देश को अराजकता और ध्रुवीकरण की राजनीति 25 करोड़ लोगों के प्रगतिशील देश के लिए उपयुक्त नहीं है और इससे आगे बढ़ने के लिए स्थिर हाथों और एक उपचारात्मक स्पर्श की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, चुनाव जीत और हार की प्रतियोगिता नहीं है बल्कि लोगों के जनादेश को निर्धारित करने की एक कवायद है। जनरल मुनीर के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बैरिस्टर गोहर ने कहा कि हीलिंग टच का मतलब है कि देश में कोई राजनीतिक कैदी नहीं होना चाहिए। कानूनी लड़ाई में इमरान खान का प्रतिनिधित्व करने वाले राजनेता गोहर की यह टिप्पणी 'अरब न्यूज़' के साथ एक साक्षात्कार के दौरान आई। इस टिप्पणी ने पार्टी के भविष्य के कदमों के लिए माहौल तैयार कर दिया क्योंकि उसके उम्मीदवार चुनावों में आगे चल रहे हैं। उन्होंने कहा, (पीटीआई को मिले) जनादेश का सम्मान किया जाना चाहिए। इसके बिना कोई हीलिंग टच नहीं हो सकता है। श्री गोहर ने सेना प्रमुख के एकीकृत सरकार रुख पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इसका मतलब जरूरी नहीं कि गठबंधन सरकार हो।

सुडोकू 6464

		5			7		6	
2			9	5	6	4		
	4	6						
8		2	4			6		7
4				6				3
5		1			3	2		4
						3	1	
		4	8	1	9			6
	7		6			9		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6464

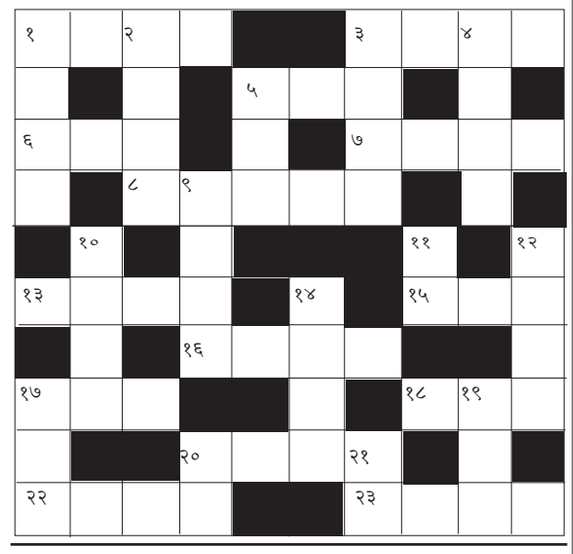

बायें से दायें:-

१. पराजित होना, अपमानित होना, मुहावरा है दांत .... होना
३. अश्वशाला
५. गायब, लुप्त
६. 26 दिसंबर 1934 के पूर्व ईरान को इस नाम से पुकारा जाता था
७. निरुत्तर, अनुपम (उर्दू)
८. चांदी का घड़ा
१३. भिड़ंत, टकराव
१५. घर्षण, घिसाव
१६. शिष्टता शहर में रहने का भाव
१७. लाजवंती
१८. युवावस्था
२०. दर्शकगण (उर्दू)
२१. तकलीफदेह
२३. डरावना

ऊपर से नीचे:-

१. अनबन, मनमुटाव
२. बुद्धिमान (उर्दू)
३. मुनाफाखोरी
४. उपद्रवकारी (उर्दू)
५. जिसे जीता गया हो, पराजित
९. कस कर बांधना, कसना, बांधना
१०. जिद्दी
११. प्रभात, सुबह
१२. असुविधा, कठिनाई
१४. सभासद (उर्दू)
१७. चंद्रमा
१९. वस्त्र
२०. ध्वनि, आवाज
२१. गगन, आकाश

वर्ग पहेली-6463

१ च	य	२ नि	त			३ नि	म्न	४ त	य
रा		पु		५ अ	धू	रा		क	
६ च	र	ण		भा		७ यु	द्ध	नी	ति
र		८ ता	९ पा	व	रो	ध		क	
	१० स्व		य				११ दा		१२ भ
१३ प	र	निं	दा		१४ इ		१५ स	मु	द्र
	चि		१६ र	वि	क	र			ज
१७ ह	ज	क			ता		१८ वि	१९ पि	न
म			२० अं	ग	रा	२१ ज		शा	
२२ ला	भा	न्वि	त			२३ न	भ	च	र

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : सोमवार 12 फरवरी , 2024 माघ शुक्ल पक्ष 3

राशिफल

मेष -आज भाग्य आपका साथ देगा। इनकम में वृद्धि हो सकती है। सामाजिक रूप से यश और कीर्ति मिलेगी। व्यापार में लाभ होगा। विवाह के योग्य जातकों का रिश्ता पक्का हो सकता है।

वृषभ -आज कोई पुरानी चिंता दूर हो सकेगी। शारीरिक रूप से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। पारिवारिक जीवन में सुख-संतोष का अनुभव होगा। व्यवसाय में आपको यश मिलेगा।

मिथुन -आपका आज का दिन मिश्रित फलदायी है। स्वास्थ्य में भी कुछ उतार-चढ़ाव होगा। व्यापार में पार्टनर के साथ मतभेद हो सकते हैं। धन का व्यय अधिक होगा। संतान की चिंता सताएगी।

कर्क -आज मन को शांत रखकर ईश्वर के नाम का स्मरण करें। इससे एकाग्र होने में दिक्कत नहीं आएगी। गुस्से को वश में रखें। नेगेटिव विचार आपको परेशान कर सकते हैं। धन की तंगी रहेगी। फिर भी दोपहर के बाद आप प्रसन्न रहेंगे।

सिंह -आज आपको मनोरंजन के भरपूर साधन उपलब्ध होंगे। इससे आप मित्रों और स्नेहीजनों के साथ खुशी महसूस करेंगे। पर्यटन की संभावना है। दोपहर के बाद मानसिक रूप से आप थका हुआ महसूस करेंगे।

कन्या -आज का दिन आपके लिए शुभ फलदायक है। काम में सफलता मिलने से आज आप आनंदित रहेंगे। आपका यश बढ़ेगा। परिवार का वातावरण अनुकूल रहेगा।

तुला -लेखनकार्य और साहित्यिक गतिविधियों के लिए आज का दिन शुभ फलदायक है। किसी चर्चा में भाग ले सकते हैं। नौकरीपेशा लोग अपने टैलेंट की बदौलत कुछ अच्छा काम कर पाएंगे। यश और कीर्ति में वृद्धि होगी।

वृश्चिक -आज किसी बात को लेकर जिद्दी ना बने रहें। अपने इमोशन पर नियंत्रण रखें। वित्तीय मामलों में लाभ की आशा रख सकते हैं। वस्त्र-आभूषण एवं सौंदर्य प्रसाधनों के मामले में खर्च होगा। माता से लाभ होगा।

धनु -आज मन की कोई चिंता दूर होने से आप काफी हलकापन महसूस करेंगे। परिजनों के साथ किसी खास पारिवारिक चर्चा में भाग ले सकते हैं। मित्रों के साथ घनिष्ठता बढ़ेगी और विरोधी के समक्ष विजय होगी।

मकर -आज धार्मिक विचारों के साथ-साथ धार्मिक कामों पर धन खर्च होगा। अधिक वाद-विवाद से परिवार का वातावरण सौहार्दपूर्ण नहीं रहेगा। ऑफिस में काम में मन नहीं लगेगा। दोपहर के बाद आप का मन चिंता से मुक्त रहेगा।

कुंभ -आज सांसारिक विषयों की बजाए आध्यात्मिक विषयों की तरफ आप का झुकाव अधिक रहेगा।किसी नेगेटिव भावनाओं को महत्व न देकर मानसिक रूप से स्वस्थ रहने का प्रयत्न करें।

मीन -धन के लेन-देन, उगाही या निवेश करते समय आज सावधानी रखें। किसी के भी काम में जल्दबाज़ी करने से विघ्न आ सकता है। कोर्ट कचहरी की बातों में संभलकर चलने की सलाह आपको दी जाती है।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

ईरान में गोलीबारी में नौ पाकिस्तानियों की मौत

तेहरान, 11 फरवरी (एजेंसियां)। प्रांतीय सुरक्षा सूत्र ने बताया कि रविवार को ईरान के सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में स्थित सिकरान में एक सशस्त्र हमले में नौ पाकिस्तानी नागरिक मारे गए। मेहर न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रांत के डिप्टी गवर्नर अलीरेज़ा मरहमती के अनुसार, यह घटना तब हुई जब तीन बंदूकधारियों ने पाकिस्तानी नागरिकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि घटना के दौरान तीन लोग घायल हो गये। घटना की निंदा करते हुए, मरहमती ने पीड़ितों के परिवारों और पाकिस्तानी लोगों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। ईरानी पुलिस बलों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया लेकिन बंदूकधारी घटना स्थल से भागने में सफल रहे।

आईडीएफ ने गाजा में हमास सुरंग की खोज की

गाजा, 11 फरवरी (एजेंसियां)। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने गाजा पट्टी में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के मुख्य मुख्यालय के नीचे कथित तौर पर एक हमास सुरंग की खोज की है। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा सेना ने इज़रायल सिक्योरिटीज अथॉरिटी (आईएसए) की खुफिया जानकारी के बाद, उत्तरी गाजा में शाती और तेल अल-हवा के इलाकों में कार्रवाई की।

सेना यूएनआरडब्ल्यूए स्कूल के पास एक सुरंग के रास्ते पर पहुंची। यह रास्ता एक भूमिगत आतंकी सुरंग की ओर ले गया जो हमास की सैन्य खुफिया जानकारी के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति के रूप में काम करती है। यह सुरंग गाजा पट्टी में यूएनआरडब्ल्यूए के मुख्य मुख्यालय के नीचे से गुजर रही है। उन्होंने बताया कि बलों ने यूएनआरडब्ल्यूए के मुख्य मुख्यालय से जुड़ी सुरंग के अंदर विद्युत बुनियादी ढांचे का भी पता लगाया।

बयान में कहा गया है कि इजरायली बलों ने यूएनआरडब्ल्यूए मुख्यालय पर भी लक्षित हमला किया और इमारत में कथित तौर पर राइफल, गोला-बारूद और ग्रेनेड सहित बड़ी संख्या में हथियार पाए गए।

इजरायली बमबारी में कम से कम 25 लोग मारे गए

गाजा। दक्षिणी गाजा पट्टी के शहर राफा में रविवार को एक घर पर हुए इजरायली बमबारी में कम से कम 25 फिलिस्तीनी मारे गए। आधिकारिक फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने आज यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि बमबारी के समय कई विस्थापित लोग घर में रह रहे थे जिनमें से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गयी और 12 से से अधिक घायल हो गए। राफा के मेयर अहमद अल-सूफी ने चेतावनी दी, राफा में हाल के घंटों में इजरायली बमबारी बढ़ गई है, जिससे शहर में सैन्य अभियान का रास्ता साफ हो गया है।

पनामा ने पूर्व राष्ट्रपति मार्टिनेली को देश छोड़ने के लिए सुरक्षित मार्ग देने से किया इनकार

पनामा सिटी, 11 फरवरी (एजेंसियां)। पनामा ने निकारागुआ दूतावास में शरण लिए हुए पूर्व राष्ट्रपति रिकार्डो मार्टिनेली को देश छोड़ने के लिए सुरक्षित मार्ग प्रदान करने के निकारागुआ के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है। वर्ष 2009 से 2014 तक राष्ट्रपति पद पर रहे श्री मार्टिनेली को पिछले वर्ष चोरी के सार्वजनिक धन से एक प्रकाशन गृह में हिस्सेदारी खरीदने का दोषी पाया गया था और 11 वर्ष की कैद की सजा सुनायी गयी थी। उन पर 1.90 करोड़ डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया था। पनामा के सुप्रीम कोर्ट ने श्री मार्टिनेली की लगभग 11 साल की जेल की सजा के खिलाफ अंतिम अपील पिछले सप्ताह खारिज कर दी। उन्होंने बुधवार को निकारागुआ के दूतावास में शरण ली, जिसकी सरकार ने पनामा के अधिकारियों से मानवीय आधार पर निकारागुआ के लिए उनका 'शीघ्र प्रस्थान' सुनिश्चित करने का आग्रह किया। पनामा के विदेश मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति जारी करके कहा, श्री रिकार्डो अल्बर्टो मार्टिनेली बेरोकल के पनामा गणराज्य की सीमा से बाहर निकलने के लिए सुरक्षित मार्ग प्रदान करने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह के सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने श्री मार्टिनेली की मई में दोबारा राष्ट्रपति चुने जाने की उम्मीदों को करारा झटका दिया। उन्होंने इस फैसले को उन्हें राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटाने के लिए 'अंतिम समय में उठाया गया अवैध कदम' बताया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मद्देनजर पनामा के चुनाव अधिकारियों द्वारा श्री मार्टिनेली को औपचारिक रूप से चुनाव से बाहर किये जाने की संभावना है।

फिलीपींस में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 54 हुयी

मनीला, 11 फरवरी (एजेंसियां)। दक्षिणी फिलीपींस में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है। सरकार की ओर से रविवार को जारी बयान में बताया गया कि बचावकर्मी मलबे में 63 लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गत छह फरवरी की शाम को दावाओ डी ओरो प्रांत के पहाड़ी शहर माको में भूस्खलन हुआ, जिसमें कई घर, वाहन और कई लोग मलबे में दब गए। मैको टाउन आपदा निवारण कार्यालय ने कहा कि कम से कम 32 लोग घायल हुए, लेकिन इस त्रासदी में बच गए। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि भूस्खलन से मैको नगर पालिका के चार गांवों में 1,347 परिवार या 5,431 लोग प्रभावित हुए हैं।विश्व जोखिम सूचकांक 2022 के अनुसार फिलीपींस को दुनिया के सबसे अधिक आपदा-प्रवण देशों में पहले स्थान पर है। प्रशांत रिंग ऑफ फायर में स्थित यह द्वीपसमूह अक्सर शक्तिशाली तूफानों से प्रभावित होता है, जिससे अचानक बाढ़ और भूस्खलन होता है। साथ ही यह भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट हिल जाता है।

आज का इतिहास

1502-वास्को द गामा भारत की दूसरी यात्रा के लिए अपने जहाज़ में लिस्बन से रवाना हुआ।
1689-विलियम और मेरी इंग्लैंड के राजा तथा रानी घोषित किये गए।
1736-नादिरशाह फ्रांस का शासक बना।
1762-ब्रिटेन की नौसेना ने कैरेबियाई द्वीप मार्टिनिक पर क़ब्ज़ा किया।
1809-ब्रिटिश वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन का जन्म।
1818-दक्षिण अमेरिकी देश चिली को स्पेन से स्वतंत्रता मिली।
1824-आर्य समाज के प्रवर्तक और प्रखर सुधारवादी संन्यासी दयानंद सरस्वती का जन्म।
1882-नीदरलैंड के एमेस्टरडम में सोशल डेमोक्रेटिक संघ की स्थापना।
1885-जर्मन ईस्ट अफ़्रीका कम्पनी का गठन हुआ।
1912-चीन में मंचु वंश ने गद्दी छोड़ दी।
1919-प्रसिद्ध राष्ट्रवादी नेता सूफ़ी अम्बा प्रसाद का निधन।
1920-हिन्दी फ़िल्मों के जाने माने नायक, खलनायक और चरित्र अभिनेता प्राण का जन्म।
1922-महात्मा गांधी ने कांग्रेस कार्यकारिणी समिति को असहयोग आन्दोलन को समाप्त करने के लिये राजी किया।
1925-उत्तरी यूरोप के बाल्टिक देश इस्टोनिया ने कम्युनिस्ट पार्टी पर प्रतिबंध लगाया।
1928-गांधी जी ने बारदोली में सत्याग्रह की घोषणा की।
1953-सूडान के बारे में ब्रिटेन और मिस्र के बीच समझौता हुआ।
1975-भारत ने खुद को चेचक मुक्त घोषित किया।
1979-ईरान के प्रधानमंत्री बख्तियार ने सेना का समर्थन खोने के बाद अपने पद से इस्तीफा दिया।

चुनाव अमेरिकी सांसदों ने बाइडेन प्रशासन से की अपील

पाक चुनाव परिणामों को मान्यता नहीं देने का किया आग्रह

वाशिंगटन, 11 फरवरी (एजेंसियां)। कई अमेरिकी सांसदों ने बाइडेन प्रशासन से कथित अनियमितताओं की जांच होने तक पाकिस्तान के चुनाव परिणामों को मान्यता नहीं देने का आग्रह किया है। यह बात मीडिया रिपोर्ट में कही गई है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप के आरोपों पर चिंता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को एक बयान में कहा, हस्तक्षेप या धोखाधड़ी के दावों की पूरी जांच की जानी चाहिए। बयान में कहा गया है, हम विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय चुनाव पर्यवेक्षकों के साथ उनके आकलन में शामिल हैं।

इन चुनावों में अभिव्यक्ति और शांतिपूर्ण सभा की स्वतंत्रता पर अनुचित प्रतिबंध शामिल हैं। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के अध्यक्ष माइकल मैककॉल, रैंकिंग सदस्य ग्रेगरी मीक्स ने कहा कि पाकिस्तानी लोकतंत्र के समर्थन में अन्य प्रमुख सांसदों के हालिया कड़े बयानों को देखते हुए, हम बाइडेन प्रशासन और कांग्रेस से मतगणना अनियमितताओं और मतपत्र से छेड़छाड़ की चिंताओं पर ध्यान देने का आग्रह करते हैं। शक्तिशाली हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के एक वरिष्ठ सदस्य, कांग्रेसी ब्रैड शेरमन ने कहा, पाकिस्तान में प्रेस संगठनों को वोट सारणीकरण की रिपोर्ट करने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए और परिणामों की घोषणा में कोई अनुचित देरी नहीं होनी चाहिए। द न्यूज ने बताया, इसके साथ ही कांग्रेस सदस्य रशीदा तलीब ने कहा, हमें पाकिस्तानी लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए क्योंकि उनका लोकतंत्र गंभीर खतरे में है। उन्हें बिना किसी हस्तक्षेप और प्रक्रिया में छेड़छाड़ के अपने नेताओं का चुनाव करने में सक्षम होना चाहिए और अमेरिका को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे कर डॉलर किसी को भी नुकसान न पहुंचे। कांग्रेस महिला दीना टाइटस ने कहा कि वह जमीनी स्तर पर स्थिति पर करीब से नजर रख रही हैं और अधिकारियों से कानून के शासन का पालन करने का आग्रह कर रही हैं।

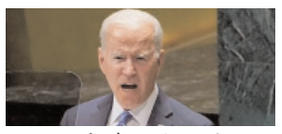

अपना कारोबार दुबई शिफ्ट कर रहे कारोबारी

कराची। पिछले 20 महीनों के दौरान, पाकिस्तानी व्यवसायी और अमीर न केवल दुबई की रियल एस्टेट में भारी निवेश कर रहे हैं, बल्कि वहां निर्यात-आयात केंद्र स्थापित कर रहे हैं। मीडिया ने यह जानकारी दी। दुबई में कारोबार करने वाले कराची स्थित निवेशक अनवर ख्वाजा ने कहा, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि पाकिस्तानी दुबई की अचल संपत्ति में निवेश कर रहे हैं, महत्वपूर्ण बात यह है कि पाकिस्तानियों द्वारा व्यापार और व्यापारिक केंद्रों की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान में कई बड़े बिजनेस टाइकून ने अपना कारोबार आंशिक रूप से या पूरी तरह से दुबई में स्थानांतरित कर दिया है, इससे जहां देश की आय प्रभावित हो रही है, वहीं नौकरियां भी कम हो रही हैं।

दुनिया को जानें

नासा अभियान-71 के अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में करेंगे महत्वपूर्ण शोध

वाशिंगटन, 11 फरवरी (एजेंसियां)। नासा के अभियान 71 अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर न्यूरोलॉजिकल ऑर्गेनोइड्स, पौधों की वृद्धि और शरीर के तरल पदार्थों में बदलाव का अध्ययन करेंगे। नासा के अंतरिक्ष यात्री मैथ्यू डोमिनिक, माइकल बैरेट, जेनेट एप्स और ट्रेसी सी. डायसन इस महीने और मार्च में अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने के लिए तैयार हैं। ह्यूमन ब्रेन ऑर्गेनॉइड मॉडल्स फॉर न्यूरोडीजेनेरेटिव डिजीज एंड ड्रग डिस्कवरी (एचबीओएनडी) न्यूरो-सूजन के पीछे के तंत्र का अध्ययन करता है, जो न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों की एक सामान्य विशेषता है। शोधकर्ताओं ने पार्किंसंस रोग और प्राथमिक प्रगतिशील मल्टीपल स्केलेरोसिस वाले रोगियों से रोगी-व्युत्पन्न आईपीएससी (प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल) का उपयोग करके ऑर्गेनोइड बनाया है। परिणाम निदान में सुधार करने, उम्र बढ़ने के प्रभावों के बारे में जानकारी प्रदान करने, दवा की खोज में तेजी लाने और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों से पीड़ित रोगियों के लिए चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान करने में मदद कर सकते हैं।

प्रादेशिकी

पिंजरे में कैद हुआ गुलदार

श्रीनगर। देर रात वन विभाग की कड़ी मैहनत के बाद श्रीनगर में एक गुलदार पिंजरे में फंस गया है। जिसके बस स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। गुलदार के पिंजरे में कैद होने के बाद उसे ट्रेंकुलाइज कर अब नागदेव रेंज ले जाया गया। जहां डॉक्टरों की टीम गुलदार का परीक्षण करेगी। बीती 3 फरवरी की शाम को खिर्सू के ग्वाड़ गांव में 11 साल के अंकित को गुलदार ने मार डाला था। इस घटना के 12 घंटे बाद यानी 4 फरवरी की देर शाम श्रीनगर के हाइडिल कॉलोनी में भी 4 साल के अयान को गुलदार ने अपना निवाला बना लिया। फिलहाल, वन विभाग ने दोनों परिवारों को मुआवजे के तौर पर 6-6 लाख की राशि दे दी है। वहीं, गुलदारों को पकड़ने के लिए वन महकमा पसीना बहा रहा है। इसी कड़ी में देर रात करीब 10 बजे हाइडिल कॉलोनी में एक गुलदार पिंजरे में कैद हुआ है।

हल्द्वानी हिंसा: उपद्रवियों के फरार होने की आशंका, सीमा पर पुलिस: प्रशासन अलर्ट

हल्द्वानी, 11 फरवरी (देशबन्धु)। हल्द्वानी में हिंसा प्रभावित क्षेत्र बनभूलपुरा में अभी भी कर्फ्यू जारी है, लेकिन हल्द्वानी में सड़कों पर आवाजाही शुरू हो गई है। बस, टैक्सी और निजी वाहनों का संचालन शुरू हो गया है। यहां के हालत सामान्य बताए जा रहे है। फिर भी ऐसे में आशंका ऐसी आशंका बनी हुई है कि अज्ञात और नामजद उपद्रवी शहर छोड़कर अन्य स्थानों पर भाग सकते हैं। उपद्रवी कहीं भाग न सके, इसे लेकर पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड पर है। इसके लिए पुलिस चप्पे-चप्पे पर संघन अभियान चला रही है। उपद्रवी हल्द्वानी क्षेत्र से उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में फरार हो सकते हैं, जिसको देखते हुए पुलिस ने बॉर्डर पर सघन अभियान शुरू कर दिया है। हल्द्वानी से दूसरे शहर को जाने वाले सभी वाहनों की पुलिस-प्रशासन बॉर्डर पर लोगों की आईडी चेक किया जा रहा है। साथ ही उनकी फोटो खींच कर पुलिस अधिकारियों को भेजा जा रहा है। बताया जा रहा है कि यातायात शुरू होने के बाद उपद्रवी हल्द्वानी से फरार हो सकते हैं, जिसको देखते हुए अलर्ट जारी किया गया है। हल्द्वानी और बनभूलपुरा थाना में बवाल करने वाले 5 हजार से अधिक अज्ञात लोगों के साथ-साथ 19 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा हल्द्वानी और बनभूलपुरा थाने में दर्ज किया गया है। उपद्रव भड़काने वाले मुख्य पांच आरोपी को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जबकि पुलिस कई उपद्रवियों को

हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

हल्द्वानी हिंसा की जड़ अब्दुल मलिक पुलिस की गिरफ्त में

हल्द्वानी। बनभूलपुरा में एक बगीचे से अतिक्रमण हटाने के मामले में हुए बवाल के मास्टरमाइंड बताए जा रहे अब्दुल मलिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि अभी पुलिस ने इस मामले की कोई औपचारिक पुष्टि नही की जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली और उत्तराखंड पुलिस की संयुक्त टीम ने मलिक को दिल्ली में गिरफ्तार किया है। हालांकि अभी पुलिस अधिकारी इस मामले में कुछ भी कहने से बच रहे हैं। पुलिस अभी तक धरपकड़ करते हुए 60 से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले चुकी है। सर्च ऑपरेशन चलाकर दो निर्वतमान पार्षद समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, बताया जा रहा है कि अब्दुल मलिक को भी रविवार को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है।

हल्द्वानी: बंद इंटरनेट सुविधा बहाल

रविवार को हिंसा की घटना के बाद से बंद इंटरनेट सुविधा बहाल कर दी गई । उत्तराखंड पुलिस ने अपने एक्स पेज पर पोस्ट करते हुए लिखा यदि कोई भी व्यक्ति सांप्रदायिक सौहार्द एवं कानून व्यवस्था को प्रभावित करने संबंधी सूचना सोशल मीडिया में प्रसारित करेगा उसके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

हल्द्वानी घटना की हो निष्पक्ष न्यायिक जांच: जमीअत

देहरादून। जमीअत उलेमा-ए-हिन्द उत्तराखण्ड की और से उत्तराखण्ड के महामहिम राज्यपाल, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग व उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक आयोग को पत्र लिख नैनीताल जनपद के हल्द्वानी में हुई घटना की निष्पक्ष न्यायिक जांच कराने की मांग की गई है। रविवार को जमीअत उलेमा-ए-हिन्द उत्तराखण्ड के प्रदेश महासचिव मौलाना शराफत अहमद कासमी ने महामहिम राज्यपाल राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) को 10 सूत्रीय मांग पत्र लिख कर कहा कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष न्यायिक जांच होनी चाहिए।

- राज्यपाल को लिखा 10 सूत्रीय मांग पत्र
- शासन-प्रशासन में विश्वास बहाली को संवाद के लिये अमन कमेटी गठन की जाए: मौलना शराफत
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग व उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक आयोग से भी लगाई गुहार

मौलाना शराफत ने कहा कि हल्द्वानी शहर के बनभूलपुरा क्षेत्र में 8 फरवरी 2024 को अतिक्रमण हटाने को लेकर हुई घटना में 6 लोगों की मौत हो चुकी है और 300 से अधिक घायल हैं, हम उक्त घटना की कड़े शब्दों में निन्दा करते है, और अफसोस का इजहार करते हैं। इस प्रकार की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं, उत्तराखंड के इतिहास में इस तरह की हिंसा की घटना पहली बार हुई है। किसी भी सूरत में कानून अपने हाथ में लिए जाने और सरकारी व निजी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने का जमीअत विरोध करती है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था स्थापित कराने और उक्त प्रकरण की निष्पक्ष न्यायिक जांच कराने की मांग करते हुए निम्न बिन्दुओं पर आप का ध्यान आक्रषित कराना चाहते है। हल्द्वानी शहर के 132 बागों को 40-40 बिघा के पट्टों में विभाजित करते हुए 90 साल की लीज दी गई थी, हल्द्वानी के थाना बनभूलपुरा क्षेत्र के अन्तर्गत मलिक का बगीचा भी इसी में शामिल है, जहा बड़ी संख्या में आबादी हो चुकी है। लीज समाप्त हो चुकी हैं, नगर निगम प्रशासन की और से पूरी बस्ती को छोड़कर मलिक के बगीचे में स्थित मस्जिद और मदरसे को ही हटाने की जिद रखी गई, जो जांच का विषय है। हल्द्वानी के थाना बनभूलपुरा क्षेत्र के अन्तर्गत मलिक के बगीचे में स्थित मस्जिद और मदरसे को दिनांक 8 फरवरी 2024 को नगर निगम द्वारा बुलडोजर से धवस्त कर दिया गया। जबकि उक्त मामले में उच्च न्यायालय में 14 फरवरी 2024 को सुनवाई होनी तय थी। यह स्थान मुस्लिम बहुल क्षेत्र में स्थित है और 1937 से मुस्लिम पक्ष द्वारा लीज पर लिया हुआ था। उसके बावजूद जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा उतावला पन दिखाया गया। जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा कार्रवाई से पहले स्थानीय गणमानीय लोगों को विष्वास में नही लिया गया, ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर स्थानीय समुदाय की भावनाओं पर विचार करना महत्वपूर्ण है। भारत जैसे विविध और बहुलवादी समाज में धार्मिक स्थलों का विध्वंस हमेशा गहरी संवेदनशीलता का विषय रहा है। उचित होता कि स्थानीय लोगों को विष्वास में लिया होता तो उक्त घटना न होती।

नगर निगम के नगर आयुक्त पंकज कुमार उपाध्याय और सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह का 30 जनवरी 2024 को तबादला हो गया था।

सार संक्षेप

एमबीबीएस द्वितीय के छात्र ने भवन के दूसरी मंजिल से छलांग लगाई मौके पर ही मौत

शिमला। बिलासपुर के कोठीपुरा स्थित एम्स में डॉक्टर की पढ़ाई कर रहे एक छात्र ने छलांग लगाकर आत्महत्या कर दी है। जानकारी के मुताबिक छात्र एमबीबीएस द्वितीय की पढ़ाई कर रहा था। छात्र ने भवन के दूसरी मंजिल से छलांग लगाई जिससे छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। छात्र इंदौर मध्य प्रदेश का रहने वाला था। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और आगामी कार्रवाई जारी है।

मुठभेड़ में दस हजार के इनामी बदमाश के पैर में लगी गोली, गिरफ्तार

देहरादून। रानीपोखरी थाना क्षेत्र अंतर्गत भोगपुर रोड पर चेकिंग के दौरान बदमाश पुलिस देखकर भागने लगा। जिसके बाद शक होने पर पुलिस ने संदिग्ध बदमाश का पीछा किया गया, इस दौरान बदमाश ने जंगल में पुलिस पर फायर झोंक दिया। वहीं पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी है और वह घायल हो गया। पुलिस ने बदमाश को इलाज के लिए जॉली ग्रांट हॉस्पिटल भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद एसएसपी ने घटनास्थल पहुंचकर मामले की जानकारी ली। रानीपोखरी थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार आरोपी का नाम मुस्तकीम है। जो चांदखेड़ी थाना, दिलारी तहसील ठाकुरद्वारा जिला मुरादाबाद (यूपी) का रहने वाला है। जिस पर 10 हजार रुपए का इनाम रखा गया था। आरोपी साल 2021 में पटेल नगर थाना क्षेत्र से बच्ची के अपहरण कर दो लाख की फिरौती मांगने मामले में वांछित है। पुलिस ने आरोपी के पास से 315 बोर का देसी तमंचा व बिना नंबर की बाइक बरामद किया है।

ट्रक खाई में गिरने से तीन की मौत

पिथौरागढ़। सीमांत जनपद में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे है। बीते देर रात एक केंटर वाहन गहरी खाई में गिर गया। हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस ने घटना की जांच तेज कर दी है। बताया जा रहा है कि हादसा पिथौरागढ़ जनपद के गंगोलीहाट-बेरीनाग मोटर मार्ग पर हुआ है। जहां एक केंटर वाहन सामान लेकर आ रहा था, तभी केंटर वाहन अनियंत्रित होकर 200 मीटर गहरी खाई में गिर गया। घटना की सूचना के बाद बेरीनाग व 112 पेट्रोलिंग पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू कार्य शुरू किया। टीम ने खाई तीन शव बरामद कर लिए हैं। घटना में केंटर वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है। मृतकों में रमेश पालीवाल (26) पुत्र ईश्वरीय दत्त पालीवाल भनोली अल्मोड़ा और दीपक कुमार (28) पुत्र कुवर राम निवासी पल्यूड़ा सोमेश्वर अल्मोड़ा और अजय कुमार (26) पुत्र लक्ष्मण राम, निवासी गंगोलीहाट की मौके पर ही मौत हो गई।

सुडोकू 6464 का हल

9	1	5	3	4	7	8	6	2
2	8	3	9	5	6	4	7	1
7	4	6	1	2	8	5	3	9
8	3	2	4	9	1	6	5	7
4	9	7	2	6	5	1	8	3
5	6	1	7	8	3	2	9	4
6	2	9	5	7	4	3	1	8
3	5	4	8	1	9	7	2	6
1	7	8	6	3	2	9	4	5

कल्किधाम मंदिर के शिलान्यास में उत्तराखण्ड से जाएंगे सभी अखाड़ों के संत

- 19 को पीएम मोदी की उपस्थिति में होगा भव्य मंदिर का शिलान्यास
- आचार्य प्रमोद कृष्णम के अथक प्रयास ने बन रहा कल्किधाम मंदिर

देहरादून, 11 फरवरी (देशबन्धु)। आगामी 19 फरवरी को उत्तर प्रदेश के सम्भल जनपद के एचैडा कम्बोह में श्री कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम के अथक प्रयास से श्री भगवान कल्किधाम के विराट मंदिर के लिए शिलान्यास व भूमि पूजन होने जा रहा है।

श्री भगवान कल्किधाम का भूमि पूजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योग आदित्य नाथ, श्री आनंद धाम पीठाधीश्वर सदगुरू ऋतेश्वर महाराज, उत्तराखण्ड के सभी अखाड़ों के संतों सहित देश भर के संतों की उपस्थिति में किया जाएगा।

अयोध्या में भगवान के भव्य मंदिर की प्रणा प्रतिष्ठा हो चुकी है। देश और दुनिया से राम भक्त दर्शन के लिए अयोध्या में आ रहे हैं लोगों में उत्साह व उमंग है। इसी क्रम में कलयुग के चरमोत्कर्ष काल में भगवान विष्णु के दशम अवतार भगवान कल्कि के रूप के अवतरित होने के प्रमाण पुराणें में वर्णित है। श्री भगवान कल्किधाम के विराट दिव्य मंदिर का शिलान्यास व भूमि पूजन आचार्य प्रमोद कृष्णम श्री कल्किधाम पीठाधीश्वर के अथक प्रयास से उत्तर प्रदेश के सम्भल जनपद के एचैडा कम्बोह होने जा रहा है। आचार्य प्रमोद कृष्णम श्री कल्किधाम पीठाधीश्वर ने व्यक्तिगत तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को व्यक्तिगत तौर पर मिलकर श्री भगवान कल्कि के भव्यधाम के विराट मंदिर के शिलान्यास व भूमि पूजन के लिए न्यौता दिया है जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह स्वीकार लिया है। आगामी 19 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योग आदित्य नाथ, श्री आनंद धाम पीठाधीश्वर सदगुरू ऋतेश्वर महाराज सहित हरिद्वार के संतों सहित देश भर के संतों की उपस्थिति में श्री भगवान कल्किधाम के विराट मंदिर का शिलान्यास व भूमि पूजन किया जाएगा। श्री कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने देश भर से भक्तों को इस मौके पर उपस्थिति होने का आह्वान किया है। श्री कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने श्री भगवान कल्किधाम के विराट मंदिर के लिए शिलान्यास व भूमि पूजन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योग आदित्य नाथ को बुलाया है इससे क्षुब्ध होकर कांग्रेस ने आचार्य को पार्टी से 6 साल के निष्कासित कर दिया है।

मूल निवास और भू-कानून को लेकर टिहरी में निकाली स्वाभिमान रैली

टिहरी, 11 फरवरी (देशबन्धु)। रविवार को मूल निवास और भूकानून लागू करने की मांग को लेकर नई टिहरी में स्वाभिमान रैली का आयोजन किया

गया। रैली में विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग पहुंचे। प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी सहित कई राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी रैली में शिरकत की। रैली सुमन पार्क से कृष्णा चैक होते हुए बौराड़ी तक निकाली गयी। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग जुटे रहे। इस मौके पर मूल निवास-भूकानून समन्वय समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि राज्य निर्माण के 23 साल बाद भी सरकारों ने जनता के साथ कुठारा कहा कि मूल निवास और सशक्त भू-कानून राज्य के अस्तित्व को बचाने के लिए महत्वपूर्ण है। राज्य के युवाओं के सुरक्षित भविष्य और जमीन की खरीद फरोख्त रोकने के लिए दोनों महत्वपूर्ण मुद्दों के लिए आमजन को भी आगे आना चाहिए। घात किया है। अब राज्य की जनता को इस लड़ाई को लड़ने क लिए फिर से सड़कों पर आने की जरूरत है।

श्वेत पत्र ने खोली कांग्रेस के काले कारनामों की पोल: अनुराग ठाकुर

धर्मशाला, 11 फरवरी (देशबन्धु)। मोदी सरकार द्वारा संसद में पेश किए गए श्वेत पत्र पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि श्वेत पत्र ने पूरी तरह से कांग्रेस की पोल खोल दी है। इससे पता चलता है कि कैसे कांग्रेस की प्राथमिकता हमेशा परिवार और भ्रष्टाचार रहा है। ठाकुर ने अपने हिमाचल प्रवास पर धर्मशाला एयरपोर्ट पर पत्रकारों से विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। इस दौरान श्री अनुराग ठाकुर ने सर्वप्रथम झंडुता विधानसभा के ग्राम पंचायत बालघाड़ के ठप्पर और ग्राम पंचायत बल्ह सीणा के बल्ह सीणा ग्राम में स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके पश्चात अनुराग ठाकुर घुमारवीं विधानसभा पहुंचे जहां ग्राम पंचायत अमरपुर के अमरपुर गांव में उन्होंने गांव चलो अभियान में शिरकत की। उन्होंने

कहा कि श्वेत पत्र ने पूरी तरह से साफ किया है कि कैसे कांग्रेस काल में देश की आर्थिक नीतियों को नुकसान पहुंचा। देश के बैंक घाटे में थे, 12 में से 11 बैंक पीसीए फ्रेमवर्क में थे। लोग पैसा लेकर भाग रहे थे और सरकार चुप बैठी थी।

ठाकुर ने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार ने 10 वर्षों में देश को एक साफ सुथरी और ईमानदार सरकार दी है। स्पष्ट नीतियों के कारण आज सारे बैंक प्रॉफिट में हैं। देश अब लड़खड़ाती चरमराती अर्थव्यवस्था से विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

भरी सर्दियों में धधक रहे अल्मोड़ा के जंगल अग्निशमन दस्ता लगातार बुझा रहा आग

अल्मोड़ा, 11 फरवरी (देशबन्धु)। जिले में जहां कड़ाके की ठंड से लोग ठिठुर रहे हैं, वहीं अल्मोड़ा में जंगल आग से धधक रहे हैं। जिससे वन संपदा को खासा नुकसान पहुंच रहा है। वहीं जंगली जानवर जंगल से बसासत की ओर रुख कर रहे हैं, जो लोगों की परेशानी का

सबब बने हुए हैं। बीते दिन स्यालीधार के पास चीड़ के जंगल में आग लग गई। जिसकी सूचना लोगों ने फायर सर्विस को दी, जिसके बाद आग पर काफी मशक्कत के बाद काबू पाया गया। वहीं वन विभाग आग लगने की खबर से बेखबर रहा। अल्मोड़ा कोसी मार्ग पर स्यालीधार के पास सड़क के ऊपर जंगल में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। इसी दौरान मुख्यमंत्री की वीआईपी ड्यूटी से फायर सर्विस की टीम पानी से भरा वाहन लेकर लौट रही थी। जंगल में आग की सूचना पाते ही फायर सर्विस के कर्मचारियों ने तुरंत आग बुझाने का कार्य शुरू किया और आग पर काबू पाया। वहीं वन विभाग जंगल की आग से बेखबर रहा।

लीडिंग फायरमैन मुकेश चतुर्वेदी ने कहा कि पांडेखोला से नीचे स्यालीधार के जंगल में आग लगने की सूचना मिली थी। मुख्यमंत्री की वीआईपी ड्यूटी कर जब वापस लौट रहे थे तो जंगल में आग लगी हुई थी। तुरंत उसे बुझाने का कार्य कर आग पर काबू पाया। उन्होंने कहा कि लोग घास के लिए जंगल में आग लगा देते हैं। जिससे जंगल की प्राकृतिक संपदा को नुकसान पहुंचता है, पहाड़ों में यह एक बड़ी समस्या है।

13 से 24 फरवरी तक राफ्टिंग व्यवसायियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

टिहरी, 11 फरवरी (देशबन्धु)। गंगा नदी राफ्टिंग प्रबंधन समिति टिहरी गढ़वाल के बैनर तले पर्यटन विभाग धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर के द्वारा आगामी 13 से 24 फरवरी तक तपोवन ऋषिकेश में 'राफ्टिंग व्यवसायियों के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला' आयोजित किए जाने की आवश्यक तैयारी कर ली गई है। इस आशय की जानकारी जिला साहसिक पर्यटन अधिकारी टिहरी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ संजय महर ने प्रेस से बातचीत में संयुक्त रूप से साझा की है।खुशाल सिंह नेगी जिला साहसिक पर्यटन अधिकारी टिहरी एवं डॉ महर ने बताया कि उत्तराखंड में जल पर्यटन और राफ्टिंग के क्षेत्र में रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। ऋषिकेश क्षेत्र विश्व पटल पर 'राफ्टिंग हब' के रूप में उभर रहा है इस तथ्य को

मद्देनजर रखते हुए हमारा दृष्टिकोण है कि हमारी राफ्ट, इसके प्रबंधक, संचालक, तकनीकी ज्ञान, कौशल, पर्यटन संवाद में विश्व स्तरीय मापदंडों के अनुसार अपने को तैयार करें। इससे जहां पर्यटन व्यवसाय से राज्य की आर्थिकी बढ़ेगी वही रोजगार एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में आशातीत वृद्धि होगी। प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्देश्य भी यही है। प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए डॉ महर ने बताया कि 13 फरवरी उद्घाटन सत्र के अवसर पर प्रोफेसर एस सी बागड़ी पूर्व कुलपति हिमगिरी जी विश्वविद्यालय देहरादून, विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता, प्रशिक्षण संरक्षक के रूप में प्रोफेसर आर के उभान प्राचार्य धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर, समन्वयक के रूप में जिला पर्यटन अधिकारी टिहरी एवं जिला साहसिक पर्यटन अधिकारी टिहरी तथा सह- समन्वयक के रूप में डॉ विजय प्रकाश भट्ट पर्यटन विभाग राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। 12 दिवसीय इस कौशल विकास कार्यशाला में प्रदेश एवं देश के लगभग 900 प्रतिभागियों के प्रशिक्षण लेने की संभावना है जो की राफ्टिंग प्रशिक्षण के क्षेत्र में उत्तराखंड राज्य की पहली बड़ी इवेंट है। डॉक्टर मैहर ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को राष्ट्रीय एवं विश्व स्तरीय विशेषज्ञों की सहायता से पर्यटन एवं राफ्टिंग व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा जिसमें प्रबंधन, नियोजन, निवेश, पर्यावरण, संस्कृति एवं इतिहास, साहसिक पर्यटन में सुरक्षा एवं बचाव, संचार कौशल, पब्लिक स्पीकिंग,नेतृत्व क्षमता एवं तकनीकी ज्ञान आदि पहलुओं पर विस्तार से प्रशिक्षित किया जाएगा। अभी सभी स्टेकहोल्डर्स को 13 फरवरी का बेसब्री से इंतजार है।

अनाथ व निराश्रित बच्चों का भविष्य संवार रही 'मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना'

सुख-आश्रय ग्राम परिसर में उपलब्ध होंगी विश्व स्तरीय सुविधाएं: मुख्यमंत्री

शिमला, 11 फरवरी (देशबन्धु)। परिवार तथा माता-पिता हमें सुखदायी एवं सुरक्षित माहौल प्रदान करते हैं। बच्चे की परवरिश तथा शिक्षा से लेकर उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने में उनका उल्लेखनीय योगदान रहता है। प्रदेश में अनाथ बच्चों का भविष्य संवारने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना शुरू की गई है, जिसके अंतर्गत अब तक 4 हजार बच्चों को 'चिल्ड्रन आफ द स्टेट' के रूप में अपनाया गया है। माता एवं पिता के रूप में उनकी देखभाल की सम्पूर्ण जिम्मेदारी निभाने का दायित्व सरकार ने सम्भाला है।

अनाथ एवं निराश्रित बच्चों को अपनत्व, सुरक्षा एवं संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हाल ही में जिला कांगड़ा के ज्वालामुखी के लुथान में सुख-आश्रय ग्राम परिसर का शिलान्यास किया है। इस एकीकृत परिसर में विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ लगभग 400 निराश्रितों के रहने की क्षमता होगी। परिसर में ई-लाईब्रेरी, अस्पताल, वैलनेस सेंटर, प्रार्थना कक्ष, मंदिर, कॉमन रूम, बहुउद्देशीय डिपार्टमेंटल

स्टोर, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र व पार्क आदि सुविधाएं होंगी। इसके अलावा टेबल टेनिस, बैडमिंटन, योग, स्वीमिंग पूल, प्ले स्टेशन, जिम सहित अन्य इंडोर व आउटडोर खेलों से सम्बंधित स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। परिसर में बच्चों, महिलाओं व वृद्धजनों के लिए अलग-अलग आश्रय स्थल निर्मित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कार्यभार सम्भालने के उपरांत अपने पहले ही निर्णय में अनाथ बच्चों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। इसे मूर्तरूप प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री सुख-आश्रय कोष गठित कर लोगों से उदारतापूर्वक दान की अपील की गई और अपेक्षित सहयोग भी प्राप्त हो रहा है। अनाथ बच्चों के खुशहाल जीवन के लिए 4 हजार रुपये प्रतिमाह जेब खर्च, वार्षिक भ्रमण के दौरान 3 सितारा होटल में ठहरने की सुविधा, शिक्षा के लिए आवश्यक निधि, उत्सव भत्ता तथा अन्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना के कार्यान्वयन के फलस्वरूप हिमाचल को अनाथ बच्चों के लिए कानून के तहत योजना बनाने वाला देश का पहला राज्य होने का गौरव प्राप्त हुआ है। राज्य सरकार निराश्रितों के लिए प्रदेश भर में कई बाल संरक्षण संस्थानों का संचालन भी कर रही है। मुख्यमंत्री का कहना है कि बाल संरक्षण संस्थानों के उचित संचालन से प्रदेश सरकार सभी निराश्रित बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए आदर्श माहौल प्रदान कर उनकी शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, सामाजिक एवं भावनात्मक आवश्यकताओं को पूरा कर रही है। इन बाल संरक्षण संस्थानों में टच-टेक्नोलॉजी से लैस स्मार्ट बोर्ड, इंडोर व आउटडोर खेल सुविधाएं, संगीत कक्ष, मनोरंजन कक्ष, चिकित्सा कक्ष व अन्य विश्व स्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आश्रय स्थलों में पारिवारिक माहौल, प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल व पोषक आहार प्रदान करना है। राज्य सरकार सुनिश्चित कर रही है कि इन बच्चों को श्रेष्ठ विद्यालयों, व्यावसायिक संस्थानों, तकनीकी तथा प्रोफेशनल महाविद्यालयों में शिक्षित किया जाए तथा इस दौरान वे अपने शौक पूरे कर अपना भरपूर बचपन जी सकें।

धन्यवाद सीएम साहब, 30 साल में दूध खरीद रेट 18 रुपए बढ़ा, आपने एक साल में 6 रुपए बढ़ाया

दूध उत्पादकों ने दूध खरीद रेट को एकमुश्त छः रुपए बढ़ाने पर मुख्यमंत्री का जताया आभार

शिमला, 11 फरवरी (देशबन्धु)। हिमाचल प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों के साथ संवाद के दौरान विभिन्न दुग्ध सहकारी सभाओं के प्रतिनिधियों ने दूध के खरीद मूल्य एकमुश्त छः रुपए बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त किया।

जिला कांगड़ा के पालमपुर क्षेत्र के अनिल कुमार ने कहा कि वह वर्ष 1995 से दुग्ध सोसायटी का संचालन कर रहे हैं और 30 वर्ष में दूध खरीद मूल्य केवल 18 रुपये बढ़ा, जबकि मुख्यमंत्री ने एक वर्ष में 6 रुपये बढ़ाकर प्रदेश के हजारों किसानों को लाभ पहुंचाया है। उन्होंने भेड़ और बकरी की मृत्यु पर मिलने वाले मुआवजे को बढ़ाकर 6 हजार रुपये करने तथा गाय-भैंस की मृत्यु पर मिलने वाले मुआवजे को बढ़ाकर 55 हजार करने पर भी मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

वहीं जिला कांगड़ा के नगरोटा बगवां के विकास सरीन ने कहा कि वह गुड़गांव के एसी ऑफिस में बैठ कर काम करते थे और कभी नहीं सोचा था कि दुग्ध सोसायटी बनाकर दूध उत्पादन से जुड़ेंगे। शुरूआत में काफी दिक्कत आई और तीन लीटर दूध एकत्र करने के लिए तीन महीने तक प्रयास किए और एक लाख रुपये खर्च किए, लेकिन दूध खरीद मूल्य में एकमुश्त छः रुपये की बढ़ौतरी से अब 450 किसान उनकी सोसायटी से जुड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दूध की गुणवत्ता काफी अच्छी है तथा इसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

प्रादेशिकी

सोनभद्र में ट्रक के चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत

सोनभद्र, 11 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र जिले के चोपन थाना क्षेत्र में रविवार की शाम सिंदुरिया मार्ग पर ट्रक के चपेट में आने से बाइक सवार दो महिलाओं की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकी एक नवजात शिशु गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कन्हौरा गांव निवासी लल्लू पुत्र रामचंद्र मध्यप्रदेश अपने रिश्तेदारों के यहां गया था। रविवार को वह बाइक पर अपने परिवार की दो महिलाएं रजमतिया पत्नी नरेश व अपने मामी व उनका नवजात शिशु को बैठाकर मध्य प्रदेश से अपने घर मांची थाना क्षेत्र के कन्हौरा गांव जा रहा था। वह लोग जैसे ही चोपन सिंदुरिया मार्ग पर पहुंचे तभी एकाएक तेज रफ्तार ट्रक के चपेट में आ गए जिससे बाइक पर सवार दोनों महिलाओं की मौक पर ही मौत हो गई और नवजात शिशु घायल हो गया।

मंत्रियों-विधायकों संग योगी ने रामलला के किए दर्शन

लखनऊ/अयोध्या, 11 फरवरी (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के आग्रह पर रविवार को समाजवादी पार्टी को छोड़कर सभी दल के विधायक और योगी सरकार के विधायक, मंत्रियों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। इस दौरान सभी बेहद उत्साहित दिखे और भक्ति भाव में डूबे हुए नजर आए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना के साथ मंदिर परिसर में बैठकर प्रभु श्रीराम का गुणगान किया। इस दौरान सुरक्षा की भी चाक चौबंद व्यवस्था की गई। इसकी कमान खुद गृह सचिव संजय प्रसाद और डीजीपी प्रशांत कुमार ने संभाली। इसके साथ ही वीवीआईपी मूमेंट के दौरान आम श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो इसका भी पूरा ध्यान रखा गया।

अयोध्या धाम में रविवार को मंत्रिमंडल के साथ बड़ी संख्या में आम श्रद्धालुओं ने भी रामलला के दर्शन किए। इस दौरान वह अपने बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पाकर काफी गदगद नजर आए और पूरा परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन के लिए यूपी के विधायक और मंत्रियों का काफिला सुबह करीब 9 बजे 10 लग्जरी बसों से

- लोगों ने पुष्पवर्षा के साथ जय श्री राम के उद्घोष से जनप्रतिनिधियों का किया स्वागत
- सहयोगी दलों के साथ आरएलडी, बसपा और कांग्रेस के भी विधायक पहुंचे अयोध्या धाम

लखनऊ से रवाना हो गया। रास्ते में बाराबंकी में सभी जनप्रतिनिधियों के नाश्ते की व्यवस्था की गई थी, जहां पर नाश्ता करने के बाद जय श्रीराम के उद्घोष के साथ सभी आगे के लिए रवाना हो गए। विधायकों और मंत्रियों का काफिला करीब 11.30 बजे अयोध्या पहुंचा जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अयोध्या धाम पहुंचे। वहीं विधायक और मंत्रियों का समूह जैसे ही श्रीरामजन्म भूमि पहुंचा, वहां पर पहले से मौजूद स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा और जय श्री राम के नारों के साथ उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान उत्साहित जनता ने बुलडोजर पर सवार होकर पुष्पवर्षा की। वहीं बसों पर सवार विधायक, मंत्री हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते रहे। जय श्री राम के नारों से पूरा वातावरण राममय हो गया। लंबी कतार में खड़ी महिलाओं ने भी पुष्प वर्षा कर यूपी के विधायकों का स्वागत किया। इस दौरान लोक कला के कलाकारों द्वारा अलग अलग विधा से लोक नृत्य के जरिये सभी जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन किया गया। इतना ही नहीं स्कूल के बच्चे भी जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते नजर आए। विधायकों और मंत्रियों को गेट नंबर 11 से प्रवेश दिया गया। इसके बाद सभी विधायक और मंत्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अगुवाई में रामलला के दर्शन करने पहुंचे। दर्शन के बाद सभी विधायकों और मंत्रियों को प्रसाद भी दिया गया। वहीं सभी ने परिसर मंदिर में भोजन भी किया। दर्शन करने के बाद यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश

महाकुंभ के आयोजन के लिए बड़े फैसले ले रही सरकार

लखनऊ/प्रयागराज। योगी सरकार प्रयागराज में अगले साल होने वाले महाकुंभ की ग्लोबल ब्रांडिंग करने और उसे समावेशी रूप देने के लिए बड़े फैसले ले रही है। सरकार महाकुंभ से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ गैर-सरकारी एजेंसियों का भी सहयोगी लेगी। इसके लिए सोशल मीडिया कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। महाकुम्भ के आयोजन में अभी तक सरकारी एजेंसियों के विचार ही समाहित होते थे लेकिन अब योगी सरकार इससे एक कदम आगे जाकर गैर सरकारी एजेंसियों को भी इसमें शामिल करना चाहती है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि पर्यटन विभाग अधिक से अधिक लोगों को महाकुम्भ से जोड़ना चाहता है। उनका यह भी कहना है कि हर किसी के पास एक बहुत बेहतर आइडिया होता है और हो सकता है कि वह अब तक सरकार तक न पहुंच पाया हो। ऐसे लोगों के महाकुम्भ से जुड़े आइडिया को सरकार के साथ साझा करने के लिए पर्यटन विभाग एक प्रतियोगिता का आयोजन करेगा जिसमें लोगों के कुंभ के आयोजन से जुड़े आईडिया मांगे जायेंगे। इस प्रतियोगिता में सबसे अलग आइडिया देने वाले लोगों को पर्यटन विभाग प्रोत्साहित करेगा। उनका यह आइडिया महाकुम्भ के आयोजन का अंग भी बनेगा।

खाते से रुपए हड़पने वाले बैंक प्रबंधक पर केस दर्ज

फर्रुखाबाद, 11 फरवरी (देशबन्धु)। कोतवाली मोहम्मदाबाद पुलिस ने खाते से रुपए हड़पने वाले आर्यावर्त ग्रामीण बैंक ताजपुर के प्रबंधक जगन्नाथ खन्ना एवं बैंक मित्र ग्राम राठौर नगला नीव निवासी सुनील कुमार के विरुद्ध धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने अदालत के आदेश पर ग्राम राठौर नगला नीव निवासी 70 वर्षी बालेश्वर सिंह की ओर से मुकदमा दर्ज किया है। बालेश्वर सिंह ने अदालत को अवगत कराया कि मै पेशे से कृषक हूं मैने अपना व अपने भाई अजब सिंह व शिवपाल सिंह के नाम से संयुक्त किसान क्रेडिट कार्ड खाता संख्या 044435110001374 आर्यावर्त ग्रामीण बैंक शाखा ताजपुर जनपद फर्रुखाबाद में फसली ऋण लेने हेतु अपनी कृषि भूमि को बन्धक रखकर 17-6 2015 को खुलवाया था। मैंने उक्त किसान क्रेडिट प्रथम बार 1,72,000 रुपए के लिए स्वीकृत हुआ था। उक्त खाते का फसली ऋण के लिए संचालन करता था प 17-06-2015 को 1,30,000 रु व 03-08-2015 को 20,000 रू फसली ऋण उक्त खाते से निकाला था। 23-07-2015 को मैनेजर व बैंक मित्र सुनील कुमार ने मेरे फर्जी हस्ताक्षर बनाकर रूपये निकाल लिये तथा 3060 रूपए ब्याज का दर्शाते हुए खाते में 1,74,060 रू उधार दर्शाया गया। मैने उक्त खाते में ने तो जमा पर्ची पर हस्ताक्षर कर रूपया जमा किया व न ही निकासी पर्ची पर हस्ताक्षर कर रूपये निकाले। परन्तु 12-10-2015 को मेरे खाते में बैंक मैनेजर जगन्नाथ खन्ना व बैंक मित्र सुनील कुमार पुत्र दीनदयाल निवासी रठौरा नगला नींव थाना मोहम्मदाबाद ने आपस में सांठ-गांठ कर फर्जी तरीके से 12-10-2015 में 1,74,100 रू जमा व 1,72,000 रुपयों की निकासी दिखाते हुये खाते में अंकित कर फर्जी बाड़ा कर खाता नवीनीकृत दर्शा दिया।

उक्त फर्जी नवीनीकरण उपरोक्त दोनों लोगों ने कमीशन के फिराक में फर्जीवाड़ा किया तथा कमीशन की धनराशि खाते से निकाल ली। मैने 12-10-2015 को केवल 13,000 रू निकाले थे। मुझ परबकाया ऋण खाते में उक्त लोगों ने 1ए84ए968 रूपया दर्शाया। इसी प्रकार बैंक मैनेजर जगन्नाथ खन्ना व बैंक मित्र सुनील कुमार ने धोखाधड़ी व षडयंत्र करके कमीशन हड़पने के उद्देश्य से फर्जी तरीके से जमा की।

सार संक्षेप

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक लापता

मेरठ। दिल्ली से शनिवार को घर के लिए निकला युवक कंकरखेड़ा स्थित हाईवे से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। युवक का मोबाइल हाईवे किनारे स्थित एक पेड़ के निकट मिलने से परिजन अनहोनी के चलते थाना पहुंचे और गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है। घटना शनिवार शाम की है दिल्ली स्थित मोहल्ला हुसैन खेल बुगरासी निवासी मोईन ने तहरीर देते हुए बताया कि वह मूलरूप से कंकरखेड़ा के लाला मोहम्मदपुर गांव का रहने वाला है। काफी समय से दिल्ली में रह रहा है। उसका 31 वर्षीय भाई सफदर खान प्राइवेट कंपनी में जॉब करता है। उसका भाई दिल्ली से बस में बैठकर गांव लाल मोहम्मदपुर के लिए निकला था। पीड़ित के अनुसार, भाई ने सुबह साढ़े ग्यारह बजे फोन कर बताया कि वह बाईपास में कैलाशी हॉस्पिटल के पास उतर गया है, लेकिन जब देर शाम तक युवक घर नहीं पहुंचा। तो परिवार वालों को चिंता हुई।

छेड़छाड़ को लेकर दो पक्ष भिड़े

मेरठ। ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र स्थित माधवपुरम में शनिवार देर महिला के साथ छेड़छाड़ करने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया। वहीं देर रात आरोपी युवक के घर पर भीड़ ने धावा बोल दिया और जमकर तोड़फोड़ कर दी। माधवपुरम सेक्टर 3 के रहने वाले समीर ने मोहल्ले की एक महिला के साथ छेड़छाड़ कर दी। महिला के विरोध करने पर आरोपी समीर और महिला के बीच हाथापाई हो गई। दोनो पक्षों के लोग आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट और पथराव होने लगा। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह दोनों पक्षों को शांत करने के बाद आरोपी समीर को हिरासत में ले लिया।

माफिया अनुपम दुबे व उसके भाई की संपत्ति कुर्क

फर्रुखाबाद। राज्य स्तरीय माफिया सूची में दर्ज अनुपम दुबे व उनके भाई अनुराग दुबे के दाल मंडी स्थिति मकान को कुर्क कर मोहल्ले की ही एक महिला के सुपुर्द कर दिया गया। इस महिला से बीस साल पहले अनुपम दुबे व उनके भाइयो ने जबरन बैनामा करा लिया था। अनुपम दुबे की छह दुकानों को रविवार को तहसील श्रद्धा पांडे ने भारी पुलिस बल के साथ पहुंच कर कुर्क कर लिया। जिनकी कीमत एक करोड़ 67 लाख रुपये आंकी गई है। अब तक अनुपम दुबे की एक अरब 58 करोड़ की संम्पति कुर्क की जा चुकी है।

भाजपा को देश की सत्ता से दूर करेगी सपा : त्रिपाठी

देवरिया। देवरिया में समाजवादी पार्टी(सपा) के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री पं. ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी ने रविवार को दावा किया कि पीडीए के माध्यम से सपा भारतीय जनता पार्टी को देश की सत्ता से दूर करेगी। त्रिपाठी देवरिया जिले के पथरदेवा में विधानसभा की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के सरकार में गांव गरीब किसान मजदूर छात्र नौजवानों के लिए जन कल्याण की तमाम योजनाएं लागू की गई थी जिसको वर्तमान सरकार ने बंद कर दिया।

एनसीसी कैडेट्स का बी प्रमाण पत्र परीक्षा का आयोजन

मेरठ, 11 फरवरी (देशबन्धु)। शोभित विश्वविद्यालय में एनसीसी ग्रुप मुख्यालय मेरठ के अधीन आने

वाली 70वीं बटालियन एनसीसी मेरठ एवं 22 गर्ल्स बटालियन एनसीसी मेरठ के एनसीसी कैडेट्स का बी प्रमाण पत्र परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें 70 वी वाहिनी एनसीसी मेरठ के 356 बालक एवं बालिकाओं ने एवं 22 कन्या वाहिनी सीसी मेरठ के 273 कैडेट्स ने प्रतिभा किया। सुबह के समय 10:30 बजे से लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। उसके पश्चात दोपहर 2:00 बजे से सभी कैडेटस की प्रयोगात्मक परीक्षा संपन्न कराई गई। प्रयोगात्मक परीक्षा में ड्रिल, हथियारों का खोलना जोड़ना, मानचित्र अध्ययन, कम्युनिकेशन एवं फील्ड क्राफ्ट बैटल क्राफ्ट विषयों की परीक्षा हुई। इस अवसर पर कर्नल पंकज साहनी कमांडिंग ऑफिसर 71 वी वाहिनी एनसीसी मेरठ एवं कर्नल आशीष भटनागर कमान अधिकारी 3 यूपी वाहिनी एनसीसी मेरठ आशीष भटनागर के नेतृत्व में बी प्रमाण पत्र परीक्षा संपन्न कराई गई। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट डॉक्टर कुलदीप कुमार, लेफ्टिनेंट अमित कुमार, लेफ्टिनेंट युसूफ अली, लेफ्टिनेंट राकेश कुमार, सूबेदार नरेंद्र सिंह, सूबेदार एसपी शर्मा, नायब सूबेदार जोगिंदर सिंह, नायब सूबेदार प्रवीण कुमार ठाकुर, हवलदार जितेंद्र हवलदार वीरेंद्र हवलदार देवेंद्र हवलदार ईश्वर सिंह आदि का विशेष योगदान रहा।

मुकदमों से बचने को हिस्ट्रीशीटर ने दिखाई खुद की मौत, गिरफ्तार

मेरठ, 11 फरवरी (देशबन्धु)। चार महीने पहले हुई मंदबुद्धि युवक की हत्या का पुलिस ने रविवार को खुलासा कर दिया। हिस्ट्रीशीटर ने मुकदमों की तारीख, पुलिस से बचने के लिए मारा था। पहले उसका घर से 201 किमी दूर से किडनैप किया। इसके बाद चाकू गोदकर मार डाला। फिर चेहरा बिगाड़ दिया। उसकी लोवर में अपना आईडी कार्ड डाल दिया।

हिस्ट्रीशीटर की पत्नी मृतक युवक की पहचान बार-बार अपने पति के रूप में कर रही थी, इससे पुलिस को शक हुआ। नंबर को सर्विलांस पर लगाया। इसके बाद पूरा मामला ओपन हो गया। हिस्ट्रीशीटर और साथी को गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी रोहित सिंह साजवान ने बताया कि खरखौदा थाना क्षेत्र के गांव उलधन में एक अज्ञात शव मिला था। लोवर की जेब से मिले कुछ

- मंदबुद्धि को किडनैप किया, हत्या कर चेहरा बिगाड़ा
- लोवर की जेब मे डाला दिया था आईडी कार्ड
- पत्नी पर शक होने पर पूछताछ में खुलासा

कागजातों के आधार पर जानकारी मिली कि मृतक हापुड़ के हाफिजपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला हिस्ट्रीशीटर दिलशाद है। पुलिस को दिलशाद की पत्नी पर शक हुआ। हिस्ट्रीशीटर के नंबर को सर्विलांस पर लेकर पल-पल की जानकारी लेनी शुरू कर दी। तीन महीने से पुलिस हिस्ट्रीशीटर को वॉच कर रही थी। बार-बार नंबर चेंज करने से पुलिस भ्रमित होने लगी। दिलशाद ने मुसाहिद पुत्र इरसाद व रिहान पुत्र इस्लाम निवासीगण तोडी थाना भोजपुर जिला गाजियाबाद के साथ मिलकर प्लानिंग बनाई। किसी व्यक्ति को मारकर उसका चेहरा बिगाड़ कर डाल दिया जाएगा। उसकी पहचान दिलशाद के रूप में करा दी जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पहाड़े की मौत

मवाना, 11 फरवरी (देशबन्धु)। मेरठ पौडी मार्ग स्थित मध्य गंगा नहर पुल के समीप पहाड़े की किसी अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम मृतक पहाड़ा को अपने साथ ले गई तथा सेंचुरी क्षेत्र में ले जाकर उसे दफना दिया। बताते चलें कि रविवार दोपहर जगंल से निकलकर एक पहाड़ा मेरठ पौडी मार्ग पर आ पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो पहाड़े के पीछे कुछ शिकारी कुत्ते लगे हुए थे। इन्हीं शिकारी कुत्तों से जान बचाते समय पहाड़ा मेरठ पौड़ी मार्ग से गुजर रहे एक अज्ञात वाहन से टकरा गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पहाड़े को अपने साथ ले गई जिसके बाद उसे सेंचुरी क्षेत्र में ले जाकर दफना दिया गया। सेंचुरी क्षेत्र के रेंजर रवि राणा ने बताया कि पहाड़ा जंगल से होता हुआ सड़क पर जा पहुंचा जहां पर शिकारी कुत्तों से अपनी जान बचाते समय वह किसी वाहन से टकरा गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पार्क की जमीन पर निमार्ण हुआ तो कॉलोनिवासियों ने किया हंगामा

मवाना, 11 फरवरी (देशबन्धु)। नगर में मेरठ पौडी मार्ग स्थित डिफेंस कॉलोनी के सामने पार्क के लिए छोड़ी गई जमीन को बेचने के बाद निमार्ण कार्य शुरू हुआ तो कॉलोनी के लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। निमार्ण कार्य रूकवाने के बाद कॉलोनी के निवासियों थाने पर मामले की शिकायत की। जानकारी के अनुसार मेरठ पौडी मार्ग स्थित डिफेंस कॉलोनी में कॉलोनाइजर द्वारा कॉलोनी काटते समय पार्क छोड़ा गया था। रविवार को कॉलोनी के सामने छोड़े गए पार्क पर निमार्ण कार्य शुरू कर दिया। कॉलोनीवासियों को पार्क में निमार्ण किये जाने की जानकारी मिली तो पार्क में हो रहे निमार्ण कार्य को रूकवाने के लिए हंगामा शुरू कर आलाधिकारियों और थाना पुसिल को मामले की जानकारी दी। मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने निमार्ण कर रहे लोगों से निमार्ण कार्य रूकवा दिया। थाने पहुचें हरे कृष्णा डिफेन्स कालोनी के लोगों का कहना है कि जमीन लेते समय कालोनी के गेट पर पार्क बताया गया था। परन्तु कोलोनाइजर ने उस पार्क को प्लाट बनाकर के बेक दिया। जिससे कॉलोनी में आने वाले रास्ते की चौड़ाई कम होने के चलते आवागम में दिक्कते हो रही है।

- पुलिस ने निमार्ण कर रहे लोगों से निमार्ण कार्य रूकवाया

स्कूल में टीचर ने मारा थप्पड़, कान का पर्दा फटा

मेरठ, 11 फरवरी (देशबन्धु)। ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र स्थित एक स्कूल में होमवर्क न करने पर टीचर ने कक्षा तीन की छात्रा को थप्पड़ मार दिया, जिसके कारण छात्र के कान का पर्दा फट गया। मामले की जानकारी मिलने पर छात्र के परिवार वालों ने स्कूल में जमकर हंगामा करते हुए आरोपी टीचर के खिलाफतहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। गणेशपुरी के रहने वाले योगेश कुमार ने बताया कि उनकी बेटी अवनी निकट के ही एक स्कूल में कक्षा तीन क्लास में पढ़ती है। योगेश कुमार का आरोप है कि उनकी बेटी ने होमवर्क नहीं किया था, इसी के चलते टीचर ने अवनी की पिटाई करते हुए थप्पड़ मार दिए, जिसके चलते अवनी के कान का पर्दा फट गया। जानकारी मिलने पर जब वह स्कूल पहुंचे तो स्कूल प्रबंधन ने बच्ची के इलाज की बात कहते हुए मामले को निपटा दिया। अवनी के पिता योगेंद्र कुमार का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने उसका इलाज नहीं कराया। इसी के चलते योगेंद्र कुमार ब्रह्मपुरी थाना पहुंचे और टीचर के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। ब्रह्मपुरी थाना प्रभारी का कहना है कि योगेंद्र कुमार ने तहरीर दी है मामले की जांच की जा रही है। कार्रवाई की जाएगी।

कृषक इंटर कॉलेज में बी प्रमाण पत्र के लिए परीक्षा का किया आयोजन

मवाना, 11 फरवरी (देशबन्धु)। नगर स्थित कृषक इण्टर स्थित 73 यूपी बटालियन एनसीसी में रविवार को बी प्रमाण पत्र परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा बोर्ड अध्यक्ष कर्नल एम एस मान, सेना मेडल के निर्देशन एवं बोर्ड सदस्य कर्नल दिव्या व कैप्टन डॉ अंजुला राजवंशी के नेतृत्व में मवाना, मीरापुर, बहसूमा, परीक्षितगढ़, इंचौली आदि के कुल 286 कैडेट ने प्रतिभाग किया। कर्नल मान ने बताया कि सभी कैडेट्स ने लिखित परीक्षा के उपरांत, एफसीबीसी, वैपन, ड्रिल आदि की प्रयोगात्मक परीक्षा में पूर्ण मनोयोग एवं उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया है। परीक्षा की सुचिता बनाए रखने के उद्देश्य से नकलविहीन परीक्षा कराना हमारी प्राथमिकता में शामिल है। 73 बटालियन एनसीसी मवाना का समस्त स्टाफ बेहतर व्यवस्था प्रबंधन के लिए बधाई का पात्र है। यहां पर लेऽ राकेश कुमार, सूबेदार मेजर देवेन्द्र कुमार, सूबेदार कमल सिंह, सूबेदार अय्यूब, नायब सूबेदार सत्येन्द्र कुमार, बीएचएम साबिर अली, हवलदार महेन्द्र, मुकेश आदि उपस्थित रहे।

- 286 कैडेट ने किया प्रतिभाग

जागरूक प्रदूषण के दुष्प्रभाव के प्रति किया गया जागरूक

बढ़ता प्रदूषण मानव जीवन के लिए खतरा : इंदू प्रजापति

मेरठ, 11 फरवरी (देशबन्धु)। विनायक विद्यापीठ की बीएफए विभागाध्यक्ष इंदू प्रजापति ने बताया कि दिन प्रतिदिन प्रदूषण की मात्रा बढ़ती ही जा रही है। सरकार और सामाजिक संगठनों के सारे प्रयास बढ़ते प्रदूषण के आगे नाकाफी साबित हो रहे है, क्योंकि जिस तरह से प्रदूषण अपने प्रभाव में वृद्धि कर रहा है वह मानव जीवन के लिए बड़े खतरे की तरफ स्पष्ट इशारा कर रहा है।

बढ़ते शहरीकरण के कारण वन क्षेत्र घट रहे है और भौतिकवाद की संस्कृति में डुबा शहरीकरण विभिन्न तरह की सुविधाओं वाली तकनीकों के सहारे जीवन शैली को अपने अंदर समेटे हुए है, जिस

- जीव-जंतु, प्राकृतिक संपदा पर भी पड़ रहा दुष्प्रभाव

कारण वाहनों की संख्या निरन्तर बढ़ती ही जा रही है, जिससे प्रकृति प्रदत्त संसाधनों से मानव दूर हो रहा है और जिस वजह से मानव का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। आधुनिक तकनीकों से युक्त संसाधनों के उपयोग से प्रदूषण की मात्रा दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। प्रदूषण के दुष्प्रभाव के प्रति शायद ही किसी का ध्यान है, बढ़ते

प्रदूषण के दुष्प्रभाव से मानव सीधा-सीधा प्रभावित हो रहा है, वहीं सभी तरह के जीव-जंतु, प्राकृतिक संपदा बड़े स्तर पर इसके दुष्प्रभाव से प्रभावित हो रही है, इसी वजह से विभिन्न प्रजातियों के पंछी अब आसमान में, पेड़ों की शाखाओं पर कोलाहल करते दिखाई नहीं देते है। वाहनों के द्वारा उत्पन्न धुएं, एसी, फ्रीज, गीजर से निकलने वाली हानिकारक गैस, चिमनियों से निकलती प्रदूषित गैस, मोबाइल टावरों से निकलने वाले विकिरण के दुष्प्रभाव ने पक्षियों की कई प्रजातियों को समाप्त सा कर दिया है। जल, हवा, मिट्टी जैसे प्राकृतिक संसाधन प्रदूषण के कारण प्रभावित हो रहे है। प्रदूषण के लिए मानव स्वयं ही जिम्मेदार है, क्योंकि मानव जीवन के लिए प्रकृति ने तो सब कुछ बेहतर रूप से उपलब्ध कराया लेकिन मानव ने प्रकृति के दोहन से प्रकृति चक्र को प्रभावित कर दिया है। यदि मानव को अपना जीवन स्वस्थ रखना है तो यह आवश्यक है कि प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सभी कार्य करें। प्राकृतिक संसाधन को सहेजने का प्रयास करें, तभी बढ़ते प्रदूषण की रोकथाम की जा सकती है।

माफिया की फर्जी जमानत रिपोर्ट बनाने वाली अधिवक्ता गिरफ्तार

फर्रुखाबाद, 11 फरवरी (देशबन्धु)। थाना मऊदरवाजा पुलिस ने माफिया की जमानत की फर्जी रिपोर्ट बनाने वाली अधिवक्ता पूनम दुबे को गिरफ्तार कर लिया। वांछित अभियुक्ता पूनम दुबे आवास विकास कॉलोनी 6/20 निवासी संदीप कुमार की पत्नी है। टाप-10 अपराधी विकास यादव पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी खंदिया थाना मऊदरवाजा के विरुद्ध थाने पर विभिन्न अपराध करने के कई अभियोग पंजीकृत है। जिसको थाना पुलिस द्वारा अ0सं0552/18 धारा-392 भादवि में गिरफ्तार करके न्यायालय हाजिर कर जिला जेल दाखिल किया गया था। जो जिला कारागार फतेहगढ़ में निरुद्ध था। अभियुक्त विकास यादव एक शातिर अपराधी व थाना मऊदरवाजा का टाप-10 का अपराधी है। जमानत न होने के कारण के विकास के द्वारा अधिवक्ता पूनम दुबे से अपनी जमानत करवाने के लिये सम्पर्क किया गया। अधिवक्ता पूनम दुबे द्वारा यह जानते हुये कि उक्त अपराधी की जमानत कराने के लिये कोई सम्भ्रान्त व्यक्ति तैयार नही होगा। तब पूनम दुबे द्वारा 14.09.2023 को फर्जी जमानती प्रपत्र तैयार किये गये। जिसमें थाना मऊदरवाजा के उपनिरीक्षक की फर्जा जमानत आख्या तैयार कर व प्रभारी निरीक्षक मऊदरवाजा के फर्जी हस्ताक्षर बनाकर जमानत हेतु न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किये गये। न्यायालय द्वारा जमानत प्रपत्रों व जमानतदारों के संदिग्ध होने पर थाना मऊदरवाजा पुलिस से जांच आख्या मांगी गई। थाना पुलिस ने बाद जांच अपनी आख्या न्यायालय को प्रेषित की।

रामचरण को लेकर फिल्म बनायेंगे संजय लीला भंसाली

मुंबई। बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार संजय लीला भंसाली दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार रामचरण को लेकर फिल्म बना सकते हैं। संजय लीला भंसाली इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म लव एंड वॉर तथा वेब सीरीज हीरामंडी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। चर्चा है कि इसके साथ ही भंसाली एक नई पैन इंडिया फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। कहा जा रहा है कि भंसाली इस फिल्म में राम चरण को कास्ट करेंगे। फिल्म की कहानी अमीश त्रिपाठी की बुक, द लीजेंड ऑफ सुहेलदेव पर आधारित है।सुहेलदेव के रोल के लिए भंसाली की टीम ने कुछ समय पहले राम चरण से संपर्क किया है। राम चरण ने फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ ली है। यदि रामचरण के मन मुताबिक सबकुछ सही रहा तो वो इस फिल्म में राजपूत योद्धा सुहेलदेव का किरदार निभाते नजर आ सकते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अध्ययन में किया खुलासा

मझोले व छोटे शहरों में कैंसर के मामले बढ़े

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के मझोले और छोटे शहरों में भी कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने देश के मझोले शहरों में ऑन्कोलॉजी सेवाओं का विस्तार करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। इंटरनेशनल ऑन्कोलॉजी कैंसर इंस्टीट्यूट (आईओसीआई) द्वारा हाल ही में संपन्न दो दिवसीय वैज्ञानिक सम्मेलन आईओ-सीओएन2024 में विशेषज्ञों ने कहा कि कैंसर का निदान, उपचार बड़ी संख्या में लोगों के लिए कम खर्चीला बनाया जाना चाहिए, खासकर छोटे शहरों में। फोर्टिस अस्पताल, नोएडा के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के निदेशक, शुभम गर्ग ने कहा कि देश में हर साल लगभग 14 लाख नए कैंसर मामलों में से 60 प्रतिशत का पता बाद के चरणों में होता है जो जागरूकता और निदान को बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

- **हर साल लगभग 14 लाख नए कैंसर मामले**
- **फेफड़े का कैंसर, सिर और गर्दन का कैंसर और स्तन कैंसर शामिल**

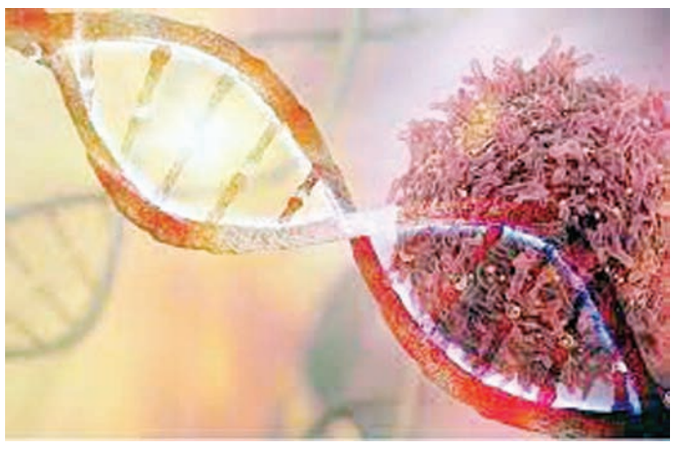

आईओसीआई में वरिष्ठ सलाहकार और क्लिनिकल लीड रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट अनीता मलिक ने कहा कि देश में 640 से अधिक विकिरण चिकित्सा उपकरण हैं, लेकिन क्योंकि देश अब कैंसर के मामलों में पांच-सात प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हो रही है, डब्ल्यूएचओ के अनुसार मशीनों की संख्या 1,400 तक बढ़ाने की आवश्यकता है। किसी भी ऑन्कोलॉजी संस्थान में बुनियादी ढांचे की लागत 100 करोड़ रुपए से अधिक है, और विकिरण उपकरणों की लागत कम से कम 25 करोड़ रुपए है। इसके लिए उपचार को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए पर्याप्त सार्वजनिक-निजी सहयोग की आवश्यकता है, जो अभी भी सीमित लोगों को ही उपलब्ध है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में हर साल कैंसर के मामलों में पांच-सात प्रतिशत की वृद्धि देखी जाती है। इसमें प्रमुख रूप से फेफड़े का कैंसर, सिर और गर्दन का कैंसर और स्तन कैंसर शामिल हैं।ऑन्कोलॉजिस्ट ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में फेफड़ों के कैंसर के 50 प्रतिशत मामले धूम्रपान न करने वालों में होते हैं। यह जीवनशैली कारकों के अलावा प्रदूषण में गिरावट के कारण होता है। उन्होंने बताया कि यह चिंताजनक है कि कुछ परिस्थितियों में, मरीज ने कभी धूम्रपान नहीं किया है और डॉक्टरों के पास काफी आगे के चरण में पहुंचता है।

चूंकि तम्बाकू धूम्रपान भारत में बहुत व्यापक है, इसलिए वहां पुरुषों में सिर और गर्दन का कैंसर भी काफी आम है, जो सभी कैंसर के 30 प्रतिशत मामलों के लिए जिम्मेदार है। इसके अलावा, स्तन कैंसर महिलाओं में सबसे आम है। भारत में हर आठवीं महिला इस घातक बीमारी से पीड़ित है। अमेरिका में मोंटेफियोर मेडिकल सेंटर में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के क्लिनिकल निदेशक मधुर गर्ग ने देश में मझोले शहरों में ऑन्कोलॉजी सेवाओं के विस्तार के महत्व पर जोर दिया।

वह इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक मजबूत सार्वजनिक-निजी भागीदारी की वकालत करते हैं।गर्ग ने बताया कि डॉक्टर मझोले शहरों में सेवा करने के इच्छुक हैं, बशर्ते कैंसर उपचार सेवाओं के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचा मौजूद हो।वह भारत सरकार द्वारा प्रदान किए गए आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कवरेज के सकारात्मक प्रभाव को भी स्वीकार करते हैं। यह स्वास्थ्य कवरेज पहल कैंसर के इलाज के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिससे देश भर के छोटे शहरों में रहने वाले लोगों के लिए परीक्षण और उपचार प्रक्रियाओं की पहुंच में सुधार होने की उम्मीद है।

पुरुषों व महिलाओं में हार्ट अटैक के लक्षण अलग

- **हृदय रोग को रोकने में मदद के लिए महिलाओं को मधुमेह, मानसिक तनाव और अवसाद आदि पर रखना होगा नियंत्रण**

न्यूयॉर्क, 11 फरवरी (एजेंसियां)। एक अध्ययन के अनुसार, पसीना, मतली, चक्कर आना और असामान्य थकान आम दिल के दौरे के लक्षणों की तरह नहीं लग सकते हैं, लेकिन महिलाओं में आम हैं, और आराम करने या सोते समय अधिक बार हो सकते हैं। पुरुषों के विपरीत, महिलाओं में सीने में दर्द, दबाव या बेचैनी हमेशा गंभीर नहीं होती है या दिल का दौरा पड़ने का सबसे प्रमुख लक्षण भी नहीं होता है। मेयो क्लिनिक के शोधकर्ताओं ने खुलासा किया कि इसीलिए महिलाओं को हृदय रोग के खतरे को कम करने के लिए काम करने के साथ-साथ उनके अनूठे लक्षणों को भी समझने की जरूरत है।

जब महिलाएं दिल के दौरे के लक्षणों का अनुभव करती हैं, तो उन संकेतों की अक्सर गलत व्याख्या की जाती है। महिलाओं के लक्षण अक्सर अस्पष्ट होते हैं - सांस की तकलीफ, मतली/उल्टी, और पीठ या जबड़े में दर्द। अन्य महिलाओं को चक्कर आना, निचली छाती या ऊपरी पेट में दर्द और अत्यधिक थकान का अनुभव होता है।

मैनकाटो में मेयो क्लिनिक हेल्थ सिस्टम के पारिवारिक चिकित्सा चिकित्सक चतुरा अलूर ने कहा कि पहले हृदय रोग के विकास के जोखिम कारकों को पहचानना और फिर उन व्यवहारों पर अंकुश लगाने के लिए काम करना महत्वपूर्ण है जो उस जोखिम को बढ़ा सकते हैं। अलूर ने कहा कि कुछ कारक महिलाओं में हृदय रोग के विकास में पारंपरिक जोखिमों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जैसे उच्च कोलेस्ट्रॉल, मोटापा और उच्च रक्तचाप। हृदय रोग को रोकने में मदद के लिए महिलाओं को मधुमेह, मानसिक तनाव और अवसाद, धूम्रपान और आरामदेह जीवन शैली जैसे जोखिम कारकों को नियंत्रित करना चाहिए। रजोनिवृत्ति, ब्रोकेन हार्ट सिंड्रोम और गर्भावस्था की जटिलताओं सहित कुछ स्थितियाँ भी एक महिला में हृदय रोग के खतरे को बढ़ा सकती हैं।

डॉ. अलूर ने कहा कि सभी उम्र की महिलाओं को हृदय रोग को गंभीरता से लेना चाहिए। कई महिलाएं अपने लक्षणों को कम महत्व देती हैं और तब तक देखभाल नहीं करती हैं जब तक कि हृदय को नुकसान नहीं पहुँच जाता है और आईसीयू में जाना आवश्यक हो जाता है। हम चाहते हैं कि महिलाएं अपने शरीर की बात सुनने के महत्व को समझें, समझें कि उन्हें क्या सामान्य लगता है, और लक्षण गंभीर होने से पहले देखभाल करें। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (एएचए) के अनुसार, गर्भनिरोधक गोलियों और धूम्रपान के संयोजन से युवा महिलाओं में हृदय रोग का खतरा 20 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। महिलाओं को बिना किसी पूर्व लक्षण के दिल का दौरा पड़ सकता है। एएचए ने कहा कि कोरोनरी हृदय रोग से अचानक मरने वाली लगभग 64 प्रतिशत महिलाओं में पहले कोई लक्षण नहीं थे। जोखिम भी बढ़ जाता है क्योंकि महिलाओं की उम्र और पारिवारिक इतिहास अक्सर एक कारक होता है। अधिक खाना और गतिहीन जीवनशैली जीना भी ऐसे कारक हैं जो समय के साथ धमनियों के अवरुद्ध होने का कारण बनते हैं। एएचए हृदय रोग के पारिवारिक इतिहास के मामले में 20 साल की उम्र में या उससे पहले कोलेस्ट्रॉल की जांच करने की सलाह देता है। अपने रक्तचाप की नियमित जांच कराना भी महत्वपूर्ण है।

मौसम खुलते ही ट्रैकर्स से गुलजार हुआ डोडिताल

उत्तरकाशी, 11 फरवरी (देशबन्धु)। उत्तराखंड पर्वतीय जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में इन दिनों जबरदस्त बर्फबारी हो रही है। उत्तरकाशी में इस हफ्ते के पांच दिनों में जबरदस्त बर्फबारी हुई। बर्फबारी के बाद मौसम खुलते ही पर्यटक बर्फ से पटे ट्रैकों का रुख करने लगे हैं। समुद्रतल से करीब 3 हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित डोडिताल इन दिनों ट्रैकर्स से गुलजार नजर आ रहा है। देश के विभिन्न राज्यों से ट्रैकर्स डोडिताल पहुंच रहे हैं। जिससे ट्रैकिंग व्यवसाय से जुड़े व्यवसायियों के चेहरे खिल उठे हैं। जिले में इस बार जमकर बर्फबारी हुई। अब मौसम साफ होते ही पर्यटक पर्यटन स्थल पहुंचने लगे हैं।

भारत होम स्टे के संचालक और टैकिंग व्यवसायी राजेश पंवार ने बताया कि डोडिताल ट्रैक पर इस समय करीब तीन से चार फीट बर्फ है। बर्फबारी के बाद मौसम खुलते ही तमिलनाडु के पांच ट्रैकर्स डोडिताल पहुंचे। जिन्होंने डोडिताल के 16 किमी के बर्फीले ट्रैक पर दो दिन ट्रैक पर बर्फ का लुत्फ उठाया। तमिलनाडु के ट्रैकर्स अनश्री और दिव्या का कहना है कि वह पहली बार उत्तर भारत के किसी ट्रैक पर आए हैं। डोडिताल ट्रैक की जानकारी उन्हें ऑनलाइन मिली थी। डोडिताल में दो दिवसीय ट्रैक जीवन का एक अलग ही अनुभव है। इस ट्रैक पर बर्फ से लदे हुए पेड़ इसकी खूबसूरती पर चार चांद लगा रहे हैं। इसके साथ ही अगोड़ा गांव में भारत होम स्टे में स्थानीय व्यजंनों का भी स्वाद लिया।

अगोड़ा गांव के प्रधान मुकेश पंवार का कहना है कि डोडिताल ट्रैक के लिए लगातार ऑनलाइन और ऑफलाइन बुकिंग आ रही है। उनके गांव और केलशू क्षेत्र के कई युवा ट्रैकिंग व्यवसाय से जुड़े हैं। डोडिताल ट्रैक पर पर्यटकों और ट्रैकर्स का आकर्षण स्थानीय लोगों के रोजगार के लिए भी सहायक सिद्ध हो रहा है।

डोडिताल उत्तरकाशी जिले के केलशू घाटी में समुद्रतल से करीब 3 हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यहां पर करीब एक किमी के क्षेत्र में झील फैली हुई है, जो कि अस्सी गंगा नदी का उद्गम स्थल है। उत्तरकाश जिला मुख्यालय से मैक्स वाहन या निजी वाहन से करीब 15 किमी की दूरी सड़क मार्ग से तय की जा सकती है। उसके बाद यहां पर अगोड़ा, ढासड़ा, दंदालका में होमस्टे की सुविधा है। अगोड़ा से डोडिताल की दूरी करीब 16 किमी का पैदल ट्रैक कर तय किया जाता है। यहां से गंगोत्री घाटी की चोटियों का सुंदर अवलोकन किया जा सकता है।

ई-बुक बूस्ट योर मेंटल हेल्थ वीद लव, इंटिमेसी, रोमांस एंड डिटेरमिनेशन, बुक को लोग ने किया पसंद

ग्रेटर नोएडा,11 फरवरी (देशबन्धु)। फियोथेरिपिस्ट चिकित्सक डॉ. राजेश राणा की लिखी गई ई-बुक ने अमेजॉन किंडल पर मात्र 18 घंटे में तीन कैटेगरी में अपनी बादशाहत कायम की और बेस्ट सेलर की सूची में शामिल हुई। यह क्षण हम सबके लिए अद्भुत एवं गौरवपूर्ण है। यह पुस्तक दूसरी पुस्तकों से काफी विभिन्न है। इस पुस्तक के माध्यम से डॉक्टर राणा ने वर्तमान समय में सफलता, असफलता दोनों के कारणों पर प्रकाश डाला है तथा ज्यादा से ज्यादा युवा पीढ़ी को इससे जोड़ने की कोशिश की है।

आजकल का युवा असली खुशी, कठिन परिश्रम, सब्र, दृढ़निश्चय, सच्चे प्यार की ताकत से अनजान है या भ्रमित है। इसलिए चिंता, भय, अवसाद, नकारात्मक का शिकार होता जा रहा है। इस पुस्तक में डॉक्टर राणा ने जीवन के विभिन्न रंग जैसे की कड़ी मेहनत, आत्मविश्वास, आत्म सम्मान, प्रेरणा, उपलब्धियां, रोमांस, अंतरंगता, मानसिक शक्ति व दृढ़ संकल्प को बड़ी ही खूबसूरती से दर्शाया

है। इस अविश्वसनीय पुस्तक के पीछे का मुख्य उद्देश्य आपको मानसिक रूप से इतना मजबूत बनाना है कि कोई भी बाधा, नकारात्मकता, तनाव, चिंता, अवसाद आप पर हावी न हो पाए। इस पुस्तक के माध्यम से डॉक्टर राणा ने जीवन के अनिवार्य पहलू प्यार व खुशहाली पर भी प्रकाश डाला है। उनका उद्देश्य अपने पाठकों को उनके लक्ष्य को पूरा करने के लिए एक अलग रास्ता दिखाना और अपने आत्मविश्वास, ज्ञान की गहराई और कड़ी मेहनत से अर्जित सफल रणनीतियों से अवगत कराना है। डॉक्टर राणा के अनुसार बिना खुशी और सच्चे प्यार के इंसान का जीवन निरर्थक है क्योंकि आपकी खुशी, सच्चा प्यार, मानसिक शांति, दृढ़ निश्चय, कठिन परिश्रम ही वह ईंधन है जो आपको आपके लक्ष्य के प्रति मोटिवेट करता है। बिना खुशी और सच्चे प्यार के आपको अपने जीवन का उद्देश्य नहीं मिल पाता है। इस पुस्तक में किसी के नकारात्मक जीवन को संपूर्ण सकारात्मक जीवन में बदलने के कुछ उपाय के साथ-साथ कई सकारात्मक विचारों को अच्छी तरह से समझाया गया है। डॉक्टर राना ने बताया है कि जो व्यक्ति खुश रहता है, वह हमेशा धनवान रहता है।

खुश रहने के लिए बड़ी खुशी का इंतजार न करें। एक कृतज्ञ व्यक्ति छोटी-छोटी बातों में भी खुशियां ढूंढ लेता है। दुनिया भर पर अपनी छाप छोड़ने के अलावा इस अद्भुत किताब को लिखने के पीछे डॉक्टर राणा का मकसद अपनी सार्थक और सकारात्मक दृष्टिकोण को नये आयाम देने का सबसे अच्छा तरीका है। उनका लक्ष्य हमेशा व्यक्तियों में सकरात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है।

मैं एक एक्टर के रूप में संतुष्ट हूं : सुम्बुल तौकीर

मुंबई, 11 फरवरी (एजेंसियां)। सुम्बुल तौकीर स्टारर शो 'काव्या- एक जज़्बा, एक जुनून' ने हाल ही में 100 एपिसोड पूरे किए। इस मौके पर एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे इस किरदार ने उनके करियर में योगदान दिया है। सुम्बुल ने काव्या नाम की एक आईएएस अधिकारी की भूमिका निभाई है। शो में मिश्कत वर्मा रिपोर्टर अधिराज की भूमिका में हैं। यह पूछे जाने पर कि वह काव्या बनकर कैसा महसूस करती हैं, 'इमली' फेम एक्ट्रेस ने कहा कि मैं एक एक्टर के रूप में संतुष्ट हूं। किरदार में कई आयाम और गहराई हैं। फैंस शो को पसंद कर रहे हैं। मुझे दुनिया भर से सोशल मीडिया पर सराहना भरे मैसेज मिल रहे है। मैं जितना हो सके उतने मैसेज पढ़ने की कोशिश करती हूं। यह फैंस की दुआएं हैं, जो मुझे कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है।

इस शो में अनुज सुलेरे भी हैं और यह सोनी पर प्रसारित होता है।

विश्व रोगी दिवस पर योग व बागवानी कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। विश्व रोगी दिवस के अवसर पर ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल ने एक परिवर्तनकारी योग और बागवानी कार्यशाला की मेजबानी करके विश्व रोगी दिवस मनाया। प्रतिवर्ष 11 फरवरी को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य और उपचार को बढ़ावा देने के लिए समर्पित लोगों के बीच समुदाय और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देते हुए बीमारी से जूझ रहे व्यक्तियों के सामने आने वाली चुनौतियों को पहचानना है। स्कूल ने इस वर्ष योग और बागवानी के तत्वों को शामिल करके एक अनोखा दृष्टिकोण अपनाया, जिससे इस दिन के लिए एक आध्यात्मिक आयाम जुड़ गया। प्रतिभागियों को योग विधियों को पुनर्जीवित करने और बागवानी की उपचारात्मक शक्तियों की खोज करने, शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के कल्याण को बढ़ावा देने का संतुष्टिदायक अनुभव प्राप्त हुआ। ऑर्किड इंटरनेशनल स्कूल बच्चों के माता-पिता छात्रों ने समग्र स्वास्थ्य प्रथाओं के प्रति अपने उत्साह और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल की प्रिंसिपल विभा गुप्ता ने कहा, हम विश्व रोगी दिवस के अवसर पर इस सार्थक कार्यशाला की मेजबानी

करके रोमांचित हैं। योग और बागवानी को मिलाकर, हमारा लक्ष्य एक समग्र अनुभव प्रदान करना है जो न केवल शरीर को फिर से जीवंत करता है बल्कि आत्मा को भी पोषण देता है। माता-पिता और छात्रों की उत्साही भागीदारी ने हमारे समुदाय में कल्याण को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया है। ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल का कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को समग्र प्रथाओं की उपचार शक्ति की याद दिलायी, जिसने उपस्थित सभी लोगों पर स्थायी प्रभाव डाला, शिक्षा में उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में स्कूल की प्रतिष्ठा को मजबूत किया।

पन्ना के कल्दा पठार में मौजूद है लुप्तप्राय मांसाहारी पौधा 'ड्रोसेरा'

पन्ना, 11 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र का पचमढ़ी कहे जाने वाले कल्दा पठार में घने जंगलों और प्राकृतिक जैवविविधता से समृद्ध श्यामगिरि की वादियों में लुप्तप्राय मांसाहारी पौधा 'ड्रोसेरा' पाया गया है। यह कीटभक्षी पौधा अपने भोजन की पूर्ति के लिए कीट पतंगों का शिकार करता है।

सुनने में भले ही अजीब लगे कि एक पौधा जीवित कीटों का शिकार कैसे कर सकता है लेकिन यह सच है। प्रकृति ने ड्रोसेरा की रचना कुछ इस तरह की है कि वह अपने भोजन की पूर्ति कीटों से करता है।

कीटभक्षी पौधा ड्रोसेरा के पत्तों पर अनेक रेशे निकले रहते हैं, जो एक चिपचिपा रस पैदा करते हैं। जो सूरज की रोशनी में ओस के कणों के समान चमकता है। इन चमकती बूंदों की ओर कीट आकर्षित होते हैं और स्पर्श करते ही चिपक जाते हैं। इसके पश्चात कीटों के छटपटाने से लम्बे रेशे सक्रिय हो जाते हैं और वे चारों तरफ से कीट को जकड़कर बंदी बना लेते हैं। इन रेशों से एक प्रकार का पाचक द्रव भी निकलता है, जो कीटों के पोषक तत्वों को अवशोषित कर लेते हैं। पाचन पूर्ण होने पर पुन: सीधे हो जाते हैं और अगले शिकार की प्रतीक्षा करने लगते हैं।

ड्रोसेरा प्राय: नदी, नाले या तालाब के किनारे उन क्षेत्रों में पाया जाता है जहां नाईट्रोजन की कमी होती है और वहां की जलवायु शुद्ध होती है। ड्रोसेरा जमीन से नाइट्रोजन प्राप्त करने में असमर्थ होता है इसलिए वह अपने शरीर में नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए कीट पतंगों का शिकार करता है। इस पौधे की पहचान दो दशक से प्रकृति संरक्षण का कार्य कर रहे अजय चौरसिया ने कल्दा वन परिक्षेत्र के श्यामगिरि क्षेत्र में की है। चौरसिया ने बताया कि कल्दा पठार के जंगल में एक छोटे से नाले के किनारे कुछ अजीब से पौधे मुझे नजर आये थे। उनके बारे में जानने की उत्सुकता में मैंने उन गुलाबी पौधों को देखना शुरू किया, उनकी तस्वीरें खींचीं। विस्तृत अवलोकन के बाद, मैं यह जानकर चौंक गया कि यह वही पौधा है

- **कीटभक्षी पौधा अपने भोजन की पूर्ति के लिए कीट पतंगों का करता है शिकार**

जिसके बारे में हमने किताबों में पढ़ा था। यह जानकर कि यह कीटभक्षी पौधा ड्रोसेरा है, मैं विस्मय और खुशी से अवाक रह गया। घटते प्राकृतिक आवास के कारण ड्रोसेरा विलुप्त होने के खतरे में है। इसकी उपलब्धता बहुत कम है और लुप्तप्राय होने के कारण इसे सहेजने की आवश्यकता है। पन्ना जिला मुख्यालय से लगभग 70 किमी. दूर समुद्र तल से तकरीबन दो हजार फिट की ऊंचाई पर स्थित कल्दा पठार को पन्ना जिले का पचमढ़ी कहा जाता है। लगभग पांच सौ वर्ग किमी. क्षेत्र में फैले इस पठार में अधिसंख्य आबादी आदिवासियों की है। जिनका जीवन पूरी तरह से जंगल व वनोपज पर ही निर्भर है। प्रकृति के सानिद्ध में नैसर्गिक जीवन जीते हुए यहां के आदिवासी सदियों से जंगल को अपनी इबादतगाह मानते रहे हैं। लेकिन तथाकथित विकास व उत्खनन से जुड़े लोगों की दखलंदाजी बढने से यहां के रहवासियों का इबादतगाह तेजी से उजड़ रहा है। अवैध व अनियंत्रित उत्खनन तथा जंगल की कटाई से पठार के नैसर्गिक सौन्दर्य पर भी ग्रहण लगने लगा है।

एम्स में सफल किडनी प्रत्यारोपण के बाद जागी जीवन की नई उम्मीद

देहरादून, 11 फरवरी (देशबन्धु)। उत्तराखंड के ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में अभी तक हुए तीन सफल किडनी प्रत्यारोपित लोगों में जीवन की नई आस जग गई है। इन सभी तीन

- **तीन किडनी दानदाताओं और रोगियों ने अपने अनुभव साझा किए**
- **विद्यार्थियों ने मरीजों व उनके तीमारदारों को गुर्दा व ऑर्गेन्स डोनेशन के लिए प्रेरित किया**

रोगियों ने रविवार को अपने अनुभव साझा किए। एम्स में आयोजित एक कार्यक्रम में तीनों किडनी दानदाताओं और रोगियों ने अपने अनुभव साझा किए। साथ ही, दूसरे लोगों को अंगदान के लिए आगे आने को प्रेरित किया है। कुमाऊं मंडल निवासी रोगी विक्रम नेगी ने बताया कि संस्थान में चिकित्सकों द्वारा किडनी प्रत्यारोपण कराने के सुझाव के बाद वह कई तरह की शंकाओं से घिरे हुए थे। बकौल विक्रम नेगी उनके मन में सवाल था कि किडनी प्रत्यारोपण का क्या परिणाम रहेगा, क्या परिजन से किडनी प्रत्यारोपण के बाद क्या मैं ठीक हो सकूंगा, मगर जब मेरे किडनी ट्रांसप्लांट की जांच प्रक्रिया पूरी हुई और चिकित्सकों ने मुझे भरोसा दिलाया कि मैं फिर से स्वस्थ जीवन जी सकूंगा तो मेरे मन में उम्मीद की किरण जगी। दूसरी ओर, विक्रम के पिता लक्ष्मण सिंह नेगी का कहना है कि उनके मन में अपने पुत्र को किडनी डोनेट करने के दौरान कोई सवाल नहीं था। वह पूरी तरह से इसके पक्ष में थे। लिहाजा संपूर्ण उपचार प्रक्रिया के दौरान वह अपने घर नहीं लौटे। उन्हें इस सफलता पर पूरा भरोसा था और आखिर चिकित्सकों के अथक प्रयासों व प्रोत्साहन से यह कामियाबी हासिल हो सकी और मेरे पुत्र को नया जीवन मिला।

दूसरी किडनी डोनर सुनीता देवी ने अपने पुत्र सचिन को किडनी दान दी थी। सचिन की पत्नी सपना ने बताया कि उनके परिवार को पति की इस बीमारी से उबारने के लिए पारिवारिजनों से अधिक एम्स के चिकित्सकों का अधिक सपोर्ट मिला है। सपना के अनुसार, उनके पति अनेक तरह की गंभीर बीमारियों से ग्रसित थे।

ट्यूबरक्लोसिस टीबी और अन्य मल्टीपल इन्फेक्शन से ग्रसित उनके पति की किडनी खराब होने से उन्हें महीनों तक विभिन्न अस्पतालों में पहले नर्सों के जरिए और बाद में पेट के माध्यम से अपने पति का डायलिसिस कराना पड़ा। इस दौरान एम्स के चिकित्सकों ने उन्हें अपने पति की किडनी ट्रांसप्लांट का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की सफलता पर यकीन नहीं हुआ, ऐसी स्थिति में एम्स के चिकित्सकों यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अंकुर मित्तल व नेफ्रोलॉजी विभाग प्रमुख डॉ. शेरोन कंडारी के भरोसा दिलाने व बार बार इस किडनी प्रत्यारोपण के लिए प्रेरित करने पर उन्हें और उनके परिवार की उम्मीद जगी और वह इसके लिए तैयार हो गए। बकौल सपना वह जब आठ माह की गर्भवती थीं, तब उन्हें पता चला कि उनके पति किडनी पेशेंट हैं।

लिहाजा उनका नियमित डायलिसिस होने लगा। बीमारी से वह मायूस रहने लगे। एक दिन उनके पति एम्स से डायलिसिस कराकर घर लौटे ही थे कि तभी डॉ. शेरोन कंडारी का फोन आया, उस फोन को अटेंड करने के बाद उनमें जीवन को लेकर उम्मीद की किरण जागने लगी। उन्होंने परिजनों से कहा कि अब सब ठीक होगा। इसके बाद किडनी प्रत्यारोपण की प्रक्रिया शुरू हुई और चिकित्सकों द्वारा उनके परिवार का भरोसा जगाने पर उनके पति को नया जीवन मिल सका। अब वह पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उनका मानना है कि यदि पेशेंट के बाद किडनी डोनर है तो डायलिसिस की लंबी प्रक्रिया से कहीं बेहतर किडनी प्रत्यारोपण के बाद ताउम्र दवा लेना है।

देशबन्धु

अर्थ जगत

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

एसबीआई	3.55 प्रतिशत
सन फार्मा	2.31 प्रतिशत
आईसीआईआई बैंक	2.14 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	1.39 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	1.17 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

महिंद्रा एंड महिंद्रा	2.40 प्रतिशत
भारती एयरटेल	1.88 प्रतिशत
एनटीपीसी	1.84 प्रतिशत
टाटा स्टील	1.67 प्रतिशत
इंफ़ोसिस	1.39 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2750-2850
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3590-3690
चीनी एम	4150-4250
मिल डिलीवरी	3470-3570
गुड़	4600-4700

दाल-दलहन

चना	5500-5600
दाल चना	6500-6600
मसूर काली	7350-7450
उड़द दाल	10000-10100
मूंग दाल	9550-9650
अरहर दाल	12500-12600

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

2024 में भारत में डिजिटल टेक्नोलॉजी पर खर्च हो जाएगा दोगुना

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत में संगठनों द्वारा डिजिटल प्रौद्योगिकी पर खर्च 2024 में अर्थव्यवस्था के दो गुना बढ़ने की संभावना है। इंटरनेशनल डेटा कॉरपोरेशन (आईडीसी) की रिपोर्ट में कहा गया है कि चूंकि कंपनियां डिजिटल बिजनेस मॉडल को बढ़ाने और डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने के लिए बाजार की मांगों से मजबूर हैं, इसलिए भारतीय कंपनियों द्वारा डिजिटल तकनीकी खर्च बढ़ना तय है। आईडीसी इंडिया की वरिष्ठ शोध प्रबंधक नेहा गुप्ता ने कहा, 'प्लेटफॉर्म-संचालित परिवर्तनों को अपनाने और एआई का उपयोग व्यवसायों को नवाचार की एक नई लहर की ओर ले जाएगा। स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण सीआईओ, डिजिटल क्षेत्र में सफलता के मेट्रिक्स को फिर से परिभाषित करेंगे।' आईडीसी को

उम्मीद है कि पूर्वानुमानित एआई, मशीन विजन और जेनएआई क्षमताओं का संयोजन और डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से ऑन-डिमांड सेवाओं का प्रावधान एक नया आयाम लेगा।

आईडीसी के 'इंडिया डिजिटल बिजनेस सर्वे, 2023' के अनुसार, अगले तीन वर्षों में भारतीय उद्यमों का लगभग 60 प्रतिशत राजस्व डिजिटल बिजनेस मॉडल से आने की उम्मीद है। ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ाने, राजस्व बढ़ाने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल आवश्यक हो गया है।

आईडीसी रिपोर्ट में कहा गया है, 'सीईओ डिजिटल राजस्व लक्ष्यों को पूरा करने के लिए डिजिटल-फर्स्ट पहल में निवेश पर जोर देकर संगठनात्मक परिवर्तनों को व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।' भारतीय संगठन हर जगह एआई क्षमताओं द्वारा संचालित नए बिजनेस मॉडल को सक्षम करने के लिए डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से ऑन-डिमांड सेवाओं को तेजी से बेचेंगे, उनसे जुड़ेंगे या प्रावधान करेंगे।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'जेनएआई का उपयोग बाजार के अवसरों का पता लगाकर और कंपनी के संसाधनों को आवंटित करके डिजिटल उत्पादों और सेवाओं के सह-विकास के लिए किया जाएगा।' एआई को थोक में अपनाने से उन कर्मचारियों के लिए चुनौतियां आएंगी, जो अपने समग्र वर्कफ्लो और सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित देखते हैं। आईडीसी इंडिया के रिसर्च ग्रुप के एवीपी, शरथ श्रीनिवासमूर्ति ने कहा, 'इस साल की भविष्यवाणियां उद्यमों और सीएक्सओ के लिए नए प्रक्षेपवक्र के अनुरूप हैं, जो प्रौद्योगिकी और व्यापार मॉडल में तेजी से बदलाव के अनुकूल हैं।'

यूपी में 19 फरवरी को 10 लाख करोड़ की 14 हजार परियोजनाएं शुरू होंगी

लखनऊ, 11 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) 4.0 के साथ राज्य में विकास के एक और चरण को शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसमें 14 हजार परियोजनाओं को शामिल करते हुए 10 लाख करोड़ के एमओयू (समझौता ज्ञापन) 19 फरवरी को लखनऊ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में पेश किए जाएंगे। इन परियोजनाओं से राज्य में 33.50 लाख रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार, जीबीसी 4.0 के लिए अनुमानित निवेश की शुरुआत पिछले तीन ग्राउंडब्रेकिंग समारोहों में लागू 2.0 लाख करोड़ रुपए से अधिक के संचयी निवेश से पांच गुना ज्यादा है। इस बार इनमें से 52 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शुरू की जाएंगी। लगभग 29 प्रतिशत एमओयू पूर्वांचल क्षेत्र में लागू किया जाएगा, जिसमें राज्य के पूर्वी हिस्से शामिल हैं। इसके अलावा 14 प्रतिशत एमओयू मध्यांचल और 5 प्रतिशत एमओयू बुन्देलखण्ड में लागू किये जायेंगे। इन एमओयू पर फरवरी 2023 में लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में हस्ताक्षर किये गये थे।

19 फरवरी के कार्यक्रम में प्रसिद्ध उद्योगपति, 500 कंपनियों के प्रतिनिधि, विदेशी निवेशक, राजदूत, उच्चायुक्त और अन्य विशिष्ट अतिथियों सहित लगभग 3000 लोग शामिल होंगे। राज्य सरकार के प्रवक्ता के अनुसार, 19.24 प्रतिशत निवेश का एक बड़ा हिस्सा आवास क्षेत्र में है।

इसके अलावा, 15 प्रतिशत निवेश नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में, 13 प्रतिशत विनिर्माण में, 10 प्रतिशत आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं में, 7.83 प्रतिशत लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग में, ऊर्जा में 7.5 प्रतिशत और खाद्य प्रसंस्करण में 6.01 प्रतिशत है।

विदेशी मुद्रा भंडार 5.74 अरब डॉलर बढ़कर 622.5 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और स्वर्ण में बढ़ोतरी होने से 02 फरवरी को समाप्त सप्ताह में देश

का विदेशी मुद्रा भंडार 5.74 अरब डॉलर बढ़कर 622.5 अरब डॉलर हो गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 59.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 616.7 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 02 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 5.2 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 551.3 अरब डॉलर पर पहुंच गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 60.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 48.1 अरब डॉलर हो गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 5.8 करोड़ डॉलर की कमी हुई और यह घटकर 18.2 अरब डॉलर रह गया। हालांकि इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 4.9 अरब डॉलर पर स्थिर रही।

एलन मस्क ने 10 लाख लोगों को मंगल ग्रह पर शिफ्ट करने की योजना बनाई

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। अरबपति एलन मस्क ने रविवार को दस लाख लोगों को मंगल ग्रह पर शिफ्ट करने की योजना की घोषणा की है। एलन मस्क ने एक्स डॉट कॉम पर एक पोस्ट में लिखा, 'हम दस लाख लोगों को मंगल ग्रह पर ले जाने के लिए एक गेम प्लान तैयार कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'स्टारशिप अब तक बना सबसे बड़ा रॉकेट है, जो हमें मंगल ग्रह तक ले जाएगा।' एलन मस्क ने कहा कि एक दिन, मंगल ग्रह की यात्रा पूरे देश में एक उड़ान की तरह होगी। उन्होंने यह जवाब उन यूजर्स को दिया जिन्होंने लाल ग्रह पर स्टारशिप के लॉन्च के बारे में पूछा था। एलन मस्क ने बीते हफ्ते कहा था कि स्टारशिप को 5 साल से कम समय में चंद्रमा पर पहुंचने में सक्षम होना

चाहिए। स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान अंतरिक्ष यात्रियों को आधी सदी से भी अधिक समय में पृथ्वी से सबसे दूर ले जाएगा। मंगल ग्रह पर रहने के लिए बहुत काम करना होगा। इसके अलावा, एलन मस्क ने जनवरी में कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि स्पेसएक्स अगले आठ वर्षों के भीतर लोगों को चंद्रमा पर भेजेगा। मस्क ने कहा, 'अब से आठ साल बाद चीजें कैसी होंगी। मुझे लगता है कि हम मंगल ग्रह पर उतर चुके होंगे और मुझे लगता है कि हमने लोगों को चंद्रमा पर भेज दिया होगा।' उनका लक्ष्य चंद्रमा पर बेस बनाने का भी है। उन्होंने कहा, 'हमें चंद्रमा पर स्थायी रूप से कब्जे वाले मानव आधार की तरह चंद्रमा पर एक आधार बनाना चाहिए, और फिर लोगों को मंगल ग्रह पर भेजना चाहिए।' उन्होंने बीते दिनों कहा था कि हो सकता है कि अंतरिक्ष स्टेशन से परे भी कुछ हो, लेकिन हम देखेंगे। एलन मस्क को यह भी उम्मीद है कि इस साल तीसरा स्टारशिप उड़ान परीक्षण कक्षा में पहुंचेगा और साबित करेगा कि अंतरिक्ष यान विश्वसनीय रूप से कक्षा से बाहर निकल सकता है।

महंगाई के आंकड़े तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई 11 फरवरी (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दरों को लगातार छठी बार यथावत रखने के फैसले से निराश निवेशकों की चौतरफा बिकवाली से बीते सप्ताह गिरावट में रहे घरेलू शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह जनवरी की थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख से तय होगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 490.14 अंक अर्थात 0.7 प्रतिशत लुढ़ककर सप्ताहांत पर 71595.49 अंक रह गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 71.3 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की गिरावट लेकर 21782.50 अंक पर रहा। समीक्षाधीन सप्ताह मझौली कंपनियों में लिवाली हुई जबकि छोटी कंपनियों में बिकवाली का दबाव रहा। इससे बीएसई का मिडकैप 641.46 अंक अर्थात 1.7 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 39569.57 अंक पर पहुंच गया। वहीं, स्मॉलकैप 199.5 अंक यानी 0.44 प्रतिशत गिरकर 45650.30 अंक पर आ गया।

विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह जनवरी की थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई के आंकड़े आने वाले है। साथ ही कोल इंडिया, एचएएल, एनएचपीसी, सेल, भेल, हिंडाल्को, आईआरसीटीसी, एमटीएनएल

और ओआईएल समेत कई दिग्गज कंपनियों के वित्त वर्ष 2023-24 की दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही के परिणाम भी जारी होने वाले हैं। अगले सप्ताह बाजार की चाल निर्धारित करने में इन कारकों की अहम भूमिका रहेगी। इनके अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत, दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति और एफआईआई के निवेश रुख पर भी बाजार की नजर रहेगी। एफआईआई फरवरी में अबतक 7,680.34 करोड़ रुपये की बिकवाली कर चुके हैं। हालांकि इस अवधि में घरेलू निवेशकों का शुद्ध निवेश 8,661.41 करोड़ रुपये रहा है।

बीते सप्ताह बाजार में तीन दिन गिरावट जबकि दो दिन तेजी रही। अमेरिका में रोजगार के मजबूत आंकड़ों से फेड रिजर्व के निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती करने की उम्मीद धूमिल होने से स्थानीय स्तर पर दूरसंचार, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, कमोडिटीज और टेक समेत दस समूहों में हुई बिकवाली से सोमवार को सेंसेक्स 354.21 अंक की गिरावट लेकर 71,731.42 अंक और निफ्टी 82.10 अंक टूटकर 21,771.70 अंक रह गया। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर तेल एवं गैस, टेक, आईटी और दूरसंचार समेत सोलह समूहों में हुई दमदार लिवाली की बदौलत मंगलवार को सेंसेक्स 454.67 अंक की छलांग लगाकर 72,186.09 अंक और निफ्टी 157.70 अंक उछलकर 21,929.40 अंक हो गया। विश्व बाजार की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक और सर्विसेज समेत छह समूहों में हुई बिकवाली से बुधवार को सेंसेक्स 34.09 अंक फिसलकर 72,152.00 अंक रह गया जबकि निफ्टी मामूली बढ़त के साथ 21,930.50 अंक पर सपाट बंद हुआ। आरबीआई के नीतिगत दरों को लगातार छठी बार यथावत रखने के फैसले से निराश निवेशकों की चौतरफा बिकवाली से गुरुवार को सेंसेक्स 723.57 अंक का गोता लगाकर 71,428.43 अंक और निफ्टी 212.55 अंक की गिरावट लेकर 21,717.95 अंक रह गया।

विश्व बाजार की तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर एसबीआई, आईसीआईआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस समेत सोलह दिग्गज कंपनियों में हुई दमदार लिवाली की बदौलत शुक्रवार को सेंसेक्स 167.06 अंक की तेजी के साथ 71,595.49 अंक और निफ्टी 64.55 अंक चढ़कर 21,782.50 अंक हो गया।

गूगल वन के हुए 100 मिलियन सब्सक्राइबर्स : सुंदर पिचाई

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने घोषणा की कि कंपनी गूगल वन सर्विस के 100 मिलियन सब्सक्राइबर हो चुके हैं, जो जीमेल, ड्राइव और फोटो जैसी फ्री सर्विस के लिए अतिरिक्त स्टोरेज के साथ-साथ ज्यादा फीचर्स तक पहुंच की अनुमति देता है। गूगल वन प्रीमियम प्लान 2 टेराबाइट्स स्टोरेज और वीपीएन और डार्क वेब मॉनिटरिंग जैसे अन्य फीचर्स के साथ आता है। कंपनी का नया एआई प्रीमियम प्लान यूजर्स को जेमिनी एआई तक पहुंच प्रदान करता है, और जल्द ही जीमेल और डॉक्स के अंदर जेनरेटिव एआई फीचर्स प्रदान करेगा। 'हमने हाल ही में 100 मिलियन गूगल वन सब्सक्राइबर्स को पार कर लिया है! हम अपने नए एआई प्रीमियम प्लान के साथ उस गति को आगे बढ़ाने की उम्मीद कर रहे हैं, जिसमें जेमिनी एडवांस्ड, प्लस जेमिनी इन जीमेल, डॉक्स प्लस जैसे एआई फीचर्स की पेशकश की जाएगी।' गूगल वन अधिक स्टोरेज प्रदान करता है, गूगल प्रोडक्ट्स में एक्सक्लूसिव फीचर्स को अनलॉक करता है, और कंपनी को अपने सबसे ज्यादा एक्टिव यूजर्स के साथ मजबूत रिलेशनशिप बनाने की अनुमति देता है। गूगल वन प्लान 1.99 प्रति माह डॉलर से शुरू होता है, जो पांच लोगों के साथ साझा करने योग्य 100 जीबी स्टोरेज और यूएस में इसकी वीपीएन सर्विस तक पहुंच प्रदान करता है। लोग नए गूगल वन एआई प्रीमियम प्लान का सब्सक्रिप्शन लेकर जेमिनी एडवांस्ड का उपयोग शुरू कर सकते हैं।

'जेमिनी अल्ट्रा' एआई मॉडल एक पेड एक्सपीरियंस होगा, जो नए 20 डॉलर गूगल वन टियर (दो महीने के फ्री ट्रायल के साथ) के जरिए उपलब्ध होगा, जिसमें 2 टेराबाइट्स स्टोरेज और डॉक्स, स्लाइड्स, शीट्स और मीट जैसे गूगल वर्कस्पेस ऐप्स में जेमिनी तक पहुंच भी शामिल है।

सार संक्षेप

जापान में डेटिंग ऐप्स का उपयोग बढ़ने से विवाह एजेंसियां दिवालिया हो रही !

टोक्यो। जापान में अब लोग शादी परामर्श एजेंसियों के बजाय डेटिंग ऐप्स का सहारा ले रहे हैं। पिछले वर्ष जापान में दिवालियापन आवेदनों की संख्या रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ गई है। मेनिची न्यूज पेपर की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल देश में कुल 11 विवाह एजेंसियों ने दिवालियापन के लिए आवेदन किया, अन्य 11 ने परिचालन निलंबित कर दिया या भंग कर दिया। अनुसंधान फर्म टीकोकू डेटाबेस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, यह उन सेवाओं के लिए एक रिकॉर्ड है, जो परंपरागत रूप से लोगों को अपने साथी ढूंढने और शादी के बंधन में बंधने में मदद करता है। इस ट्रेंड को जापान में जन्म दर में गिरावट और लोगों द्वारा देर से शादी करने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है, लेकिन डेटिंग ऐप्स को निर्णायक फैक्टर के रूप में देखा जाता है। नवंबर 2023 में मीजी यासुदा लाइफ इंश्योरेंस के एक सर्वे के अनुसार, पिछले साल शादी करने वाले हर चार जोड़ों में से एक की मुलाकात मैचिंग एप्लिकेशन का उपयोग करके हुई थी। दावा किया गया कि इतनी ही संख्या उन विवाहित व्यक्तियों की है, जिनसे वे काम के दौरान मिले थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि विवाह परामर्श उद्योग ऑनलाइन साक्षात्कार और विवाह पार्टियों जैसी सेवाओं की पेशकश करके नए ग्राहकों को आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, टीकोकू डेटाबैंक रिपोर्ट में कहा गया है कि उनके लिए बुनियादी सेवाओं वाली अन्य कंपनियों से अलग होना मुश्किल है, और केवल कीमत के आधार पर प्रतिस्पर्धा में पड़ना बहुत आसान है। ऊंची विज्ञापन लागत कंपनियों के कारोबार पर दबाव डाल रही है। इस बीच, डेटिंग ऐप्स और भी अधिक बाजार हिस्सेदारी हासिल करने के तरीकों की तलाश कर रहे हैं, जिसमें गोपनीयता पर अधिक ध्यान केंद्रित करना भी शामिल है, जिस पर विवाह परामर्श सेवाएं आम तौर पर अधिक ध्यान देती हैं।

2024 में एफपीआई ने 28,818 करोड़ रुपए की इक्विटी बेची

नई दिल्ली। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजय कुमार ने कहा कि जनवरी में इक्विटी में बिक्री और डेट में खरीदारी का एफपीआई निवेश फरवरी महीने में लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि 9 फरवरी तक एफपीआई ने 3,074 करोड़ रुपए की इक्विटी बेची और 15,093 करोड़ रुपए का कर्ज खरीदा। उन्होंने कहा, 'इससे 2024 में अब तक कुल इक्विटी बिक्री 28,818 करोड़ रुपए और ऋण खरीद 34,930 करोड़ रुपए हो गई है।' उन्होंने आगे कहा, 'जनवरी के आखिरी पखवाड़े में एफपीआई 31,261 करोड़ रुपये की बिक्री के आंकड़े के साथ वित्तीय क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विक्रेता थे। यह सामान्य तौर पर बैंक निफ्टी और विशेष रूप से कुछ प्रमुख निजी क्षेत्र के बैंकों के खराब प्रदर्शन की व्याख्या करता है।' उन्होंने कहा कि लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अब बैंकिंग शेयरों में वैल्यू है। उन्होंने कहा, 'एफपीआई आईटी और टेलीकॉम में खरीदार थे, जो इन क्षेत्रों में अग्रणी खिलाड़ियों के लचीलेपन को बताता है।' विजय कुमार ने कहा कि इक्विटी में एफपीआई की बिक्री का उलटा तब होगा जब अमेरिकी बांड घट जाएगा।

सोया रिफाइंड महंगा, दालों में मिलाजुला रुख

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में तेजी के बावजूद स्थानीय पर उठाव बढ़ने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में सोया रिफाइंड महंगा हो गया जबकि अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा वहीं दाल-दलहन और अनाज में मिलाजुला रुख रहा तथा चीनी और गुड़ के भाव गिर गए।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का फरवरी वायदा सप्ताहांत पर 145 रिंगिट उबलकर 3935 रिंगिट प्रति टन हो गया। इसी तरह फरवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.13 सेंट की तेजी के साथ 47.71 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

सप्ताहांत पर सोया रिफाइंड 74 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गया। वहीं, सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल,

पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 13259 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19780 रुपए प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 12088 रुपए प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 11209 रुपए प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 8066 रुपए प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 9733 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा।

एसटीईएम, कला और भाषाओं में शिक्षकों के विशेष प्रशिक्षण का प्रभाव

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने अपनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के साथ शिक्षा के क्षेत्र के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसका उद्देश्य इसे डिजिटल युग की आवश्यकताओं के लिए अधिक समावेशी, लचीला और प्रासंगिक बनाना है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम एजुकेशन 4.0 इंडिया रिपोर्ट के अनुसार, तीसरी कक्षा के लगभग 70 प्रतिशत बच्चों के पास पाठ पढ़ने और अंकगणित के आवश्यक कौशल नहीं हैं। इसके अतिरिक्त, देश में 68 प्रतिशत स्कूल सरकारों द्वारा संचालित हैं, जिनमें देश के 51 प्रतिशत शिक्षक हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सरकारी स्कूलों में काम करने वाले लगभग 44 लाख शिक्षकों के पास कंप्यूटर या इंटरनेट कनेक्टिविटी तक पहुंच नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसके लिए विशेष रूप से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम), कला और भाषाओं में विशेष शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता है। यह कार्यक्रम एनईपी 2020 के लक्ष्यों के अनुरूप होने और देश में शिक्षा की समग्र गुणवत्ता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण हैं।

सामार्थ्य टीचर्स ट्रेनिंग एकेडमी ऑफ रिसर्च (एसटीटीएआर) की अकादमिक परिषद की सदस्य सचिव सुषमा रतूड़ी कहती हैं, 'एसटीईएम में परस्पर जुड़े हुए अनुशासन शामिल हैं जो समग्र विकास और 21वीं सदी की महत्वपूर्ण क्षमताओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत ने एसटीईएम शिक्षा के महत्व को पहचाना है और इसके लिए दिशानिर्देश स्थापित किए हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण अंतर बना हुआ है। हालाँकि 2022 की एएसईआर रिपोर्ट के अनुसार, देश में एसटीईएम शिक्षा तक पहुंच में सुधार हुआ है।' रतूड़ी ने कहा, 'एसटीईएम विषयों तक पहुंच वाले स्कूलों में नामांकित बच्चों का प्रतिशत 2018 में 67.6 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 79.4 प्रतिशत हो गया है। हालांकि, विभिन्न क्षेत्रों और सामाजिक आर्थिक समूहों में एसटीईएम शिक्षा तक पहुंच में अभी भी महत्वपूर्ण असमानताएं हैं।'

विशेषज्ञों ने कहा कि प्रौद्योगिकी एकीकरण भारत के शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण पैठ बना रहा है, शिक्षा 4.0 कौशल पर केंद्रित शिक्षण रणनीतियों को शामिल करने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अद्यतन करना समय की मांग है। अधिकारी ने कहा, इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को निजी क्षेत्र के सहयोग से डिजाइन किया जा सकता है और इसमें शिक्षकों के लिए क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव हासिल करने के अवसर शामिल किए जा सकते हैं। विशेषज्ञों ने यह भी राय दी कि एसटीईएम-केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को एनईपी 2020 के अनुभवात्मक शिक्षण पर जोर के साथ संरेखित करते हुए परियोजना-आधारित शिक्षण और सहयोगात्मक गतिविधियों को अपनाने के लिए सशक्त बनाते हैं। इसी तरह, कला और भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम अंत:विषय दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हैं, शिक्षण प्रथाओं में सांस्कृतिक दृष्टिकोण और रचनात्मक अभिव्यक्ति का मिश्रण करते हैं।

खेल जगत

विश्व चैंपियन दिवे को महाराष्ट्र ओपन कैरम चैलेंजर के लिए शीर्ष वरीयता

मुंबई, 11 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के विश्व चैंपियन संदीप दिवे को महाराष्ट्र कैरम एसोसिएशन (एमसीए) द्वारा आयोजित 7 लाख रुपए की पुरस्कार राशि वाले महाराष्ट्र ओपन कैरम चैलेंजर में शीर्ष स्थान दिया गया है, जो मंगलवार से यहां शुरू होने वाला है। पूर्व विश्व चैंपियन प्रशांत मोरे (भारत) को दूसरी वरीयता दी गई है। योगेश परदेशी (भारत) को तीसरी वरीयता दी गई है। उसके बाद आर.एम. शंकर (भारत) चौथी वरीयता और मोहम्मद गुफरान को पांचवीं वरीयता दी गई है। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मोहम्मद मुंतसिर और इब्राहिम अली, मालदीव के दोनों चुनौतीकर्ता छठी और सातवीं वरीयता प्राप्त हैं, जबकि श्रीलंका के शाहिद हिल्मी आठवीं वरीयता प्राप्त हैं। देश भर के 18 राज्यों और विदेशों से कुल 503 शीर्ष गुणवत्ता वाले कैरम खिलाड़ियों ने इस आयोजन के उद्घाटन संस्करण में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है, जिसमें पुरुष एकल प्रतियोगिता शामिल है।

असली शो चुराने वाला 'बूमबॉल' है, अश्विन ने की बुमराह की तारीफ

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। अनुभवी भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड पर 106 रनों की जीत में नौ विकेट लेकर अपने सनसनीखेज प्रदर्शन के लिए तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह की भरपूर प्रशंसा की और उन्हें 'असली शो चुराने वाला' करार दिया।

विशाखापत्तनम में पहली पारी में 6/45 के शानदार प्रदर्शन सहित, बुमराह के नौ विकेटों की बदौलत भारत ने इंग्लैंड को 106 रनों से हराकर पांच मैचों की शृंखला 1-1 से बराबर कर ली।

अगला मैच 15 फरवरी में राजकोट में शुरू होगा।

प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिए जाने और प्रारूप में सबसे तेज 150 विकेट तक पहुंचने वाले भारतीय गेंदबाज बनने के कुछ दिनों बाद, बुमराह आईसीसी पुरुष टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले देश के पहले तेज गेंदबाज बन गए।अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'असली शो चुराने वाला बूमबॉल है। हमने थोड़ा जैसबॉल भी देखा है। बुमराह ने असाधारण गेंदबाजी की है। वह 14 विकेट के साथ अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं और नंबर 1 रैंक वाले टेस्ट गेंदबाज भी हैं। मैं उनका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं और यह एक हिमालयी उपलब्धि है।'उन्होंने युवा बल्लेबाजों यशस्वी जयसवाल और शुभमन गिल की भी प्रशंसा की, जिन्होंने विशाखापत्तनम टेस्ट में क्रमश: 209 और 104 रन बनाए। 'यशस्वी जयसवाल ने जबरदस्त विकास दिखाया है। उन्होंने दोहरा शतक बनाया। शुभमन गिल के पास कितनी प्रतिभा है, इसके बारे में कोई संदेह नहीं है। लेकिन शतक ने एक बल्लेबाज के रूप में उसके पास मौजूद कवच को सही ठहराया।' अश्विन, जो प्रारूप में 500 स्कैलप की उल्लेखनीय उपलब्धि तक पहुंचने से एक विकेट दूर हैं, ने आगे बताया कि मेजबान टीम को कोई वास्तविक घरेलू लाभ क्यों नहीं है। 'इससे पहले पांच ऐसे स्थानों पर इस तरह की मार्की टेस्ट शृंखला कभी नहीं हुई है। 2017 में, हमने रांची और धर्मशाला में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट खेले थे।'हालांकि, उस शृंखला में, अन्य स्थान पुणे और बैंगलोर थे। आमतौर पर, यदि 4-5 मैचों की टेस्ट शृंखला होती है, तो कम से कम एक या दो मेट्रो शहरों में होती हैं। इसके विपरीत, इस बार, यह उन स्थानों पर हो रहा है जो विश्व कप मैचों का हिस्सा नहीं थे। अधिकांश भारतीय खिलाड़ियों के लिए, ये स्थान नए हैं।' 'हमारी अपनी टीम में बहुत सारे खिलाड़ी खेल रहे हैं जिन्होंने डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी क्रिकेट स्टेडियम में कोई टेस्ट मैच या प्रथम श्रेणी मैच नहीं खेला है। मुझे यकीन नहीं है कि क्या यह किसी अन्य देश में संभव है। भारत में, यह संभव है क्योंकि यहां बहुत सारे टेस्ट स्थल हैं।

भारत का खिताबी 'छक्का जड़ने का सपना तोड़ ऑस्ट्रेलिया ने जीता अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप

भारत को फाइनल में 79 रन से शिकस्त दे ऑस्ट्रेलिया चौथी बार चैंपियन

नई दिल्ली, 11 फरवरी (देशबन्धु)। हरजस सिंह के बेहतरीन अर्धशतक और तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन (3/15)की धारदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने पिछले और पांच बार के चैंपियन भारत को रविवार रात बिनोनी में आईसीसी पुरुष अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में 79 रन से करारी शिकस्त दे उसके खिताबी छक्का जडने का सपना तोड़ चौथी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। भारत की सीनियर टीम भी अपने सभी मैच जीत वन डे विश्व कप फाइनल में पहुंचने के बाद से ऑस्ट्रेलिया से हार खिताब जीत से चूक गई थी। ऑस्ट्रेलिया की अंडर -19 टीम ने अपनी सीनियर टीम से प्रेरणा ले उसके नक्शेकदम पर चल भारत को हरा खिताब जीत यह साबित किया उसे बड़े और अहम मुकाबले जीतना आता है। ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम इससे पहले दो बार भारत से अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में हार गई थी।

हरजस सिंह के भारतीय स्पिनरों के खिलाफ कदमों का बेहतरीन इस्तेमाल कर जड़े बेहतरीन अर्द्धशतक और ओलिवर पीक की निचले क्रम में 43 गेंदों में एक छक्के और दो चौकों की मदद से खेली अविजित 46 रन की तेज पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट पर 253 रन का रिकॉर्ड चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। हरजस को पारी के 38 वें ओवर में बाएं हाथ के स्पिनर सौम्य पांडे ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। सलामी बल्लेबाज हैरी डिक्सन(42 रन, 56 गेंद, एक छक्का, तीन चौके) और कप्तान

हयू विबगेन (48 रन, 66 गेंद, 5 चौके) की दूसरे विकेट की 78 रन, भारतीय मूल के बाएं हाथ के सिख ऑलराउंडर हरजस सिंह (55 रन, 64 गेंद, तीन छक्के, तीन चौके) की रेयन हिक्स के साथ चौथे विकेट की 66 रन तथा पीक की टॉम स्ट्रैकर के साथ आठवीं विकेट की 32 रन की असमाप्त भागीदारी नेऑस्ट्रेलिया को 250 के पार पहुंचाया। तेज गेंदबाज राज लिम्बानी (3/38) और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नमन तिवारी (2/63) भारत के सबसे कामयाब गेंदबाज रहे। अपने पहले ओवर में 15 रन देने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नमन तिवारी ने 21 वें ओवर में अपने दूसरे स्पैल के लिए लौटते हुए पहले कप्तान हयू विबगेन को बैकवर्ड पॉइंट पर मुशीर खान के हाथों आउट करा उनकी और डिक्सन की भागीदारी को तोडने के अपने अगले ओवर में धीमी ऑफ कटर को ड्राइव के लिए मजबूर कर कवर में मुरुगन अभिषेक के हाथों कैच करा बड़े स्कोर की ओर बढ़ते ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 99 उस पर लगाम लगाई।

जवाब में तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन (3/15) व कैलुम विडलर(2/63) की धारदार गेंदबाजी और ऑफ स्पिनर रैफ मैकमिलन(3/45) के बुने स्पिन के जाल की बदौलतं जीत के लिए रिकॉर्ड 254 रन का पीछा करने उतरने वाली भारतीय टीम को सलामी बल्लेबाज आदर्श सिंह (47 रन, 77 गेंद एक छक्का, चार चौके) और मुरुगन अभिषेक (42 रन, 46 गेंद, एक छक्का , चार चौकों) की उपयोगी पारियों के बावजूद 43.5 ओवर में 174 रन समेट कर ऑस्ट्रेलिया को फाइनल जिता दिया। आदर्श सिंह सातवें बल्लेबाज के रूप में बियर्डमैन की गेंद को शार्ट गेंद को उड़ाने की कोशिश में विकेटकीपर हिक्स को कैच थमा बैठे जबकि अभिषेक नौवें बल्लेबाज के रूप में विडलर की शॉर्ट गेंद को पुल करने की कोशिश में कप्तान विबगेन को कैच थमा 168 के स्कोर पर आउट हुए और भारत के स्कोर छह रन और जुड़े कि स्ट्रैकर ने सौम्य पांडे (2) को विकेटकीपर हिक्स के हाथों कैच करा भारत की पारी समेटी। भारत के सलामी बल्लेबाज अर्शिन कुलकर्णी (3) के रूप में पहला विकेट मात्र तीन पर गंवा दिया। कुलकर्णी ने तेज गेंदबाज कैलुम विडलर की बेहतरीन आउटस्विंगर पर बल्ला चलाया और विकेटकीपर रेयन हिक्स को कैच थमा दिया। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज आदर्श सिंह ने एंडरसन के दूसरे ओवर की पहली गेंद को स्कवॉयर ड्राइव कर अपना और भारत की पारी का पहला चौका जड़ा। मुशीर खान (1) ने एंडरसन की चौथे ऑफ स्टंप पर पड़कर तेजी से बाहर निकलती गेंद पर बल्ला चलाया लेकिन पहली स्लिप में डिक्सन ने कैच टपका दिया। कैलुम विडलर का पहला स्पैल रहा 5-2-6-1 । भारत ने शुरू के 10 ओवर में एक विकेट खोकर 28 रन बनाए। मुशीर खान (22 रन,33 गेंद, तीन चौके) ने तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन की तेजी से भीतर आती गेंद को खेलने को बैकफुट पर खड़े रह कर खेलने की कोशिश की गेंद उनके बल्ले के नीच लग उनका विकेट उड़ा ले गई और भारत ने दूसरा विकेट 40 रन पर खो दिया। पूरे टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन करने वाले कप्तान उदय सहारन (8 दरन, 18 गेंद) ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बियर्डमैन की ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद को स्लैश करने गए और बैकवर्ड पॉइंट पर कप्तान विबगैन को कैच थमा दिया और भारत तीन विकेट मात्र 55 रन पर खोकर गहरे संकट में फंस गया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें विकेट के लिए 171 रन की भागीदारी करने वाले सचिन दास(9 रन, 8 गेंद, एक चौका) ने ऑफ स्पिनर रैफ मैकमिलन की स्पिन होती गेंद को ड्राइव करने गए और गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारी लेकर विकेटकीपर हिक्स को कैच थमा दिया और भारत ने चौथा विकेट 68 रन पर खो दिया और तब ही उसकी हार साफ नजर आने लगी थी। प्रियांशु मोलिया (9 रन, 21 गेंद) ने तेज गेंदबाज चार्ली एंडरसन की शॉर्ट गेंद को गेंद को पुल करने के फेर में विडलर को कैच थमा दिया और भारत ने 25 वें ओवर में पांचवां विकेट 90 रन पर खो दिया।

टीम के लिए नए कोच नियुक्त किए जाएंगे: जिम्बाब्वे क्रिकेट

हरारे, 11 फरवरी (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे क्रिकेट (जेडसी) बोर्ड ने जांच समिति द्वारा प्रस्तुत व्यापक रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है, जिसे जिम्बाब्वे की विश्व कप क्वालीफिकेशन विफलताओं की जांच के साथ-साथ इसके क्रिकेट मामलों की संरचना की समीक्षा करने के लिए गठित किया गया था। जिम्बाब्वे पिछले साल जून में क्वालीफाइंग टूर्नामेंट का मेजबान होने के बावजूद विश्व कप 2023 के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा था और यहां तक कि 1-29 जून तक होने वाले पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में जगह बनाने का मौका भी गंवा दिया था, जिसके कारण मुख्य कोच डेव हॉटन को इस्तीफा देना पड़ा। 2008 में जिम्बाब्वे को कोचिंग देने वाले वाल्टर चावागुटा ने पिछले महीने श्रीलंका के सफेद गेंद दौरे के लिए अंतरिम मुख्य कोच के रूप में पदभार संभाला था। प्रसिद्ध वकील लॉयड मिशी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति ने आंतरिक और बाहरी दोनों तरह के विभिन्न हितधारकों से इनपुट इकट्ठा करने के बाद बोर्ड को अपनी रिपोर्ट पेश की।

शनिवार देर रात हुई बैठक में निष्कर्षों पर विचार-विमर्श करने के बाद जेडसी ने कहा कि उसके बोर्ड ने रिपोर्ट को पूरी तरह से अपनाने और समिति की सिफारिशों को तुरंत लागू करने का संकल्प लिया है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने कहा कि प्रबंधन को समिति द्वारा की गई सभी सिफारिशों को देखने और चार सप्ताह के भीतर बोर्ड को एक कार्य योजना पेश करने का काम सौंपा गया था। बैठक के दौरान, बोर्ड ने जिम्बाब्वे की वरिष्ठ महिला राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के रूप में वाल्टर चावागुटा की भी पुष्टि की, जबकि जिम्बाब्वे अंडर -19 पुरुष राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के पद से प्रॉस्पर उत्सेया का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया।

भारत बनाम इंग्लैंड में जैक लीच बची हुई टेस्ट सीरीज से बाहर

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड के बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच बाएं घुटने की चोट के कारण भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। जैक लीच को हैदराबाद में टेस्ट श्रृंखला के शुरुआती मैच के पहले दिन फील्डिंग करते समय अपने बाएं घुटने में चोट लग गई, जहां वह एक चौका रोकते समय चोटिल हो गए थे। मैच के दूसरे दिन लीच की चोट ने उन्हें काफी परेशान किया।

इसलिए, उन्होंने पहली पारी में 26 ओवर फेंके लेकिन लीच दूसरी पारी में 10 ओवर फेंकने में सफल रहे। जिसके बाद वह दूसरे टेस्ट के लिए समय पर ठीक होने में असफल रहे। विशाखापत्तनम में राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम, जिसमें इंग्लैंड को 106 रन से हार झेलनी पड़ी। ऐसी उम्मीद थी कि लीच दस दिन के ब्रेक में फिट हो जाएंगे और 15 फरवरी से राजकोट में भारत के खिलाफ शुरू होने वाले इंग्लैंड के तीसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे। लेकिन अबू धाबी में टीम के ब्रेक पर होने के कारण, यह तय हो

गया है कि लीच बाकी बचे तीन टेस्ट मैचों में इंग्लैंड के लिए कोई हिस्सा नहीं ले पाएंगे। यह इंग्लैंड के लिए बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि लीच हाल ही में पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर से लौटे हैं, जिसके कारण वह पिछले साल घरेलू मैदान पर एशेज से बाहर हो गए थे। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के एक बयान में कहा, 'वह अगले 24 घंटों में अबू धाबी से घर के लिए उड़ान भरेंगे, जहां इंग्लैंड की टीम राजकोट में गुरुवार से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले रुकी हुई है। लीच अपने पुनर्वास के संबंध में इंग्लैंड और समरसेट मेडिकल टीमों के साथ मिलकर काम करेंगे। इंग्लैंड किसी प्रतिस्थापन को नहीं बुलाएगा।' इंग्लैंड को सोमवार को भारत पहुंचना है और तीसरे टेस्ट से पहले मंगलवार को राजकोट में अपना अभ्यास शुरू करना है, जो इस प्रारूप में कप्तान बेन स्टोक्स की 100वीं उपस्थिति भी होगी।

इंग्लैंड टेस्ट टीम: बेन स्टोक्स (कप्तान), रेहान अहमद, जेम्स एंडरसन, गस एटकिंसन, जॉनी बेयरस्टो, शोएब बशीर, हैरी ब्रूक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, बेन फॉक्स, टॉम हार्टले, ओली पोप, ओली रॉबिन्सन, जो रूट और मार्क वुड

सार संक्षेप

अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के चुनाव 10 मार्च को होंगे

चेन्नई। रिटर्निंग अधिकारियों ने घोषणा की है कि अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के पदाधिकारियों के लिए चुनाव 10 मार्च को नई दिल्ली में होंगे। देर से ही सही लेकिन अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के चुनाव की तारीख का ऐलान हो गया है, क्योंकि सामान्य तौर पर चुनाव 3 जनवरी, 2024 को या उससे पहले हो जाने चाहिए थे। एआईसीएफ चुनाव के लिए रिटर्निंग अधिकारी न्यायमूर्ति जी.एस.सिस्तानी (सेवानिवृत्त), पूर्व न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति रंग नाथ पांडे (सेवानिवृत्त), पूर्व न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शनिवार को चुनाव की तारीख की घोषणा की। इसमें बताया गया है कि 'सदस्यों को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2024-2027 के लिए अखिल भारतीय शतरंज महासंघ का चुनाव 10 मार्च 2024 को नई दिल्ली में चुनाव कार्यक्रम और चुनाव प्रक्रिया के साथ अधिसूचित किए जाने वाले स्थान पर होगा।'

महिला खेल-कूद प्रतियोगिता माताओं-बहनों के अच्छे स्वास्थ्य की दिशा में सार्थक प्रयास: अनुराग ठाकुर

धर्मशाला/नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने रविवार को कहा कि महिला खेल-कूद प्रतियोगिता माताओं-बहनों के अच्छे स्वास्थ्य की दिशा में सार्थक प्रयास है। आज सुबह हिमाचल प्रवास पर आये श्री अनुराग ठाकुर ने झंडुता विधानसभा के ग्राम पंचायत बालघाड़ के ठप्पर और ग्राम पंचायत बल्ह सीणा के बल्ह सीणा ग्राम में स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके पश्चात घुमारवीं विधानसभा के ग्राम पंचायत अमरपुर के अमरपुर गांव में उन्होंने गांव चलो अभियान में शिरकत की। श्री ठाकुर ने कहा, 'आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत आज खेल के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छू रहा है, और उन्हीं की प्रेरणा से झंडूता विधानसभा क्षेत्र में मंडल स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता की शुरुआत हुई है। महिला मोर्चा की बहनें और स्वयं सहायता समूह की बहनों ने इसमें भाग लिया। यह खेलो इंडिया, फिट इंडिया को बढ़ावा देने के लिए और जागरूकता फैलाने की दिशा में उपयोगी है। स्वस्थ रहने के लिए खेलों में भाग लें और साथ ही साथ यह मनोरंजन का भी सशक्त माध्यम है। अपनी संस्कृति परंपराओं के साथ-साथ खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए यह बहुत अच्छी शुरुआत है। मेरा विश्वास है कि ऐसे कार्यक्रमों को पूरे प्रदेश भर में और देश भर में चलना चाहिए इससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी।'

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 34 रनों से हराया

एडिलेड, 11 फरवरी (एजेंसियां)। ग्लेन मैक्सवैल की नाबाद 120 रनों की तूफानी शतकीय पारी और उसके बाद मार्कस स्टॉयनिस के तीन विकेट की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को दूसरे टी-20 के रोमांचक मुकाबले में रविवार को 34 रनों से हरा दिया है। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे हो गई है। 242 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ओवर में उसने सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग पांच रन का विकेट गंवा दिया। जॉनसन चार्ल्स 24 रन, निकोलस पूरन 18 रन और शे होप शून्य पर आउट हुये। रोवमन पॉवेल ने कप्तानी पारी खेलते हुये 36 गेंदों में पांच चौकों और चार छक्कों की मदद से 63 बनाये। वेस्टइंडीज के विकेट लगातार गिरते रहे। शरफेन रदरफोर्ड शून्य, आंद्रे रसल 37 रन, रोमारियो शेफर्ड 12 रन बनाकर और अकील हुसैन शून्य पर आउट हुये। जेसन होल्डर 28 रन और अल्जारी जोसेफ दो रन पर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 207 रन ही बना सकी।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से मार्क्स स्टॉयनिस ने तीन विकेट लिये। स्पेंसर जॉनसन और जॉश हेजलवुड ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। ऐडम जम्पा और जेसन बेहरनडॉर्फ को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले आज यहां वेस्टइंडीज के कप्तान निकोलस पूरन ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया है। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ओवर में 14 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज जॉश इंग्लिस चार रन का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बाद छठे ओवर में कप्तान मिचेल मार्श भी 29 रन बनाकर पवेलियन लौट गये।

सातवें ओवर में डेविड वॉर्नर 22 रन ऑस्ट्रेलिया के आउट होने वाले तीसरे बल्लेबाज थे। उस समय टीम का स्कोर 64 रन था। इसके बाद ग्लेन मैक्सवेल ने मोर्चा संभाला और मार्कस स्टॉयनिस के साथ चौथे विकेट के लिए 82 रन जोड़े। स्टॉयनिस 16 रन बनाकर आउट हुये। मैक्सवेल ने 55 गेंदों में 12 चौकों और आठ छक्कों की मदद से नाबाद 120 रन बनाये। वहीं टिम डेविड 14 गेंदों में 31 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट पर 241 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

मैक्सवेल ने जड़ा तूफानी शतक, रोहित के पांच टी20 शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी की

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के धुरंधर बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल ने रविवार को एडिलेड ओवल में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 55 गेंदों में 120 रनों की नाबाद पारी खेलकर पुरुष टी20 में सर्वाधिक पांच शतकों के भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। ग्लेन मैक्सवेल ने 50 गेंद में शतक जड़कर ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज के खिलाफ 241/4 का विशाल स्कोर खड़ा करने में मदद की। जब मैक्सवेल क्रीज पर आए तब ऑस्ट्रेलिया सातवें ओवर में 64/3 पर संकट में था और वहां से उन्होंने 55 गेंदों पर नाबाद 120 रन की अविश्वसनीय पारी में आठ छक्के और 12 चौके लगाए। 241/4 का स्कोर ऑस्ट्रेलिया का घरेलू मैदान पर पुरुषों का सर्वोच्च टी20 स्कोर भी है, और समग्र रिकॉर्ड को देखते हुए चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। एडिलेड में अपने 102वें टी20 मैच में लगाए गए इस शतक के साथ मैक्सवेल ने रोहित की बराबरी कर ली है, जो 151 मैचों में इस मुकाम पर पहुंचे हैं। पुरुषों के टी20 क्रिकेट के इतिहास में पांच शतक बनाने वाले मैक्सवेल अब रोहित के बाद दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित ने जनवरी में बेंगलुरु में तीसरे टी20 में अफगानिस्तान के खिलाफ अपना पांचवां टी20 शतक बनाया था, जिसे डबल सुपर ओवर के बाद भारत की जीत के लिए सबसे ज्यादा याद किया जाता है।

पटना पाइरेट्स के कप्तान सचिन ने कहा

'हमने यू मुंबा के खिलाफ अपनी योजनाओं को सफल किया'

कोलकाता, 11 फरवरी (एजेंसियां)। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 10वें सीजन में पटना पाइरेट्स ने यू मुंबा को हराकर प्लेऑफ में जगह बना ली है। टीम के कप्तान सचिन ने कहा कि यह जीत उनके खिलाड़ियों द्वारा अपनी योजनाओं को सफल करने के कारण आई है। शनिवार को कोलकाता में अपनी 44-23 की जीत के बारे में बोलते हुए पटना पाइरेट्स के कप्तान सचिन ने कहा, 'हमारे रक्षा और रेडिंग विभाग ने यू मुंबा के खिलाफ बहुत अच्छा खेला। जहां तक प्लेऑफ के लिए हमारी योग्यता का सवाल है, यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण मैच था। हम धैर्यपूर्वक खेलना चाहते थे और यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि हम मैच जीतें।' सचिन ने यह भी कहा कि खिलाड़ियों का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उन्होंने कहा, 'हमारे खेमे में आत्मविश्वास बहुत ऊंचा है और हम अपने आगामी मैचों में इसी तरह खेलना जारी रखना चाहते हैं। अगर हम अपने प्रदर्शन को

नियंत्रित कर सकते हैं, तो हम निश्चित रूप से टूर्नामेंट में बहुत आगे तक जाएंगे।'

इस बीच, यू मुंबा के खिलाफ मैच में सात रेड अंकों के साथ योगदान देने वाले सुधाकर एम ने कहा, 'मुझे हमारे कोच और सचिन से बहुत समर्थन मिला है। मेरा मुख्य ध्यान प्रशिक्षण सत्र के दौरान बहुत कठिन अभ्यास करना है और फिर सुनिश्चित करना है मैं हर मैच से पहले पूरी तरह से ठीक होने के लिए पर्याप्त आराम भी करता हूं।'

बीजिंग 2029 विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

लुसाने, 11 फरवरी (एजेंसियां)। चीन की राजधानी बीजिंग की 2029 वर्ल्ड एक्वेटिक्स चैंपियनशिप के मेजबान के रूप में पुष्टि की गई है। वर्ल्ड एक्वेटिक्स ब्यूरो द्वारा बोली प्रक्रिया और सावधानीपूर्वक विचार के बाद, रविवार को यह पुष्टि की गई। वर्ल्ड एक्वेटिक्स ने कहा कि वर्ल्ड एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 2029 में 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों के 2,500 से अधिक विश्व स्तरीय एथलीटों का स्वागत किया जाएगा, जो तैराकी, गोताखोरी, वाटर पोलो, कलात्मक तैराकी, खुले पानी में तैराकी और हाई डाइविंग के छह जलीय खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। वर्ल्ड एक्वेटिक्स इवेंट का आयोजन चीन स्विमिंग एसोसिएशन और बीजिंग म्यूनिसिपल ब्यूरो ऑफ स्पोर्ट्स के निकट सहयोग से किया जाएगा।

वर्ल्ड एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 2029 के

अलावा, बीजिंग वर्ल्ड एक्वेटिक्स मास्टर्स चैंपियनशिप 2029 की भी मेजबानी करेगा। इन दोनों आयोजनों की तारीखों की घोषणा उचित समय पर की जाएगी।

बीजिंग ने तैराकी, गोताखोरी, कलात्मक तैराकी और वाटर पोलो में कई विश्व कप आयोजनों के साथ-साथ वर्ल्ड एक्वेटिक्स तैराकी विश्व कप के 15वें संस्करण की मेजबानी की है। चीन ने 2018 में हांगझोउ में वर्ल्ड एक्वेटिक्स स्विमिंग चैंपियनशिप (25 मीटर) और 2011 में शंघाई में वर्ल्ड एक्वेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी भी की।

इसके अलावा, चीन अकेले 2024 में तीन वर्ल्ड एक्वेटिक्स कार्यक्रमों की भी मेजबानी करेगा: बीजिंग में वर्ल्ड एक्वेटिक्स आर्टिस्टिक तैराकी विश्व कप (5-7 अप्रैल), वर्ल्ड एक्वेटिक्स डाइविंग विश्व कप - शीआन में सुपर फाइनल (19-21 अप्रैल), और शंघाई में वर्ल्ड एक्वेटिक्स तैराकी विश्व कप (18-20 अक्टूबर)।

वर्ल्ड एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 2024 वर्तमान में दोहा में हो रही है, वर्ल्ड एक्वेटिक्स चैंपियनशिप के 2025 और 2027 संस्करण क्रमश: सिंगापुर और बुडापेस्ट में आयोजित किए जाएंगे।